जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

जालोर

Rashtradoot

फोनः- 226422, 226423 फैक्सः- 02973-226424 वर्षः 20 संख्याः 141 प्रभात जालोर, गुरुवार 28 अगस्त, 2025 पो. रजि. /RJ/SRO/9640/2022-24 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रु.

'क्या मोदी गत कुछ समय से राष्ट्रपति ट्रंप का फोन जान बूझकर नहीं उठा रहे?'

जर्मन समाचार पत्र एफ. ए. जेड. में प्रकाशित इस खबर से यह तो स्पष्ट जरूर हुआ कि, प्रधान मंत्री मोदी व राष्ट्रपति ट्रंप के बीच नाराज़गी का दौर जारी है और कटुता में तब्दील हो रहा है

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 26 अगस्त। जर्मन अखबार के एक दावे को लेकर जानकार हलकों में संदेह जताया जा रहा है जिसमें कहा गया है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हाल के सप्ताहों में अमेरिका के राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप की चार फोन कॉल्स की उपेक्षा की, और अब पूर्व विदेश सचिव निरुपमा राव की एक पोस्ट ने इस संदेह को और गहरा कर दिया है।

पूर्व विदेश सचिव निरुपमा राव ने एक्स पर लिखा कि, "यह धारणा कि पीएम मोदी ने ट्रंप की कॉल्स (ट्रंप के कई प्रयासों के बावजूद) जानबूझकर नहीं लीं, एक विदेशी रिपोर्ट पर आधारित है और भारतीय सूत्रों या अन्य मीडिया संस्थानों ने इसकी पुष्टि नहीं की है।" यह पोस्ट उस दिन आई जब फ्रैंकफर्टर ऐल्गेमाइन ज़ाइटुंग (एफएज़ैड) की रिपोर्ट ने भारत में हलचल मचा दी।

- पूर्व विदेश सचिव निरुपमा राव के अनुसार, इस खबर की पुष्टी कोई भी नहीं कर रहा है। साथ ही, किसी राष्ट्राध्यक्ष का फोन नहीं उठाना, प्रधान मंत्री के काम करने के तरीके से मेल नहीं खाता।
- साथ ही, यह भी चलन काफी काम में ले रही है भारत सरकार और अब विदेशी मीडिया का खूब खुलकर उपयोग कर रही है, अपना पक्ष जनता के सामने रखने के लिए। क्योंकि विदेशी अखबार द्वारा प्रस्तुत जानकारी को जनता, बिना ज्यादा सवाल किए, स्वीकार कर लेती है। इसका एक उदाहरण, चीफ ऑफ डिफैंस स्टाफ द्वारा ब्लूमबर्ग न्यूज एजेंसी को ऑपरेशन सिंदूर के बाद दिया गया इंटरव्यू है, जिसमें पहली बार भारत सरकार ने परोक्ष रूप से स्वीकार किया कि, भारत को कुछ लड़ाकू विमान का नुकसान हुआ था, पाकिस्तान के खिलाफ किए गए हवाई हमले में।
- एक वरिष्ठ पत्रकार ने इस संदर्भ में कटाक्ष किया कि,, इस संदर्भ में कि, अगली बार ट्रंप फोन करें तो, मोदी को "ऑटो रिप्लाय" (वॉयस मेल) का उपयोग करना चाहिए, जहां ट्रंप को यह मैसेज मिले, मैं इस वक्त शी व पुतिन के साथ, कार में यात्रा पर हूं। कृपया आप अपना मैसेज "बीप" के बाद में रिकॉर्ड करा दें।"

राव ने लिखा "मैं उन अंतरराष्ट्रीय रिपोर्ट्स को लेकर संदेह में रहती हूं जिनका समर्थन कई स्रोतों से नहीं होता, खासकर जब बात जटिल कूटनीतिक

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

कोटा जिले में गैर प्रदूषणकारी उद्योग लगेंगे

जयपुर, 27 अगस्त। प्रदेश के औद्योगिक एवं आर्थिक विकास को गति देने के लिए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने भूमि आवंटन के दो महत्वपूर्ण प्रस्तावों को स्वीकृति प्रदान की है।

मुख्यमंत्री शर्मा ने कोटा जिले में गैर प्रदूषणकारी औद्योगिक इकाइयों की स्थापना के लिए कनवास तहसील के ग्राम ढोटी में कुल 22.78 हैक्टेयर भूमि के प्रस्ताव को मंजूरी दी है। यह भूमि राजस्थान राज्य औद्योगिक विकास एवं विनियोजन निगम लिमिटेड (रीको) को आवंटित की गई है। मुख्यमंत्री के इस

- मुख्यमंत्री ने कनवास में 22 हैक्टेयर भूमि रीको को देने के प्रस्ताव को स्वीकृति दी।

निर्णय से प्रदेश में औद्योगिक और आधारभूत संरचना का विकास होगा एवं स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसरों में वृद्धि भी होगी। शर्मा ने जैसलमेर के सीमावर्ती क्षेत्रों में सड़क के निर्माण के लिए कुल 101.97 हैक्टयर राजकीय भूमि के आवंटन के प्रस्ताव को स्वीकृति दी है। यह भूमि केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग की मांग के आधार पर संबंधित जिला कलक्टर के प्रस्ताव पर भारत-पाक सीमा के समानान्तर सड़क निर्माण के संरेखण से संबंधित है।

भारत के व्यापारी अमेरिका की छोटी-मोटी रियायतों के कुछ ज्यादा ही आदी हो गए थे

और, अब भारी टैरिफ वृद्धि से इन व्यापारियों की वाकई में पैरो तले जमीन खिसक गई है

- सुकुमार साह -
- राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो -

नई दिल्ली, 27 अगस्त। किसी भी पैमाने से देखें, ट्रंप प्रशासन द्वारा भारत पर टैरिफ़ (आयात शुल्क) दोगुना करना केवल आर्थिक खेल नहीं है, बल्कि दबाव बनाने वाली कूटनीति है। भारतीय वस्तुओं पर 50 प्रतिशत शुल्क लगाकर वॉशिंगटन ने नई दिल्ली को इस हकीकत से रूबरू कराया कि उसका निर्यात तंत्र कितना नाज़ुक है और उसमें रणनीतिक विविधता लाना कितनी ज़रूरी है।

आंकड़े डराने वाले हैं। भारत का आधे से ज़्यादा निर्यात लगभग 48 अरब डॉलर का - अब अचानक प्रतिस्पर्धा से बाहर हो गया है। भारतीय उत्पाद अब वियतनाम, बांग्लादेश और मैक्सिको जैसे देशों के मुकाबले 30-35 प्रतिशत महंगे हो गए हैं। फैडरेशन ऑफ इंडियन एक्सपोर्ट ऑर्गनाइजेशन (एफ आई ई ओ) इसे पूरी तरह चौंकाने वाला बताया और चेतावनी दी कि यह भारत के सबसे बड़े बाज़ार में उसके निर्यात के लिए मौत की घंटी हो सकता है।

- भारत के व्यापारी, अमेरिका के मार्केट से इतने खुश थे, कि, यूरोप, अफ्रीका, लेटिन अमेरिका के मार्केट की ओर ध्यान नहीं के बराबर ही दिया।
- अब वियतनाम, बंगलादेश, मैक्सिको प्रतिस्पर्धी के रूप में भारत का स्थान लेने को तैयार व तत्पर हैं।
- भारत के लिए भारी टैरिफ के कारण उत्पन्न संकट, एक चुनौती है, और सुअवसर भी, अगर भारत वैकल्पिक मार्केट विकसित कर लेता है, तो उसकी इकॉनमी, कभी भी भविष्य में एक देश पर आश्रित नहीं रहेगी, बल्कि स्वस्थ और मजबूत सिस्टम का अंग बनेगी।

इन आंकडों के पीछे एक गहरी कहानी है: भारत की नाज़ुक व्यापारिक सुविधाओं पर निर्भरता। दशकों से भारतीय निर्यातक - खासकर कपड़ा, हीरे जवाहरात, इंजीनियरिंग सामान और समुद्री उत्पादों वाले अमेरिकी खरीदारों तक पहुंच के कारण फैले है। अब उसी पहुँच अमेरिका ने हथियार बना लिया है। जैसा कि एफ आई ई ओ के महानिदेशक अजय सहाय ने कहा, जब तक शुल्क 25 प्रतिशत था, निर्यातक झटका सहने की उम्मीद रखते थे।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

अमेरिका के रूख में यू टर्न, भारत के साथ ट्रेड डील का संकेत दिया

अमेरिका के वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट ने कहा कि भारत के साथ वार्ता जारी है और जल्दी ही समाधान निकाल लिया जाएगा

वॉशिंगटन डीसी, 27 अगस्त। अमेरिका के रुख में अचानक बड़ा ट्विस्ट आया है। बुधवार को भारत पर 50 प्रतिशत टैरिफ लागू होने के बाद अमेरिका ने भारत के साथ ट्रेड डील हो जाने का साफ संकेत दिया है। उसने यह भी कहा है कि दोनों देशों के बीच बातचीत जारी है। अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप द्वारा भारत से आने वाले सामान पर 50 प्रतिशत तक टैरिफ लगाने के फैसले से दोनों देशों के बीच तनाव बढ़ गया है। यह फैसला लागू हो गया है। अमेरिकी वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट ने कहा है कि भारत और अमेरिका अंत में एक समझौता कर लेंगे। उन्होंने यह भी कहा कि यह तनाव सिर्फ भारत द्वारा रूस से तेल खरीदने की वजह से नहीं है।

सरकार के सूत्रों का कहना है कि इस तनाव के बावजूद वाशिंगटन और नई दिल्ली के बीच बातचीत जारी है। दोनों पक्ष इसका समाधान निकालने की कोशिश कर रहे हैं। भारत सरकार इस मामले पर उद्योग जगत के लोगों के साथ लगातार संपर्क में है। निर्यात को बढ़ावा देने के लिए एक योजना बना रही है।

स्कॉट बेसेंट ने फॉक्स न्यूज से बात करते हुए कहा कि भारत और अमेरिका

- बुधवार 27 अगस्त से अमेरिका द्वारा भारतीय उत्पादों पर 50 प्रतिशत टैरिफ फैसला लागू हो गया है। ऐसे में अमेरिका के वित्तमंत्री का यह बयान न केवल महत्वपूर्ण है बल्कि भारतीय निर्यातकों के लिए उम्मीद की किरण भी है।
- स्कॉट बेसेंट ने फॉक्स न्यूज़ के साथ वार्ता में कहा कि राष्ट्रपति ट्रंप और मोदी के रिश्ते बहुत अच्छे हैं, अमेरिका दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है और अंत में हम एक साथ आ जाएंगे।

के रिश्ते बहुत जटिल हैं। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति ट्रंप और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बीच अच्छे संबंध हैं। बेसेंट बोले, यह सिर्फ रूस से तेल खरीदने का मामला नहीं है। उन्होंने बताया कि भारत ने लिबरेशन डे के बाद टैरिफ पर बातचीत शुरू कर दी थी। लेकिन, अभी तक कोई समझौता नहीं हो पाया है। उन्हें उम्मीद थी कि मई या जून तक समझौता हो जाएगा। लेकिन, ऐसा नहीं हुआ। उन्होंने यह भी कहा कि भारत रूस से कच्चा तेल खरीदकर मुनाफा कमा रहा है।

27 अगस्त से भारत से आने वाले सामान पर लगने वाला टैरिफ 50 प्रतिशत हो गया है। पहले 7 अगस्त को 25 प्रतिशत टैरिफ लगाया गया था। अमेरिका का कहना है कि यह कदम भारत द्वारा रूस से कच्चा तेल और सैन्य सामान खरीदने के जवाब में उठाया गया है।

बेसेंट ने कहा कि व्यापार में असंतुलन की वजह से अमेरिका को फायदा है। उन्होंने कहा, मैंने टैरिफ पर बातचीत के दौरान हमेशा कहा है कि अमेरिका एक घाटे वाला देश है। जब व्यापारिक रिश्तों में दरार आती है तो घाटे वाले देश को फायदा होता है। सरप्लस वाले देश को चिंता करनी चाहिए। भारतीय हमें सामान बेच रहे हैं। उनके टैरिफ बहुत ऊंचे हैं और हमारा

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'पेपर लीक से प्रभावित अभ्यर्थियों को आयु सीमा में छूट क्यों नहीं दी'

जयपुर, 27 अगस्त। राजस्थान हाईकोर्ट ने एसआई भर्ती-2025 में पेपर लीक से प्रभावित एसआई भर्ती-2021 के अभ्यर्थियों को आयु सीमा में छूट नहीं देने पर राज्य के गृह विभाग और आरपीएससी को नोटिस जारी कर जवाब तलब किया है। इसके साथ ही अदालत ने याचिकाकर्ताओं के आवेदन स्वीकार कर उन्हें चयन प्रक्रिया में शामिल करने को कहा है। जस्टिस आनंद शर्मा की एकलपीठ ने यह आदेश रामगोपाल व अन्य की ओर से दायर

- हाईकोर्ट ने एस आई भर्ती 2025 के संदर्भ में ग्रह विभाग व आरपीएससी से जवाब मांगा।

याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए।

याचिका में अधिवक्ता हरेन्द्र नील ने अदालत को बताया कि आरपीएससी ने पुलिस उपनिरीक्षक के 859 पदों के लिए साल 2021 में भर्ती निकाली थी। भर्ती के पेपर लीक होने पर हाईकोर्ट में भर्ती निरस्त कराने के लिए याचिका दायर की गई। जिस पर सुनवाई के दौरान गत 28 जून को राज्य सरकार की ओर से हाईकोर्ट को जानकारी दी गई कि भर्ती को फिलहाल रद्द करना जल्दबाजी होगी। इसके साथ ही राज्य सरकार ने

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

सीज़फायर के लिए भारत के साथ वार्ता का गवाह भी है ट्रंप के पास

ट्रंप का दावा है कि जब वे मोदी से बात कर रहे थे तब अमेरिका ? के वाणिज्य सचिव हॉवर्ड लटनिक भी वहां थे

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 27 अगस्त। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के पुराने दोस्त और अब दुश्मन बन चुके डॉनल्ड ट्रंप ने एक बार फिर चौंकाने वाला दावा किया है। मंगलवार को उन्होंने कहा कि भारत और पाकिस्तान के बीच ऑपरेशन सिंदूर के दौरान जब संघर्ष विराम की घोषणा हुई, उससे कुछ घंटे पहले ही उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी से बात की थी।

ट्रंप का यह बयान मोदी सरकार के उन दावों के विपरीत है जिनमें कहा गया था कि भारत पर किसी भी विदेशी नेता ने सैन्य कार्रवाई रोकने का दबाव नहीं डाला था।

विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने 28 जुलाई को लोकसभा में ऑपरेशन सिंदूर पर हुई बहस के दौरान स्पष्ट रूप से कहा था कि, "22 अप्रैल से 17 जून के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप के बीच कोई बातचीत नहीं हुई।"

एक पूर्व राजनयिक से जब ट्रंप के नए दावे पर टिप्पणी मांगी गई, तो उन्होंने व्यंग्य करते हुए कहा, "अब सवाल यह है कि किस पर भरोसा करें और किस पर नहीं - यही पूरी दुनिया पूछ रही है।"

- ट्रंप ने अमेरिका की तीन घंटे चली वीडियो रिकॉर्डेट कैबिनेट मीटिंग में यह दावा किया तथा भारत में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ हुई वार्ता का सिलसिलेवार ब्यौरा दिया।
- उन्होंने साफ कहा कि उन्होंने भारत और पाक को धमकाया कि अगर युद्ध नहीं रोका तो इतना ज्यादा टैरिफ लगा दूंगा कि सिर घूम जाएगा।
- भारत सरकार देश की संसद में यह दावा कर चुकी है कि 22 अप्रैल से 17 जून के बीच मोदी और ट्रंप की कोई बात नहीं हुई है। खुद प्रधानमंत्री मोदी और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने भी संसद में यही कहा है।
- अंतर्राष्ट्रीय गलियारों में यही सवाल उठ रहा है कि भारत-पाक सीज़फायर के मुद्दे पर किसका भरोसा किया जाए।

ट्रंप का यह ताज़ा बयान तीन घंटे लंबी एक वीडियो रिकॉर्डेड कैबिनेट बैठक के दौरान आया, जिसमें उन्होंने यह भी कहा कि भारत ने अपने सबसे महंगे लड़ाकू विमानों में से कुछ खो दिए।

उन्होंने कहा: "अगर मुझे राष्ट्रपति नहीं चुना जाता, तो रूस-यूक्रेन युद्ध विश्व युद्ध बन जाता - ठीक वैसे ही जैसे भारत और पाकिस्तान परमाणु युद्ध की ओर बढ़ रहे थे, अगर मैंने उन्हें नहीं रोका होता।"

इसके बाद ट्रंप ने अपने अनुसार घटनाक्रम का विवरण दिया, "ये थोड़ा अजीब था। मैंने देखा कि वे (भारत-पाकिस्तान) लड़ रहे थे। फिर देखा कि सात जेट मार गिराए गए। मैंने कहा, ये ठीक नहीं है। बहुत सारे जेट! आप जानते हैं, 150 मिलियन डॉलर के विमान गिराए गए - बहुत सारे। सात, शायद उससे भी ज़्यादा। उन्होंने असली संख्या तो बताई ही नहीं।"

गौरतलब है कि केवल भारत का फ्रांसीसी राफेल लड़ाकू विमान ही लगभग इतनी कीमत का है। पाकिस्तान के पास मौजूद चीनी -जेएफ17 थंडर और अमेरिकी - एफ16 इससे कहीं सस्ते हैं।

इसके बाद ट्रंप ने कहा: "मैं भारत के एक जबर्दस्त इंसान, मोदी से बात कर रहा था। मैंने पूछा, पाकिस्तान के साथ क्या चल रहा है? फिर मैं पाकिस्तान से व्यापार पर बात कर रहा था। मैंने उनसे भी पूछा, भारत के साथ क्या चल रहा है? और दोनों में बहुत ज्यादा नफरत थी।"

ट्रंप ने कहा, "यह सब बहुत लंबे समय से चल रहा है, कभी अलग-अलग नामों से, सैकड़ों सालों से। मैंने कहा, क्या चल रहा है? मैंने कहा, मैं तुमसे कोई व्यापार नहीं करूंगा। उन्होंने कहा, नहीं-नहीं, हम व्यापार चाहते थे। मैंने कहा, नहीं, कोई व्यापार नहीं होगा। तुम लोग परमाणु युद्ध की ओर जा रहे हो।"

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

हैरिटेज व ग्रेटर निगमों के विलय के खिलाफ सुनवाई आज होगी

जयपुर, 27 अगस्त। शहर के हैरिटेज और ग्रेटर नगर निगमों का विलय कर एक नगर निगम गठित करने की अधिसूचना के खिलाफ राजस्थान हाईकोर्ट में जनहित याचिका दायर की गई है। कांग्रेस के जिला अध्यक्ष आरआर तिवाडी की ओर पेश इस जनहित

- कांग्रेस के जिला अध्यक्ष आर. आर. तिवाड़ी ने हाईकोर्ट में इस विषय पर जनहित याचिका लगाई है।

याचिका पर गुरुवार को मुख्य न्यायाधीश केआर श्रीराम और जस्टिस मनीष शर्मा की खंडपीठ सुनवाई करेगी।

याचिका में अधिवक्ता प्रेमचंद देवंदा और अधिवक्ता सुनील शर्मा ने बताया कि स्वायत्त शासन विभाग की ओर से गत 27 मार्च को जारी की गई यह अधिसूचना पूरी तरह से मनमानी,

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

क्या भारत किसी और के शतरंज के खेल में अनायास एक प्यादा बन गया है?

ट्रंप के लिए भारत पर भारी टैरिफ लगाना केवल "इकोनॉमिकल" (साधारण वित्तीय) निर्णय नहीं है, बल्कि एक सामरिक निर्णय है, चीन, रूस व अमेरिका के "रस्ट बैल्ट" क्षेत्र को एक मैसेज देना है

-सुकुमार साह-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 27 अगस्त। जब अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप टैरिफ़ (आयात शुल्क) का सहारा लेते हैं, तो यह केवल अर्थव्यवस्था की वजह से नहीं होता। टैरिफ़ उनका पसंदीदा हथियार है, एक ऐसा औज़ार जिससे वे विरोधियों को दबाते हैं, घरेलू जनता को खुश करते हैं और सहयोगी व दुश्मनों दोनों को अपनी ताक़त दिखाते हैं। वॉशिंगटन के रणनीतिक साझेदार के रुप में भारत का महत्व बढ़ने बावजूद अब इस खेल में भारत एक असहज स्थिति में है। ट्रंप के दंडात्मक शुल्क, भारतीय निर्यात पर 50 प्रतिशत, कुछ उद्योगों को चोट पहुँचाएँगे, लेकिन असली मकसद चीन, रूस और यहाँ तक कि अमेरिकी मतदाताओं को संदेश देना है,

- रस्ट बैल्ट, मध्य अमेरिका का वह इलाका है, जो किसी जमाने में अमेरिका का "ओद्योगिक हब" था, जहां अमेरिका की अधिकतर "मैनुफैक्चरिंग इंडस्ट्री" (ओद्योगिक उत्पादन) कार्यरत थी।
- पर, धीरे-धीरे बढ़ते वेतन आदि के कारण ये फैक्ट्रियां बंद हो गईं या मालिकों ने अपने प्लान्ट विदेश में शिफ्ट कर दिए।
- भारत पर, भारी टैरिफ लगाकर ट्रंप इस क्षेत्र के लोगों को सब्ज़ बाग दिखा रहे हैं, कि ये कारखाने अब पुनः "रस्ट बैल्ट" में शिफ्ट हो जायेंगे तथा इस क्षेत्र में समृद्धि लौट आएगी।
- इसी प्रकार भारत पर दण्डात्मक टैरिफ लगाकर, ट्रम्प रूस व चीन को भी, कभी गरम, कभी नरम रुख दिखाकर बातचीत के लिए लुभाना चाहते हैं।

खासकर चुनावी साल से पहले।

ऊपरी तौर पर देखें तो ट्रंप का यह फैसला उनके लंबे समय से चले आ रहे "व्यापार राष्ट्रवाद" ("ट्रेड नैशनलिज़्म") का हिस्सा लगता है। उनका राष्ट्रपति काल, पहले और अब, दोनों में, यह नज़र आया है कि वे बहुपक्षीय नियमों को छोड़कर अमेरिका के विशाल उपभोक्ता बाज़ार को हथियार की तरह इस्तेमाल करने में हिचकिचाते नहीं। भारत के लिए यह समय बेहद खराब है। उसने बहुत मेहनत से छोटे-मोटे निर्यात से हटकर बेहतर उत्पादों पर ध्यान दिया था। अब छोटे और मझोले उद्योगों पर दबाव बढ़ सकता है और सालों की प्रगति पीछे जा सकती है। लेकिन कहानी सिर्फ़ इतनी नहीं है।

असल प्रश्न यह है कि भारत को ही क्यों चुना गया, जबकि वह क्वाड का साथी है, लोकतांत्रिक देश है और चीन का संतुलन भी बनाता है। जानकारों का कहना है कि यह भारत को सज़ा देने से ज़्यादा, दूसरों को खुश करने की रणनीति है। ट्रंप की सोच यह है कि व्यापारिक कदम असल में सौदेबाज़ी के पत्ते होते हैं।

भारत को निशाना बनाकर वॉशिंगटन शायद बीजिंग को संकेत दे रहा है कि वह एक मामले में चीन की बात मानने को तैयार है और दूसरे मुद्दों पर बातचीत का दरवाज़ा खुला रख रहा है। साथ ही यह मॉस्को को भी संदेश है कि अमेरिका उन देशों को दंडित करेगा जो पूर्व और पश्चिम दोनों से रिश्ते रखने की कोशिश कर रहे हैं। रूस से भारत के पुराने रिश्ते, खासकर ऊर्जा और रक्षा

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

मोदी ने फिनलैंड के राष्ट्रपति से फोन पर बात की

नयी दिल्ली, 27 अगस्त। फ़िनलैंड के राष्ट्रपति एलेक्ज़ेंडर स्टब ने बुधवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से टेलीफोन पर बात की और दोनों नेताओं ने विपक्षीय संबंधों की समीक्षा के साथ-साथ रूस यूक्रेन संघर्ष पर भी बात की।

प्रधानमंत्री ने रूस यूक्रेन संघर्ष के

- फिनलैंड के राष्ट्रपति एलेक्ज़ेंडर स्टब ने रुस यूक्रेन वॉर के शांतिपूर्ण समाधान के लिए भारत के रुख का समर्थन किया। मोदी ने स्टब को भारत आने का न्यौता दिया।

शांतिपूर्ण समाधान के लिए भारत का समर्थन दोहराया।

प्रधानमंत्री कार्यालय ने बताया कि श्री मोदी के पास फ़िनलैंड के राष्ट्रपति एलेक्ज़ेंडर स्टब की ओर से टेलीफोन आया था। राष्ट्रपति स्टब ने यूक्रेन में

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विचार बिन्दु

तर्क से किसी निष्कर्ष पर नहीं पहुँचा जा सकता। मूर्ख लोग तर्क करते हैं, जबकि बुद्धिमान विचार करते हैं। –श्री परमहंस योगानंद

राज्य में एलएनजी गैस उपलब्धता की राह प्रशस्त

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के मार्गदर्शन व कुशल नेतृत्व में राजस्थान ने हरित उर्जा की सहज उपलब्धता के क्षेत्र में लिक्विफाईड नेचुरल गैस प्लांट की स्थापना की दिशा में कदम बढ़ाये हैं। हरित उर्जा को बढ़ावा देने की राज्य सरकार की प्रतिवद्धता को इसी से समझा जा सकता है कि पिछले दिनों ही राज्य सरकार ने प्रदेश की नई सीजीडी पॉलिसी जारी की है। इससे हरित उर्जा को बढ़ावा देने के लिए आधारभूत संरचना और घरों, उद्योगों व व्यावसायिक प्रतिष्ठानों तक डीपीएनजी और वाहनो के लिए सीएनजी की उपलब्धता सुनिश्चित हो सकेगी। इस कार्य में आने वाली बाधाओं को दूर करने और इस दिशा में तेजी से काम हो इसके लिए ही सीजीडी पालिसी जारी करने के साथ ही राज्य स्तर पर मुख्यसचिव स्तर पर और स्थानीय स्तर पर जिला कलक्टर की अध्यक्षता में मोनेटरिंग कमेटी बनाई गई है ताकि इस दिशा में तेजी काम हो और राजस्थान में सीएनजी डीपीएनजी की संरचना और कनेक्शन जारी हो सके।

इसी को एक कदम आगे बढ़ाते हुए राज्य के प्रमुख शासन सचिव खान एवं पेट्रालियम श्री टी. रविकान्त ने नए क्षेत्र तलाशने पर जोर दिया और राजस्थान गैस द्वारा गैल के सहयोग से नीमराना जो कि प्रमुख व्यावसायिक केन्द्र व दिल्ली एनसीआर से राजस्थान और अन्य प्रदेशों को जोड़ने वाला प्रमुख मार्ग है, वहां पर एलएनजी सुविधा उपलब्ध कराने की दिशा में कदम बढ़ाये हैं। राज्य में एलएनजी प्लांट लगने से एलएनजी वाहनों की भविष्य की ईंधन मांग को राज्य से ही पूरा किया जा सकेगा। इस रुट से आने वाले माल वाहनों और माइनिंग सेक्टर के वाहनों की ईंधन की जरुरत इस एलएनजी ईंधन से भी हो सकेगी। नीमराना रीको एरिया में भूमि पूजन किये गये परिसर में 56 किलो लीटर भण्डारण क्षमता के दो स्टोरेज टेंक के साथ ही एलएनजी उपलब्ध कराने के लिए डिस्पेंसर लगाये जाएंगे। इस पर लगभग 15 करोड़ रु. की लागत आयेगी। इससे डीजल के स्थान पर इको फ्रेंडली ईंधन की उपलब्धता के साथ ही सस्ता ईंधन उपलब्ध हो सकेगा। लंबी दूरी के वाहनों के लिए लिक्विफाईड नेचुरल गैस सस्ती होने के साथ ही ग्रीन एनर्जी को बढ़ावा मिलेगा। आरपीसीएल और गैल गैस के संयुक्त उपक्रम राजस्थान स्टेट गैस द्वारा एलएनजी स्टेशन की स्थापना अग्रणी कदम माना जाना चाहिए।

दरअसल लिक्विफाईड नेचुरल गैस प्राकृतिक गैस का ही एक रुप है। इसमें प्राकृतिक गैस को द्रवीकृत या कहें कि तरलीकृत अवस्था में तैयार किया जाता है। प्राकृतिक गैस को करीब 162 डिग्री ठंडा किया जाता है इससे एलएनजी तरलीकृत अवस्था में आ जाती है और अधिक ईंधन क्षमता होने से लंबी दूरी के वाहनों या इसी तरह के औद्योगिक प्रयोजनों के लिए भण्डारित करने और अधिक दूरी तक उपयाग करने में सहायक होती है। तरलीकृत होने से कम मात्रा में अधिक उर्जा भण्डारित की जा सकती है और इससे लंबी दूरी के परिवहन वाहनों को एलएनजी के कारण अधिक ईंधन भंडारित करने की आवश्यकता नहीं होती।

दरअसल लिक्विफाईड नेचुरल गैस प्राकृतिक गैस का ही एक रुप है। इसमें प्राकृतिक गैस को द्रवीकृत या कहें कि तरलीकृत अवस्था में तैयार किया जाता है। प्राकृतिक गैस को करीब 162 डिग्री ठंडा किया जाता है इससे एलएनजी तरलीकृत अवस्था में आ जाती है और अधिक ईंधन क्षमता होने से लंबी दूरी के वाहनों या इसी तरह के औद्योगिक प्रयोजनों के लिए भण्डारित करने और अधिक दूरी तक उपयाग करने में सहायक होती है। तरलीकृत होने से कम मात्रा में अधिक उर्जा भण्डारित की जा सकती है और इससे लंबी दूरी के परिवहन वाहनों को एलएनजी के कारण अधिक ईंधन भंडारित करने की आवश्यकता नहीं होती। यही कारण है जहाजों आदि में भी इसका उपयोग होता है। अमेरिका आज सबसे अधिक एलएनजी उत्पादनकर्ता देश है। जहां तक राजस्थान की बात है तो राजस्थान में अजमेर में इन्द्रप्रस्थ गैस और भीलवाड़ा में अल्ट्रा गैस द्वारा एलएनजी उपलब्ध कराना आरंभ कर दिया गया है।

राजस्थान स्टेट गैस और गैल द्वारा नीमराना में एलएनजी प्लांट की स्थापना के साथ ही भारी वाहन चालकों और इनके एसोसिएशन के प्रतिनिधियों को एलएनजी के उपयोग को बढ़ावा देने के लिए अभी से ही जागरुकता कार्यक्रमों का संचालन भी आरंभ कर दिया है और इस कड़ी में 12 अगस्त नीमराना में आयोजित अवेयरनेस कार्यक्रम में एलएनजी के उपयोग और उपादेयता के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई है। तरलीकृत प्राकृतिक गैस सस्ता, टिकाउ, आर्थिक और पर्यावरणीय दृष्टि से बेहतर विकल्प है। जीवाश्म ईंधन की तुलना में हरित उर्जा का यह स्वच्छ विकल्प है। लंबी दूरी के परिवहन के लिए एलएनजी सर्वाधिक उपादेय है। गैल इण्डिया और आरएसजीएल द्वारा नीमराना में एलएनजी स्टेशन की स्थापना ट्रांसपोर्टरों को बेहतर सुविधा उपलब्ध कराना है। साझाकरण जागरुकता कार्यक्रम का आयोजन भी सरकार की हरित उर्जा को बढ़ावा देने और परिवहन ईंधन के रुप में एलएनजी के आर्थिक और पर्यावरणीय दृष्टि से भी लाभकारी होने की जानकारी पहुंचाने के लिए किया गया है। ट्रकों सहित लंबी दूरी के भारी परिवहन साधनों के लिए एलएनजी तकनीक और इसके लाभ खासतौर से कम लागत, कम उत्सर्जन और परिचालन दक्षता के लिए एलएनजी बेहतर विकल्प है। राजस्थान स्टेट गैस के प्रबंध निदेशक श्री रणवीर सिंह के अनुसार नीमराना में एलएनजी की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए एलएनजी स्टेशन की स्थापना का काम शुरु कर दिया गया है। स्वच्छ उर्जा के क्षेत्र में मुख्यमंत्री श्री भजन लाल शर्मा की पहल और खान व पेट्रोलियम प्रमुख सचिव श्री टी. रविकान्त के मार्गदर्शन में आरएसजीएल द्वारा पहले एनएनजी प्लांट की स्थापना इस दिशा में प्रदेश का बढ़ता कदम माना जाना चाहिए।

–अतिथि सम्पादक,
डॉ.राजेन्द्र प्रसाद शर्मा
(वरिष्ठ लेखक)

राशिफल गुरूवार 28 अगस्त, 2025

पंडित अनिल शर्मा

भाद्रपद मास, शुक्ल पक्ष, पंचमी तिथि, गुरूवार, विक्रम संवत 2082, चित्रा नक्षत्र प्रात: 8:44 तक, शुक्ल योग दिन 1:18 तक, बालव करण सायं 5:57 तक, चन्द्रमा आज तुला राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-सिंह, चन्द्रमा-तुला, मंगल-कन्या, बुध-कर्क, गुरू-मिथुन, शुक्र-कर्क, शनि-मीन, राहु-कुम्भ, केतु-सिंह राशि में।

आज रवियोग प्रात: 8:44 से आरम्भ होगा। आज ऋषि पंचमी, भाई पाँच, जैन संवत्सरी पक्ष है। आज रक्षा पंचमी, ऋषि गर्ग अंगिरा जयन्ती है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: शुभ सूर्योदय से 7:43 तक, चर 10:53 से 12:28 तक, लाभ-अमृत 12:28 से 3:58 तक, शुभ 5:13 से सूर्यास्त तक।

राहूकाल: 1:30 से 3:00 तक। सूर्योदय 6:08, सूर्यास्त 6:48

मेष
परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में धार्मिक-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है।

सिंह
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। मित्रों/रिश्तेदारों से चल रहे मतभेद दूर होने लगेंगे। परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है।

धनु
आर्थिक/वित्तीय मामलों में संतुलन बना रहेगा। संभावित धन प्राप्त हो सकता है। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी।

वृष
परिवार में चल रहे आपसी मतभेद समाप्त होंगे। अनहोनी की आशंका से बना हुआ मन का भय समाप्त होगा। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

कन्या
आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी।

मकर
व्यावसायिक कार्यों से संबंधित परेशानियां दूर होने लगेगी। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। नवीन कार्यों में उचित सफलता मिलेगी। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मिथुन
व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी। व्यावसायिक कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। चलते कार्यों में प्रगति होगी। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

तुला
व्यावसायिक कार्यों से संबंधित आर्थिक समस्या का समाधान हो सकता है। आय में वृद्धि होगी। व्यावसायिक स्थिति ठीक रहेगी। आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा।

कुंभ
नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। घर-परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

कर्क
घर-परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा। परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी।

वृश्चिक
घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। अनर्गल कार्यों में समय खराब हो सकता है। मन में असंतोष बना रहेगा। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

मीन
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान हो सकता है। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। बनते कार्य बिगड़ सकते हैं। यात्रा में परेशानी हो सकती है।

बौद्धिक स्वतंत्रता: गरीबी से परे शोषण का यथार्थ

डॉ सुरेंद्रसिंह शेखावत

आज के युग में गरीबी के विरुद्ध संघर्ष और आर्थिक स्वतंत्रता की बातें समाज में प्रमुखता से उठाई जाती हैं। लोग सामाजिक स्वतंत्रता, प्रगतिशीलता और पिछड़ेपन से मुक्ति की वकालत करते हैं, लेकिन एक महत्वपूर्ण पहलू जो अक्सर अनदेखा रह जाता है, वह है बौद्धिक स्वतंत्रता और मानसिक गुलामी से मुक्ति। यह एक ऐसी गहरी सच्चाई है जिसे समाज के प्रभुत्वशाली वर्ग, जिन्होंने अपनी व्यावसायिक बुद्धि (commercial intelligence) के बल पर शासन तंत्र, प्रचार तंत्र, धर्म तंत्र, और अर्थ तंत्र पर नियंत्रण स्थापित कर लिया है, जानबूझकर दबाए रखते हैं। जबकि, वास्तविकता में शोषण की असली शक्ति धन में नहीं, बल्कि बुद्धि में निहित है और मानसिक गुलामी ही वह जंजीर है जो समाज को सच्ची प्रगति से वंचित रखती है। वास्तव में आर्थिक गरीबी केवल एक लक्षण है, जबकि इसका मूल कारण मानसिक और बौद्धिक दासता है।

गरीबी: एक सतही दृष्टिकोण

गरीबी को अक्सर केवल आर्थिक संकट के रूप में देखा जाता है। भोजन, आवास, और मूलभूत सुविधाओं की कमी को गरीबी का पर्याय माना जाता है। यह धारणा समाज में इतनी प्रबल है कि लोग मानते हैं कि आर्थिक संसाधनों का समान वितरण और रोजगार के अवसर प्रदान करना ही गरीबी का एकमात्र समाधान है। हालाँकि, यह दृष्टिकोण सतही है। यह हमें समस्या की जड़ तक पहुँचने से रोकता है।

एक व्यक्ति के पास धन की कमी हो सकती है, लेकिन यदि वह बौद्धिक रूप से स्वतंत्र है, तो उसके पास अपनी स्थिति को सुधारने की शक्ति होती है। इसके विपरीत, एक व्यक्ति जो आर्थिक रूप से संपन्न है, वह भी मानसिक गुलामी का शिकार हो सकता है, जहाँ उसकी सोच और निर्णय लेने की क्षमता दूसरों द्वारा नियंत्रित की जाती है। यह मानसिक गुलामी उसे अपनी शक्ति और स्थिति का सही उपयोग करने से रोकती है।

बौद्धिक स्वतंत्रता की अनदेखी

बौद्धिक स्वतंत्रता का अर्थ है व्यक्ति की वह क्षमता जो उसे स्वतंत्र रूप से सोचने, विश्लेषण करने और अपने निर्णय लेने में सक्षम बनाती है। यह स्वतंत्रता न केवल व्यक्तिगत विकास के लिए आवश्यक है, बल्कि सामाजिक प्रगति का आधार भी है। दुर्भाग्यवश, समाज के शक्तिशाली वर्गों ने इस स्वतंत्रता को व्यवस्थित रूप से दबाने का काम किया है। शासन तंत्र, धर्म तंत्र और प्रचार तंत्र जैसे संस्थानों ने लोगों की सोच को नियंत्रित करने के लिए विभिन्न उपाय अपनाए हैं।

शिक्षा प्रणाली, जो बौद्धिक स्वतंत्रता का स्त्रोत होनी चाहिए, अक्सर केवल आज्ञाकारी और अनुशासित श्रमिक तैयार करने का साधन बनकर रह गई है। यह प्रणाली हमें 'क्या सोचना है' सिखाती है, न कि 'कैसे सोचना है'। यह रटने पर जोर देती है, आलोचनात्मक और तार्किक सोच को प्रोत्साहित नहीं करती। इसका परिणाम यह होता है कि व्यक्ति ज्ञान प्राप्त तो करता है, लेकिन वह उस ज्ञान का उपयोग स्वतंत्र रूप से विश्लेषण करने और प्रश्न पूछने के लिए नहीं कर पाता। वह केवल दिए गए निर्देशों का पालन करता है, जिससे वह अपनी बौद्धिक क्षमताओं का पूर्ण उपयोग नहीं कर पाता और मानसिक गुलामी के जाल में फँसता चला जाता है।

व्यावसायिक बुद्धि और शोषण का तंत्र

'व्यावसायिक बुद्धि' एक ऐसी मानसिकता है जो शक्तिशाली वर्गों द्वारा विकसित की गई है। यह बुद्धि केवल आर्थिक लाभ के लिए नहीं, बल्कि सामाजिक नियंत्रण के लिए भी उपयोग की जाती है। यह वर्ग समाज के विभिन्न तंत्रों-राजनीति, धर्म, मीडिया, और अर्थव्यवस्था-पर अपनी पकड बनाए रखता है।

प्रचार तंत्र: नए दौर में तकनीक से लैस मीडिया के माध्यम से यह तंत्र यह निर्धारित करता है कि लोग क्या सोचें, क्या विश्वास करें और क्या चाहें। यह लोगों को ऐसी जानकारी और विचार परोसता है जो प्रभुत्वशाली वर्ग के हितों के अनुरूप होते हैं। फेक न्यूज़, सनसनीखेज खबरें और भ्रामक विज्ञापन लोगों को भ्रमित करते हैं और उनकी स्वतंत्र सोच को कमजोर करते हैं।

धर्म तंत्र: धार्मिक आडम्बर और पाखंड को आध्यात्मिकता का आवरण पहनाकर लोगों की सोच को नियंत्रित किया जाता है। यहाँ धार्मिक अंधविश्वास और रूढ़िवादिता को बढ़ावा दिया जाता है, जो व्यक्ति को प्रश्न पूछने से रोकते हैं। धर्म तंत्र अक्सर यह सिखाता है कि व्यक्ति की स्थिति उसके कर्मों या भाग्य का परिणाम है, जिससे वह अपनी दुर्दशा के लिए किसी और को जिम्मेदार नहीं ठहराता और शोषण का चक्र जारी रहता है।

शासन और अर्थ तंत्र: ये तंत्र मिलकर संसाधनों का असमान वितरण सुनिश्चित करते हैं। वे ऐसी नीतियाँ और कानून बनाते हैं जो शक्तिशाली वर्गों को और अधिक शक्तिशाली बनाते हैं, जबकि गरीब और कमजोर वर्ग हाशिए पर धकेल दिए जाते हैं। यह आर्थिक असमानता मानसिक गुलामी को और गहरा करती है, क्योंकि गरीब व्यक्ति अपनी स्थिति को स्वीकार कर लेता है और परिवर्तन की आशा खो देता है।

मानसिक गुलामी: शोषण का असली हथियार

मानसिक गुलामी वह अवस्था है जिसमें व्यक्ति अपनी स्वतंत्र सोच खो देता है और दूसरों द्वारा थोपे गए विचारों को बिना प्रश्न किए स्वीकार करता है। यह गुलामी धन से कहीं अधिक खतरनाक है, क्योंकि यह व्यक्ति को अपनी स्थिति को समझने और उससे बाहर निकलने की क्षमता से वंचित कर देती है।

उदाहरण के लिए, एक गरीब व्यक्ति जो यह मानता है कि उसकी गरीबी उसका भाग्य है या किसी दैवीय व्यवस्था का परिणाम है, वह कभी भी अपनी स्थिति को बदलने का प्रयास नहीं करेगा। वह शोषण को स्वीकार कर लेता है और उसे अपने जीवन का हिस्सा मान लेता है। यह मानसिक गुलामी ही शोषण का असली हथियार है, जो व्यक्ति को आत्म-निर्भर और स्वतंत्र होने से रोकता है।

धन बनाम बुद्धि: शोषण की शक्ति

वास्तव में शोषण की शक्ति धन में नहीं बल्कि बुद्धि में निहित है। यह एक गहन सत्य है। धन एक साधन हो सकता है, लेकिन बुद्धि वह शक्ति है जो इस साधन का उपयोग कैसे करना है, यह तय करती है। इतिहास में ऐसे कई उदाहरण हैं जहाँ आर्थिक रूप से सक्षम व्यक्ति भी शोषण का शिकार बने, क्योंकि उनकी बौद्धिक स्वतंत्रता छीन ली गई थी।

शोषण का सबसे प्रभावी रूप वह है जहाँ शोषक को संघर्ष या बल का उपयोग नहीं करना पड़ता। जब व्यक्ति स्वयं अपनी दासता को स्वीकार कर लेता है, तो शोषण का तंत्र पूर्ण हो जाता है। यह तभी संभव है जब व्यक्ति की बौद्धिक स्वतंत्रता को नष्ट कर दिया जाए।

बौद्धिक स्वतंत्रता का मार्ग

बौद्धिक स्वतंत्रता को बढ़ावा देने के लिए समाज में गहरे और संरचनात्मक परिवर्तनों की आवश्यकता है। यह कोई आसान काम नहीं है, लेकिन यह असंभव भी नहीं है।

शिक्षा प्रणाली में सुधार: शिक्षा प्रणाली को रटने के बजाय तार्किक और आलोचनात्मक सोच को प्रोत्साहित करना चाहिए। यह छात्रों को प्रश्न पूछने, विश्लेषण करने और स्वतंत्र रूप से निर्णय लेने के लिए तैयार करेगा। हमें ऐसी शिक्षा की आवश्यकता है जो हमें यह सिखाए कि कैसे अपने विचारों को विकसित करें, न कि कैसे दूसरों के विचारों को स्वीकार करें।

जागरूकता अभियान: लोगों को प्रचार तंत्र और धार्मिक अंधविश्वासों से मुक्त करने के लिए व्यापक जागरूकता अभियान चलाए जाने चाहिए। इन अभियानों को लोगों को यह समझने में मदद करनी चाहिए कि वे कैसे अपनी सोच को नियंत्रित होने से बचा सकते हैं और कैसे सही और गलत के बीच अंतर कर सकते हैं।

स्वतंत्र विचारकों को प्रोत्साहन: स्वतंत्र विचारकों और बुद्धिजीवियों को समाज में प्रोत्साहित करना होगा, ताकि वे लोगों को मानसिक गुलामी से मुक्त करने में मदद कर सकें। इन विचारकों की भूमिका केवल ज्ञान प्रदान करने तक सीमित नहीं है, बल्कि उन्हें लोगों को स्वयं सोचने के लिए प्रेरित करना होगा।

- डॉ सुरेंद्रसिंह शेखावत,
(लेखक स्वतंत्र चिंतक है)

"पैसे दो, सम्मान पाओ": आधुनिक पुरस्कार समारोहों का कड़वा सच।

अशोक कुमार

किसी भी सभ्य समाज में सम्मान और पुरस्कार की परंपरा का एक विशेष महत्व होता है। यह परंपरा उन व्यक्तियों को सम्मानित करने का एक माध्यम है जिन्होंने अपने क्षेत्र में असाधारण योगदान दिया हो, निस्वार्थ भाव से समाज की सेवा की हो, या अपनी कड़ी मेहनत और प्रतिभा से उत्कृष्टता के नए मानक स्थापित किए हों। ऐसे सम्मान न केवल उस व्यक्ति की उपलब्धि को मान्यता देते हैं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए एक प्रेरणा स्त्रोत का भी काम करते हैं। परंतु, आज के इस आधुनिक और भौतिकवादी युग में, विशेषकर भारत में, सम्मान समारोहों की इस पवित्र परंपरा का स्वरूप चिंताजनक रूप से बदल रहा है। जो आयोजन कभी सच्ची योग्यता और निस्वार्थ सेवा को सराहने के पवित्र मंच हुआ करते थे, वे अब एक सुसंगठित व्यवसाय मॉडल में तब्दील हो गए हैं, जिसका एकमात्र उद्देश्य मुनाफा कमाना है। यह नकारात्मक प्रवृत्ति शिक्षा, समाज सेवा, कला, साहित्य और यहां तक कि उद्यमिता जैसे क्षेत्रों में भी गहरी पैठ बना चुकी है !

यह समझने के लिए कि आज क्या गलत हो रहा है, हमें पहले यह याद करना होगा कि सम्मान का वास्तविक अर्थ क्या था। भारत सरकार द्वारा दिए जाने वाले पद्म पुरस्कार, साहित्य अकादमी पुरस्कार, या विभिन्न राज्यों द्वारा दिए जाने वाले प्रतिष्ठित सम्मानों को देखें। इन पुरस्कारों की चयन प्रक्रिया अत्यंत कठोर, पारदर्शी और कई स्तरों से होकर गुजरती है। एक विशेषज्ञ समिति महीनों तक नामांकनों का मूल्यांकन करती है, उम्मीदवारों के जीवन भर के काम की समीक्षा करती है, और तब जाकर किसी एक नाम पर मुहर लगती है। इन सम्मानों के लिए कभी कोई शुल्क नहीं लिया जाता। सम्मान पाने वाले व्यक्ति के लिए यह गर्व का क्षण होता है क्योंकि यह उसकी दशकों की मेहनत, त्याग और समर्पण का प्रतिफल है। असली सम्मान की पहचान उसकी साख, चयन प्रक्रिया की निष्पक्षता और उसे प्रदान करने वाली संस्था की प्रतिष्ठा से होती है, न कि समारोह की चकाचौंध से।

इसके ठीक विपरीत, आज एक नई संस्कृति ने जन्म लिया है - पे एंड गेट अवॉर्डेड (पैसा दो, पुरस्कार पाओ)। यह एक ऐसा मॉडल है जो पूरी तरह से व्यावसायिक हितों पर आधारित है। इन समारोहों के आयोजक बड़ी चालाकी से मानवीय मनोविज्ञान को समझते हैं - समाज में पहचान और प्रतिष्ठा पाने की इच्छा। वे इसी इच्छा का शोषण करते हैं।

इन समारोहों की सबसे बड़ी पहचान उनका भव्य आयोजन होता है। इन्हें अक्सर पांच सितारा होटलों, शानदार रिसॉर्ट्स या बड़े ऑडिटोरियम में आयोजित किया जाता है। माहौल को और प्रभावशाली बनाने के लिए, आयोजक अक्सर किसी बॉलीवुड अभिनेता, सेवानिवृत्त नौकरशाह, राजनेता या किसी अन्य प्रसिद्ध हस्ती को मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित करते हैं। इन अतिथियों की उपस्थिति एक प्रकार से वैधता का भ्रम पैदा करती है। आम जनता और यहां तक कि पुरस्कार खरीदने वाले व्यक्ति को भी यह महसूस कराया जाता है कि वे एक बहुत ही प्रतिष्ठित और महत्वपूर्ण कार्यक्रम का हिस्सा हैं।

स्पष्ट व्यावसायिक मॉडल: इस पूरी चमक-दमक के पीछे एक छिपा हुआ, लेकिन स्पष्ट व्यावसायिक मॉडल काम करता है: सम्मान की प्रक्रिया एक मोटी नामांकन शुल्क के साथ शुरू होती है। यह शुल्क कुछ हजार रुपये से लेकर कई लाख रुपये तक हो सकता है। इसे प्रोसेसिंग फीस, एप्लीकेशन फीस या नॉमिनेशन चार्ज जैसे आकर्षक नाम दिए जाते हैं।

कॉर्पोरेट कंपनियाँ और व्यवसायी इन आयोजनों को प्रायोजित करते हैं। उन्हें यह विश्वास दिलाया जाता है कि ऐसे 'प्रतिष्ठित' समारोहों से जुड़कर उनकी ब्रांड वैल्यू बढ़ेगी। आयोजक अपनी स्मारिकाओं और बैनरों पर इन प्रायोजकों के लोगो लगाकर मोटी रकम वसूलते हैं।

कई मामलों में, पुरस्कार सीधे तौर पर बेचे जाते हैं। विजेताओं को अलग-अलग पैकेज दिए जाते हैं - एक बेसिक पैकेज जिसमें सिर्फ ट्रॉफी और सर्टिफिकेट होता है, और एक प्रीमियम पैकेज जिसमें मुख्य अतिथि के साथ फोटो, मीडिया कवरेज और वीआईपी सीटिंग जैसी सुविधाएँ शामिल होती हैं। इसके अलावा, समारोह में शामिल होने वाले मेहमानों और परिवार के सदस्यों के लिए भी प्रवेश शुल्क या महंगे टिकट बेचे जाते हैं।

इस प्रवृत्ति का सबसे विनाशकारी प्रभाव समाज के नैतिक ताने-बाने पर पड़ रहा है। यह वास्तविक योग्यता और कड़ी मेहनत का घोर अवमूल्यन है। जब कोई व्यक्ति अपनी प्रतिभा और परिश्रम से नहीं, बल्कि अपनी वित्तीय क्षमता के बल पर पुरस्कार खरीद सकता है, तो समाज में सम्मान और नैतिकता का पैमाना ही नष्ट हो जाता है। इससे उन सच्चे शिक्षाविदों, समाजसेवियों, कलाकारों और वैज्ञानिकों का मनोबल टूटता है जो चुपचाप और निस्वार्थ भाव से अपना जीवन समाज की भलाई में लगा देते हैं, लेकिन उनके पास ऐसे पुरस्कार खरीदने के लिए न तो पैसा होता है और न ही इच्छा।

सम्मान समारोहों का मूल उद्देश्य, जो योग्यता को पहचान दिलाना था, अब पूरी तरह से पैसे कमाने के एक साधन में बदल गया है। यहाँ सम्मान एक उत्पाद है और महत्वाकांक्षी व्यक्ति एक ग्राहक।

आम जनता इन दिखावटी समारोहों और मीडिया कवरेज से आसानी से भ्रमित हो जाती है। वे यह मान लेते हैं कि पुरस्कार प्राप्त करने वाला व्यक्ति वास्तव में अपने क्षेत्र का विशेषज्ञ या महान योगदानकर्ता है। यह एक खतरनाक स्थिति है क्योंकि इससे अयोग्य लोग भी समाज में विशेषज्ञ के रूप में स्थापित हो जाते हैं।

यह प्रवृत्ति युवा पीढ़ी को एक गलत संदेश देती है - कि सफलता और सम्मान खरीदे जा सकते हैं और कड़ी मेहनत का कोई विकल्प मौजूद है। यह उन्हें ईमानदारी और परिश्रम के मार्ग से विचलित कर सकता है।

इस समस्या को खत्म करने के लिए एक बहुआयामी दृष्टिकोण की आवश्यकता है।सबसे पहला और सबसे महत्वपूर्ण कदम जनता के बीच जागरूकता फैलाना है। लोगों को यह शिक्षित करना होगा कि असली सम्मान कभी खरीदा नहीं जा सकता। उन्हें यह समझना होगा कि किसी भी पुरस्कार की विश्वसनीयता उसकी चयन प्रक्रिया और प्रदान करने वाली संस्था की पृष्ठभूमि पर निर्भर करती

समाज के प्रबुद्ध वर्ग, मीडिया और सच्चे पेशेवरों को ऐसे पुरस्कार की दुकानों का सामूहिक रूप से बहिष्कार करना चाहिए। जब इन आयोजनों को सामाजिक और व्यावसायिक वैधता मिलनी बंद हो जाएगी, तो वे स्वत: ही समाप्त हो जाएंगे।

–अशोक कुमार,
पूर्व कुलपति, कानपुर एवं गोरखपुर विश्वविद्यालय; पूर्व विभागाध्यक्ष, राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर

सामाजिक सरोकार और परिवारों का मिलन। कहां से चले हम और कहां पहुंच गए, अंत क्या होगा पता नहीं !

जीवन में अपने से जुड़े लोगों से मिलते-जुलते समय हमारा दिखावा करना या अत्याधिक अपने आप के व्यवहार में सम्पन्नता दिखाना - यह सब कुछ समय के लिए आपको धनी व सुखी इंसान होने का संकेत तो दे सकता है, लेकिन समय के साथ वास्तविकता को हम छुपा नहीं सकते। हम अपने आप को दिखावा और ढोंग के माध्यम से मानसिक तनाव के रूप में परेशानी महसूस करने लग जाते हैं।

दिखावे व बराबरी की होड़ हमें आर्थिक रूप से कमजोर ही बनाती है क्योंकि बराबरी करने के लिए हमें अपनी हैसियत व कमाई से अधिक खर्च करना पड़ता है। इससे हम कर्ज का बोझ अपने कंधों पर बेवजह उठाते हुए अपने जीवन को दुखी कर लेते हैं।

जीवन में कभी भी औरों से अधिक धनवान दिखाने में सिवाय नुकसान के कुछ भी प्राप्त नहीं होता।

अगर अपने को सुखी रखना है तो जो पास है उसमें संतोष व आनंद लेना चाहिए और यह भूल जाना चाहिए कि लोग क्या सोचेंगे।

क्योंकि अंत में व्यवस्था स्वयं की ही काम आती है। दिखावे से प्रभावित रिश्ते जीवन में कभी साथ नहीं देते। हमारे सांसारिक जीवन में मेल-जोल का अवसर शादी-विवाह, सम्मेलन, घर में कुआं पूजन, पुत्र उत्सव या पुत्री उत्सव जैसे कार्यक्रमों में हुआ करता था। उन्हीं अवसरों पर सारे रिश्तेदार-नातेदारों से मुलाकात होती थी। लेकिन आजकल वह परंपरा भी खत्म होती जा रही है। अब तो वहां भी चर्चा होती है कि कौन कितनी महंगी कार से आया है, कितने महंगे कपड़े पहन रखे हैं, कौन-सा मोबाइल फोन हाथ में है, कौन-सी परफ्यूम लगाई है, बच्चे किस बड़े स्कूल या कॉलेज में पढ़ रहे हैं, कौन देश में है या विदेश में, कितना पैकेज ले रहा है।

हम यह भूल गए कि पहले तीन-चार भाई या पांच भाई परिवारों में रहते थे और जब इकट्ठे होते थे तो भाई-बंधु और परिवार के सदस्य साथ आते थे। चाचा-मामा और रिश्तेदारों के बीच अपनापन झलकता था। मुलाकातें दिल से होती थीं, न कि अपनी कमाई का दिखावा करने के लिए पहले शादियां मोहल्ले या धर्मशाला में होती थीं। मेहमान आसपास के घरों में ठहरते थे। सब साथ बैठकर पत्तल-दोने में भोजन करते थे। गद्दे-रजाई बिछा दिए जाते थे और साधारण व्यवस्था में भी अपनापन झलकता था लेकिन अब हालात पूरी तरह बदल गए हैं। आजकल शादियां महंगे रिसॉर्ट्स और डेस्टिनेशन वेडिंग्स में होने लगी हैं। शादी से दो दिन पहले ही पूरा परिवार रिसॉर्ट में शिफ्ट हो जाता है और मेहमान सीधे वहीं पहुंचते हैं। जिसके पास चारपहिया वाहन है वही वहां तक पहुंच सकता है, दोपहिया वालों के लिए यह संभव नहीं। किसी को केवल लेडीज़ संगीत में बुलाना, किसी को सिर्फ रिसेप्शन में, किसी को कॉकटेल पार्टी में, और परिवार को सभी कार्यक्रमों में। इस निमंत्रण में अपनापन की भावना खत्म हो चुकी है। सिर्फ मतलब के व्यक्तियों को या परिवारों को आमंत्रित किया जाता है। कई बार देखा गया है कि जो लोग बारात में शामिल होने के लिए आते हैं उन्हें दूल्हा-दुल्हन का नाम या शकल मालूम ही नहीं होती और भविष्य में कभी दूल्हा-दुल्हन मिल जाए तो उन्हें पहचानते भी नहीं है। महिला संगीत के लिए महंगे कोरियोग्राफर बुलाए जाते हैं। मेहंदी में सबको हरे कपड़े पहनने की अनिवार्यता होती है, हल्दी में पीले कुर्ते-पायजामे। जो न पहने, उसे हीन दृष्टि से देखा जाता है। इवेंट मैनेजमेंट वालों ने शादी की परंपरा को एक प्रदर्शनी में बदल दिया है। दूल्हा-दुल्हन पर से ध्यान हटकर सजावट, डांसर्स, परफॉर्मेंस और दिखावे पर चला जाता है। 10-15 लोग आ रहे हैं अधनंगे कपड़ों में डांस करने, कोई झंडा उठा रहा है, कोई बैनर उठा रहा है, कोई टोपी पहन रहा है, कोई फूल उछाल रहा है, कोई पता नहीं वह गरीब विचित्रता के मानवता के सबूत पेश किए जाते हैं कि हां हम बहुत पैसे वाले हैं और हम इस खर्च का वहन कर सकते हैं। वह खुद भूल जाते हैं, लड़के और लड़की, वर और वधू पक्ष में दोनों लोग कि वह अपने बेटे-बेटी की शादी करने आए हैं और उनका भविष्य/जीवन जो है वह पूजा-पाठ के सहारे चलेगा, भगवान के सहारे चलेगा, इन इवेंट वालों के सहारे नहीं चलेगा लेकिन उन दोनों पक्षकारों का पूरा ध्यान जो होता है वह इवेंट की बारीकियों पर होता है कि उसने पैर कैसा रखना है, उसने हाथ कैसे रखना है, उसने कंधे पर क्या करना है, ऐसा किया कि नहीं किया, नहीं किया तो इवेंट वाले का पैसा काट दो फोटोग्राफर्स और वीडियोग्राफर्स 6-8 कैमरे लगाकर ऐसे-ऐसे एंगल से तस्वीरें खींचते हैं जिनका कोई मतलब नहीं होता। सैकडों डेटा इकट्ठा होता है जिसे कोई देखने की जहमत तक नहीं उठाता। लेकिन खर्चा लाखों में हो जाता है। इसके बाद रिसेप्शन स्टार्ट होता है। स्टेज पर वरमाला अब फिल्मी स्टाइल में होती है।

पहले लड़की और लड़के वाले मिलकर हंसी-मजाक करके वरमाला करवाते थे। आजकल स्टेज पर धुंए की धूनी छोड़ देते हैं। दूल्हा-दुल्हन को अकेले छोड़ दिया जाता है, बाकी सब को दूर भगा दिया जाता है

- रोटेरियन सुनील दत्त गोयल
महानिदेशक, इम्पीरियल चैंबर ऑफ़ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री
पूर्व उपाध्यक्ष, जयपुर स्टॉक

सार-समाचार

मुबारक खान खोखर अध्यक्ष बने

जालोर, (कासं)। मानव अधिकार जस्टिस एसोसिएशन का मुबारक खान खोखर को जिला जालोर का जिला अध्यक्ष नियुक्त किया है। प्रदेश अध्यक्ष मोहम्मद खान पठान ने नियुक्ति पत्र जारी कर संगठन की गतिविधियों को और मजबूत करने की जिम्मेदारी सौंपी। उन्होंने बताया कि संघ का उद्देश्य समाज में अन्याय, उत्पीडन, भ्रष्टाचार और शोषण जैसी समस्याओं के खिलाफ आवाज बुलंद करना है। संगठन आमजन को उनके संवैधानिक अधिकारों के प्रति जागरूक करने और न्याय दिलाने के लिए लगातार कार्य करता आ रहा है। मुबारक खान खोखर की नियुक्ति पर प्रदेश अध्यक्ष मोहम्मद खान पठान, राष्टीय उपाध्यक्ष हाजी नवाब अहमद मुजावर, संगठन के अन्य पदाधिकारियों सहित कार्यकर्ताओं ने उन्हें बधाई दी और उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं दी।

पानी के हौद में गिरने से मासूम की मौत

जोधपुर, (कासं)। निकटवर्ती डांगियावास के दांतीवाड़ा गांव में पानी के होद में गिरने से एक मासूम की मौत हो गई। उसके चाचा की तरफ से पुलिस में मर्ग की रिपोर्ट दी गई। शव को कार्रवाई के उपरांत परिजन के सुपुर्द कर दिया गया। दो अन्य हादसों में दो लोगों की मौत हो गई। डांगियावास पुलिस ने बताया कि दांतीवाड़ा निवासी माधाराम देवासी ने मर्ग में रिपोर्ट दी। इसमें बताया कि उसका भतीजा दस वर्षीय कानाराम पुत्र अराराम देवासी खेलते हुए पानी के होद में गिर गया। पानी में डूबने का पता लगने पर उसे अस्पताल ले जाया गया। मगर डॉक्टर ने उसे मृत बता दिया। पुलिस ने शव को कार्रवाई कर परिजन के सुपुर्द किया। दूसरी तरफ आंगणवा स्थित मुख्यमंत्री पुनर्वास गृह में विजय कुमार सोनी नाम के शख्स की अचानक से तबीयत बिगडऩे पर एमजीएच में भर्ती करवाया गया। मगर बाद में उसकी मौत हो गई। पुनर्वास केंद्र के प्रबंधक मोहनलाल ने मंडोर थाने में रिपोर्ट दी। वहीं मथानिया पुलिस के अनुसार रजासनी थलिया निवासी 51 साल का पोखरराम पुत्र पूनाराम माली खेत पर कार्य करते समय अचानक तबीयत बिगडऩे के बाद बेहोश हो गया। इस पर उसे मथानिया सीएचसी लाया गया। मगर उसकी बाद में मौत हो गई। उसके पुत्र अशोक ने मथानिया थाने में मर्ग की रिपोर्ट दी।

दुकान व मकान में चोरी

जोधपुर, (कासं)। शहर के अंदरूनी क्षेत्र मिर्ची बाजार में एक दुकान में चोरी हो गई। चोर दुकान से नगदी के साथ कुछ सामान ले गए। दूसरी तरफ धवा में एक मकान में चोरी हुई जहां से नगदी के साथ चांदी के आभूषण चोर ले गए। पुलिस ने चोरी के प्रकरण दर्ज कर अब जांच आरंभ की है। सदर बाजार पुलिस ने बताया कि शांतिनाथ नगर डउकिया अस्पताल के पीछे रहने वाले कमल मूंदड़ा ने रिपोर्ट दी। इसमें बताया कि उसकी एक दुकान मिर्ची बाजार, मूलजी होटल के सामने आई हुई है। 25 अगस्त की रात आठ बजे वह दुकान मंगल कर घर चला गया था। 26 की सुबह लौटा तो ताले टूटे मिले। अज्ञात चोर दुकान के गल्ले से ढाई लाख रूपए की नगदी के साथ साढ़े चार हजार रूपए के सिक्कें पार कर गए। सदर बाजार पुलिस जांच में जुटी है। वहीं दूसरी तरफ झंवर पुलिस के अनुसार धवा निवासी भबूताराम विश्नोई के दो बेटे है जोकि साउथ में रहते है। यहां वह अपने पत्नी के साथ रहते है। उसके घर से चोर 50 हजार की नगदी के साथ 10-15 तोला चांदी के जेवरात चोरी कर गए। घटना के समय दंपत्ती खेत पर कृषि कार्य के लिए गया हुए थे ।घर भी झाडिय़ों के ओटे में आया हुआ है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की है।

मेड़ा उपरला ग्राम पंचायत में रात्रि चौपाल

जालोर, (का.सं.)। जिला कलैक्टर डॉ. प्रदीप के. गावंडे ने मंगलवार को मेडा उपरला ग्राम पंचायत में रात्रि चौपाल कर उपस्थित ग्रामीणों की समस्याओं को सुनते हुए उनका मौके पर ही निस्तारण किया। रात्रि चौपाल के दौरान जिला कलैक्टर डॉ. प्रदीप के. गावंडे के समक्ष ग्रामीणों ने अतिक्रमण हटाने, विद्युत व पानी की समस्या का समाधान करने सहित विभिन्न परिवाद प्रस्तुत किए जिनको जिला कलक्टर ने गंभीरतापूर्वक सुनते हुए उनका मौके पर ही निस्तारण करवाने के लिए संबंधित विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया। रात्रि चौपाल में सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग, जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग, डिस्कॉम व पंचायतीराज सहित विभागीय अधिकारियों ने केन्द्र व राज्य सरकार द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं के बारे में जानकारी दी। इस अवसर पर जालोर उपखण्ड अधिकारी मनोज चौधरी, जालोर तहसीलदार बाबूसिंह राजपुरोहित सहित ब्लॉक स्तरीय अधिकारी व बड़ी संख्या ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

सायला में वरघोड़ा निकाला

सायला, (निसं)। नगर के पुराना बस स्टैंड स्थित श्री गणपति रिद्धि सिद्धि मन्दिर में गणेश चतुर्थी के उपलक्ष में दस दिवसीय गणपति महोत्सव का बुधवार को शुभ मुहुर्त में गणपति प्रतिमा की स्थापना के साथ आगाज हुआ। गणपति महोत्सव के तहत मन्दिर प्रांगण में वैदिक मंत्रोच्चार के साथ गणपति प्रतिमा स्थापित की गई। इसके बाद गणपति की पूजा अर्चना कर आरती की गई। साथ ही श्रद्धालुओं ने गणपति को माला पहनाकर मोदक का भोग लगाया तथा खुशहाली की कामना की। वही दोपहर में भव्य वरघोडे का आयोजन किया गया। जिसमे श्रद्धालु डीजे पर भक्ति गीतों पर झूमते हुए चल रहे थे। जो गांव के मुख्य मार्गो से होता हुआ पुनः मन्दिर पहुँचकर विसर्जित हुआ। मन्दिर में महाआरती के बाद प्रसादी का वितरण किया गया। इससे पूर्व गणपति मन्दिर को रंग बिरंगी रोशनी व फूलो से सजाया गया। साथ ही गणपति का विशेष श्रृंगार किया गया था। इस दौरान बडी संख्या में श्रद्धालु मौजूद थे।

हाथल में गणपति प्रतिमा की स्थापन

रेवदर, (निसं)। सिरोही जिले के रेवदर उपखण्ड के हाथल में गणपति स्थापना शुभ मुहूर्त में की गई। ब्राह्मजी मंदिर से ढोल-धमाकों व जयकारों के साथ गणपति की मूर्ति को स्थापना स्थल पर लाया गया। गाँव के युवा जगदीश धारावत ने जानकारी दी।

घर-घर विराजे गजानन, मंदिरों में गूंजा गणपति बप्पा मोरिया..

जोधपुर, (कासं)। देवी-देवताओं में प्रथम पूज्य विघ्नहरण का जन्मोत्सव गणेश चतुर्थी आज श्रद्धा, भक्ति के साथ धूमधाम से मनाई गया।

आज घर-घर गणपति की मूर्तियां स्थापित की गई। अनंत चतुर्दशी तक विधिविधान से पूजन किया जाएगा। इस अवसर पर शहर के रातानाडा गणेश मंदिर सहित अन्य मंदिरों में भी विशेष शृंगार किया गया। आज बुधवार होने के साथ गणेश चतुर्थी होने पर विशेष संयोग बना है। सुबह से ही गणेश मंदिरों में गणपति बप्पा मोरिया की गूंज सुनाई दी। लोगों ने आज व्रतोपवास भी रखा है। प्रथम पूजनीय की पूजा अर्चना कर आज कई लोगों ने अपने प्रतिष्ठानों को भी शुरू किया है।

गणेश चतुर्थी महोत्सव के लिए शहर में शिवसेना सहित कई अन्य संस्था-संगठनों ने तैयारियों को अंतिम रूप दे दिया है। शहर के गणेश मंदिरों में विशेष पूजा अर्चना और अभिषेक के साथ प्रसादी का आयोजन किया जा रहा है। गणेश मंदिरों में विभिन्न धार्मिक अनुष्ठान हो रहे है। इसके साथ ही गणेश महोत्सव के दौरान अस्थायी प्रतिमाओं की स्थापना भी की गई।

इस बार विभिन्न संगठनों ने मिट्टी की गणेश प्रतिमाओं को स्थापित करने का संकल्प लिया है। प्लास्टर ऑफ पेरिस और केमिकलयुक्त रंगों का इस बार भी इस्तेमाल नहीं किया गया है। अनंत चतुर्दशी के दिन इन प्रतिमाओं का विधिवत रूप से विसर्जन किया जाएगा। शहर के सभी गणेश मंदिरों में विभिन्न धार्मिक अनुष्ठानों का आयोजन चलते रहेंगे।

गणपति बप्पा की स्थापना और पूजा का विशेष मुहूर्त सुबह 11.06 बजे से दोपहर 1.40 बजे तक रहा। सुबह 6.19 बजे से 9.29 बजे तक अमृत लाभ वेला व सुबह 11.04 बजे से 12.39 बजे तक शुभ चौघडिय़ा में गणपति मूर्ति की स्थापना की गई। इसके अलावा शाम 5.24 बजे 6.59 बज तक लाभ वेला में भी गणपति स्थापना कुछ स्थानों पर की जाएगी।

रातानाड़ा गणेश मंदिर में 51 हजार लड्डुओं का भोग

जोधपुर शहर के रातानाडा गणेश मंदिर में गणेश चतुर्थी का पर्व धूमधाम से मनाया गया। मंदिर में गणेश चतुर्थी के अवसर पर 51 हजार लड्डुओं का भोग लगाया गया।

भगवान को भोग लगाने के बाद मंदिर में आने वाले श्रद्धालुओं को प्रसाद के तौर पर लड्डू बांटे गए। मंदिर में भगवान गणेश और रिद्धि-सिद्धि का विशेष श्रृंगार किया गया। मंदिर परिसर में आकर्षक रोशनी की गई है।

सुबह मंदिर में आरती हुई। संतों के सान्निध्य में मंदिर परिसर में ध्वजारोहण किया गया।

सोजती गेट मंदिर पर भी विशेष पूजा

वहीं सोजती गेट गढ़ लंबोदर गणेश मंदिर और जूनी धानमंडी स्थित गुरु गणपति मंदिर में विशेष पूजा अर्चना व अभिषेक किया गया। श्री राम सेवा समिति जोधपुर महानगर व अग्निशमन केंद्र बासनी की तरफ से ऊँ सिद्धि विनायक मंदिर अग्निशमन केंद्र बासनी पर आज रात आठ बजे एक शाम गजानंदजी के नाम भजन संध्या का आयोजन किया जाएगा।

गोल बिल्डिंग चौराहा पर दस दिन विशेष पूजा अर्चना

ओम शक्ति संगठन की ओर से गठित गणेश उत्सव समिति के प्रवक्ता अरूण माथुर ने बताया कि बुधवार से शुरू होकर छह सितंबर को समापन तक गोल बिल्डिंग चौराहा स्थित प्रतिमा स्थल पर प्रति दिन धार्मिक कार्यक्रमों के आयोजन आज से शुरू हो गए।

चूंधी गणेश मंदिर पैदल जत्थे पहुंचे

जैसलमेर, (नि.सं.)। श्रीगणेश का जन्मोत्सव जिले भर में उत्साह व उमंग के साथ मनाया गया।

गणेश चतुर्थी के अवसर पर शहर में मेले जैसा माहौल रहा । सुबह से ही गणेश मंदिरों में श्रद्धालुओं की रेलमपेल शुरू हो गई। शहर से 12 किमी दूर स्थित चूंधी गणेश मंदिर में तो भक्तों का सैलाब उमड़ पड़ा। एक अनुमान के मुताबिक यहां 50 हजार से अधिक श्रद्धालु पहुंचे। वहीं दूसरी तरफ घर घर में भगवान गणेश की पूजा अर्चना हुई। दिनभर शहर में गणेश चतुर्थी की धूम रही। बाजार में भी गणेश चतुर्थी के चलते चहल पहल तेज दिखाई दी। गणेश मंदिरों में सुबह से ही धार्मिक अनुष्ठान प्रारंभ हुए। दोपहर में भव्य आरती हुई। गांधी चौक सि स्थित गणेश मंदिर, दुर्ग स्थित गणेश मंदिर, चूंधी, परचा गणेश, मूलसागर स्थित गणेश मंदिर सहित अन्य मंदिरों में सुबह से ही श्रद्धालुओं की रेलमपेल लगी रही। साथ ही धार्मिक अनुष्ठान हुए।

जैसलमेर शहर से 12 किमी दूर स्थित चूंधी गणेश मंदिर में गणेश चतुर्थी के अवसर पर हजारों पैदल श्रद्धालुओं ने दर्शन किए। सुबह 5 बजे से पैदल यात्रियों के जत्थे गांधी चौक स्थित गणेश मंदिर से चूंधी के लिए रवाना हुए। जत्थों में महिलाओं व बच्चों की संख्या सबसे अधिक थी। विजय स्तंभ चौराहा से लेकर चूंधी तक पैदल यात्रियों की कतारें लगी हुई दिखाई दे रही थी। सुबह 6 बजे से ही चूंधी में श्रद्धालुओं की कतारें लग गई थी। जो पूरे दिन कायम रही। देर शाम को कतार लंबी होती गई।

शहर के प्रसिद्ध गणेश मंदिर चूंधी गणेश में चतुर्थी के अवसर पर हजारों की तादाद में श्रद्धालुओं ने गजानंद के दर्शन कर मन्नत मांगी। सुबह के समय पैदल यात्रियों का भी जोर रहा। मंदिर में सुबह 6 बजे से ही दर्शनों के लिए कतारें लगनी शुरु हो गई थी। चूंधी गणेश मेले को देखते हुए आयोजन समिति द्वारा पर्याप्त व्यवस्थाएं की गई थी। जिसमें भव्य लाइटिंग, टेंट व दर्शनों के लिए आने वाले श्रद्धालुओं के लिए भी पर्याप्त सुविधाएं उपलब्ध थी। शाम के समय प्रसिद्ध भजन गायकों द्वारा भजनों की प्रस्तुतियां दी गई तथा श्रद्धालुओं के लिए महाप्रसादी का आयोजन किया गया।

शाम के समय चूंधी गणेश मंदिर में कदम रखने तक की जगह नहीं थी। हजारों श्रद्धालु यहां पहुंचे और चूंधी गणेश के दर्शन किए।

चौरड़िया भवन में संवंत्सरी पर्व मनाया, श्रावकों की भीड़ उमड़ी

जोधपुर, (कासं)। चौरड़िया भवन में बुधवार को संवत्सरी महापर्व विभिन्न कार्यक्रमों के साथ क्षद्धा पूर्वक मनाया गया । इस अवसर पर सुबह 6.15 से 7.15 ज्ञान चर्चा तथा 8.30 से प्रवचन, दोपहर को आलोचना पाठ एवं सांय 7बजे से संवत्सरी प्रतिक्रमण में श्रावकों की भीड़ उमड़ पड़ी। आज चार दर्जन से अधिक तपस्वियों ने अठाई की तपस्या ठाहण की।

सुमित मुनि ने संवंत्सरी पर्व के महत्व के बारे में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि मन के मैल धोने का यह पर्व हमें सौभाग्य से मिला है। किसी के प्रति मन में बैर भाव हो तो आज के दिन उस जीव से क्षमा लेनी चाहिए। इससे वर्षों की कटुता क्षण भर में मिट जाती है।

सुमति मुनि ने संवत्सरी महापर्व की देशना में कहा कि दूसरों के दोष नहीं देखे, हमारे लिए सब निंदोष है, हमें भविष्य में दोष रहित होना है। परमात्मा से प्राथना करे कि मेरी कमजोरी से मेरे द्वारा गलती हो सकती है लेकिन कभी भी गलती के बचाव करने की इच्छा न हो। जो अपनी गलती का बचाव करता है वह अपने सुधरने की संभावना समाप्त कर देता है। अगर हम दोषों को स्वीकार नहीं करेंगे तो हमारे गुण बच नहीं पायेगे। हमको आज परमात्मा, गुरु, माता पिता, बेड़ छोटे से धामायाचना करनी चाहिए।

जयमल जैन श्रावक संघ, जोधपुर के अध्यक्ष देवराज बोहरा ने बताया कि आज सैंकड़ों श्रावक श्राविकाओं ने उपवास, एकासना, आंबिल कर धार्मिक आराधना की। कईयों श्रावक श्राविकाओं द्वारा पंद्रह, नौ, उपवास रखें गए। आज इतनी ज्यादा भीड़ रही कि

180 बाई 100 फिट का पाण्डाल भी छोटा पड़ गया। सैंकड़ों श्रावकों ने पाण्डाल के बाहर बैठ कर प्रवचन का लाभ लिया। आज मधु बोहरा ने 15 की तपस्या, 8 वर्षीय राहुल एवं दिलीप ने अठाई, राजेश कोठारी, मिसाका संचेती ने नौ की तपस्या ठाहण की। रितिक गोठी तथा सलोनी गोठी ने जोड़े से अठाई की तपस्या ठाहण की। इसके साथ ही अनेक श्रावक श्राविकाओं ने उपवास, तेला, अटठाई आदि तपस्या ग्रहण की। संचालन राजेंद्र लूणीया ने किया।

कदली वन हनुमान मंदिर में राधा अष्टमी पाटोत्सव

पोकरण, (नि.सं.)। सेल्वी शक्ति वह भक्ति का संगम में एशिया स्वास्तिक चिन्ह पर निर्मित सिद्ध पीठ कदली वन हनुमान जी के मंदिर में पांच दिवसीय राधा अष्टमी पाटोत्सव कार्यक्रम के तहत शुभारंभ गणेश चतुर्थी के दिन पंडित राधा कृष्ण व्यास, पंडित गिरीराज पुरोहित, पंडित जितेंद्र दाधीच, पंडित डीपी महाराज ने यजुर्वेद के मंत्रोच्चार के साथ हुआ। सनातन धर्म प्रेमियों को देशविघि प्रायश्चित स्नान विभिन्न जडी बूटियां, गोरस, विभिन्न तालाबों की मिट्टी, अलग-अलग पवित्र नदियों का नीर, के साथ स्नान कराई गई। वहीं उपस्थित यजमान को तर्पण कराकर अपने पूर्वजों की पूजा अर्चना कराई गई।

कार्यक्रम के तहत हवन में आहुतियां यजमानव द्वारा दी गई, पांच दिवसीय धार्मिक अनुष्ठान के दौरान अनंत त्रिदंडी दंडी स्वामी परमपद धनुधरराचार्य महाराज के आशीर्वाद में तथा संत शिरोमणि ओम महाराज एवं बाल संत मारुति नंदन महाराज के सान्निध्य में किया।

आयोजन समिति के अनुसार इस पाटोत्सव में प्रतिदिन भक्ति संध्या, संकीर्तन, धार्मिक प्रवचन एवं विविध धार्मिक अनुष्ठान संपन्न हुआ। क्षेत्र के भक्तगण और श्रद्धालु इस ऐतिहासिक एवं आध्यात्मिक महत्व के आयोजन में बडी संख्या में सम्मिलित होकर पुण्यलाभ उठाया। वही गणेश चतुर्थी के अवसर भगवान गणेश जी का मंत्रोच्चार के साथ दूध दही शहद पंचामृत गंगाजल, इत्र सेअभिषेक कर भोग प्रसाद चढाया गया, आचार्य राधा कृष्ण सह आचार्य गिरी राज नवनारायण व्यास जितेंद्र दाधीच जसराज शर्मा मुख्य यजमान जुगल किशोर बिस्सा, विशाल दाधीच, अविनाश कुमार, दुर्गा शंकर, तन सिंह रावलोत, प्रेम पुरोहित, हरीश रंगा, गोपाल सिंह, किशन सिंह भाटी, देवीलाल केला, गुमान सिंह गडी, जीतू बिश्नोई, हरीश पालीवाल, तुलसीदास पालीवाल जेठू सिंह सोढा गिरधर दान उज्जवल सहित कई लोगों ने कार्यक्रम में भाग लिया।

मूंगफली के खेतों पर प्रक्षेत्र भ्रमण

गुड़ामालानी, (कासं)। कृषि विज्ञान केंद्र, गुडामलानी द्वारा डबोई गाँव में एन एफ एस एम समूह अग्रिम पंक्ति प्रदर्शन के तहत मूँगफली फसल पर प्रक्षेत्र भ्रमण किया गया।

इस आयोजन के अन्तर्गत किसानों को मूँगफली फसल के प्रदर्शन दिये गये थे। कार्यक्रम के तहत कृषि विज्ञान केंद्र, गुडामलानी के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष डा बी एल मीणा ने बताया कि मूँगफली फसल के ये प्रदर्शन अच्छी वैज्ञानिक विधियों के साथ दिये जाते हैं। उन्होंने बताया कि इस क्षेत्र में सिंचाई की अच्छी सुविधा होने के कारण मूँगफली अच्छी पैदावार देती है। जिसमें पोषक तत्वों का समुचित उपयोग किया जाता है। इस फसल में तेल की मात्रा बढाने के लिए किसानों को जिंक सल्फेट उपयोग कराया जाता है तथा मूँगफली फसल में पीलापन की समस्या को रोकने के लिए फेरस सल्फेट पोषक तत्व का भी उपयोग कराया जाता है। कृषि विज्ञान केंद्र के कीट वैज्ञानिक डा बाबू लाल जाट ने बताया की मूँगफली फसल में दीमक के प्रकोप से बचने के लिए बीज उपचार बहुत ही कारगर उपाय है। इसके अलावा इस फसल में अगेती झुलसा एवं पछेती झुलसा बीमारी तथा तना गलन और शुष्क जड गलन आदि बीमारियाँ आती हैं जिनका निवारण समुचित बीमारी एवं कीट प्रबंधन करके किया जा सकता है। उन्होंने यह भी बताया कि फसल चक्र अपनाकर ही किसानों को अपनी फसल लेनी चाहिए। कृषि विज्ञान केंद्र के प्रसार शिक्षा विषय विशेषज्ञ डॅ.विकास कुमार ने बताया कि किसानों को प्राकृतिक खेती की तरफ ध्यान देना चाहिए।

जातरूओं की नि:शुल्क नेत्र जांच सेवा जोरों पर

पोकरण, (नि.सं.)। रामदेवरा के जाट धर्मशाला के सामने पहली बार आयोजित किये गए लोकदेवता बाबा रामदेव नेत्रकुम्भ 2025 धीरे-धीरे अपने तय लक्ष्यों की प्राप्ति के नजदीक पहुंच रहा है। 1 अगस्त से 2 सितम्बर की इस 33 दिवसीय अवधि के लिए लगाए गए इस नेत्रकुम्भ महा जांच शिविर के माध्यम से मरुप्रदेश के निवासियों व बाबा के दर्शनार्थ आये सभी वर्गों के जातरुओं की नि:शुल्क नेत्रजाँच, चश्में व सर्जरी के माध्यम से सेवा की जा रही है।

नेत्रकुम्भ में स्थापित की गयी मशीनों, विशेषज्ञ चिकित्सकों व हाथों-हाथ चश्में के माध्यम से प्रदेश के अति-पिछडे क्षेत्रों से आये बाबा के भक्तों और क्षेत्र के निवासियों को आँखों की जाँच व उचित उपचार नि:शुल्क प्रदान किया जा रहा है जिससे वर्षो से आँखों की समस्याओं से परेशान लोगों को योग्य निदान प्राप्त हो रहा है और उनके जीवन में अति-उत्साह का संचार हो रहा है। आँखों की जटिल समस्याओं से पीडित, महंगे इलाज को न करा पाने की मजबूरी और बडे शहरों से दूरी के कारण क्षेत्र के असंख्य निवासी जानते हुए भी मजबूरीवश अपना उपचार नहीं करवा पा रही थी। ऐसे रोगियों को नेत्रकुम्भ में स्थापित याग लेजर मशीन, टोनॉमिटर द्वारा नि:शुल्क इलाज प्रदान किया गया ओर पीडा का निवारण किया जा रहा है। बाबा के जातरूओं की सच्चे मन से सेवा और पीडा से मुक्ति दिलाना ही नेत्रकुम्भ के चिकित्सकों, तकनीशियनों, कार्यकर्त्ताओं और प्रबंधकों का धर्म बन गया है। नेत्रकुम्भ से जुडा प्रत्येक कार्यकर्ता रामायण की गिलहरी की तरह यही सोच कर दिन-रात लाभार्थियों की सेवा में लगा हुआ हैं। यही लोकदेवता बाबा रामदेवजी को सच्ची श्रद्धांजली है। बाबा रामदेवजी की समरसता और सर्वपंथ समभाव की सीख को अक्षरश: अपनाते हुए नेत्रकुम्भ में आये सभी लाभार्थियों को बिना कोई जाति, वर्ग और पंथ पूछे नेत्रजाँच और आरोग्य उपलब्ध कराया गया जिसकी बानगी ये है कि नेत्रकुम्भ में नेत्रजाँच करवाने हजारों की संख्या में प्रतिदिन प्रदेशवासी नेत्रकुम्भ में आ रहे है ओर विश्वस्तरिय सेवाओं का लाभ ले रहे है। देश के नागरिक शांति पूर्वक चेन से सो सके इसके लिए अंतरराष्ट्रीय सीमा पर पूरे देश के अलग-अलग क्षेत्रों से आये हमारे वीर सैनिक पहरा दे रहे है। उन सीमा प्रहरियों को भी नेत्र व्याधियों से मुक्ति मिले और उनके दृष्टिदोष दूर हो उसके लिए अत्याधुनिक नेत्रजाँच वेन के माध्यम से नेत्रजाँच टीम सीमा क्षेत्र में गयी। वहां चौकियों में मुस्तेदी से तैनात हमारे जवानों की विस्तार से नेत्रजाँच की गई और आवश्यक उपचार प्रदान कर ऑपरेशन सिंदूर में उनके परा म को याद किया गया।

कौतूहल का विषय बने राजस्थान के इस पहले नेत्रकुम्भ महाजांच शिविर को देखने प्रतिदिन अतिथियों व वरिष्ठ जनों का आगमन हो रहा है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के जोधपुर प्रान्त के संघचालक हरदयाल , क्षेत्रीय धर्म जागरण प्रमुख ललित शर्मा, भारतीय पुलिस सेवा से सेवानिवृत्त, राजस्थान लोक सेवा आयोग के सदस्य रहे व वर्तमान कुलाधिपति सागर विश्वविद्यालय के कन्हैयालाल बैरवाल आज शिविर में व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया और सेवाओं का लाभ उठाया।

सांवलोर में विशेष शिविर आज

बाड़मेर, (नि.सं.)। केन्द्रीय वित्तीय सेवा विभाग के निर्देशानुसार त्रैमासिक देशव्यापी वित्तीय समावेशन एवं सामाजिक सुरक्षा अभियान के तहत बाड़मेर जिले में गुरुवार को सांवलोर ग्राम पंचायत में विशेष शिविर लगेगा।

कलक्टर टीना डाबी के निर्देशानुसार चौहटन पंचायत समिति की सांवलोर ग्राम पंचायत में स्टेट बैंक ऑफ इंडिया की ओर से शिविर आयोजित किया जाएगा। इस दौरान प्रधानमंत्री जन धन योजना के अंतर्गत वर्तमान निष्क्रिय बैंक खातों के पुन: सत्यापन, नए खाते खोलने, प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना, प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना और अटल पेंशन योजना में नामांकन को प्रोत्साहन दिया जाएगा। अधिक जानकारी के लिए आमजन नजदीकी ग्राम पंचायत कार्यालय, बैंक शाखा या जिला कार्यालय से संपर्क किया जा सकता हैं।

गणपति प्रतिमा की स्थापना

गुड़ामालानी, (निसं)। प्रथम पुज्य भगवान गणेश का जन्मोत्सव होने पर मुख्यालय के गायत्री मंदिर परिसर, वाबडी शिव मंदिर, आचार्यो का वास सहित कई जगहों पर गणेश प्रतिमा स्थापित को लेकर शोभायात्रा निकाली गई । शोभायात्रा का जगह जगह ग्रामीणों द्वारा फुलों से स्वागत किया ।

गणपति महोत्सव को लेकर गुडामालानी नगरपालिका सहित आसपास ग्राम पंचायतों में भी गणेश उत्सव मनाया जा रहा है ।

दस दिन तक कस्बे में गरबो कि घुम, भक्ति संध्या सहित विभिन्न प्रकार के धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किए जायेंगे। शोभायात्रा में बालिकाओं द्वारा सिर पर कलश धारण कर शोभायात्रा में भाग लेने के साथ महिलाओं द्वारा भक्ति संगीत भजन कीर्तन करतीं साथ चली । वही श्रद्धालुओं ने डिजे कि धुनों पर नाचते गाते गणपति बप्पा मोरया के जयकारों से कस्बा गुंजायमान कर दिया । गायत्री शक्तिपीठ गुडामालानी भगवान श्री गणेश को विराजमान वैदिक मंत्रों के साथ कार्यकर्ताओं द्वारा यज्ञ कर विधि विधान से विराजमान किया गया। कार्यक्रम में भंवर शक्तिसिंह राठौड, चन्द्रप्रकाश मोदी, सुरेश कुमार सेवग, मदनलाल आचार्य, मदनलाल लौहार, श्रवण सुन्देशा, आदि उपस्थित रहे।

राज्य उपभोक्ता आयोग जोधपुर : दो प्रकरणों में एस.बी.आई. ए.टी.एम. की सेवाएं दोषपूर्ण

- पहले मामले में एटीएम से राशि नहीं निकली
- दूसरे मामले में एटीएम में राशि जमा नहीं हुई
- आयोग ने दोनों मामलों में बैंक को दोषी माना

जोधपुर, (कासं)। स्टेट बैंक द्वारा स्थापित दोषपूर्ण एटीएम सेवा को लेकर राज्य उपभोक्ता आयोग जोधपुर पीठ ने स्टेट बैंक ऑफ़ इंडिया को जिम्मेदार मानते हुए दो अलग-अलग प्रकरणों में आयोग के अध्यक्ष देवेंद्र कच्छवाहा , सदस्य न्यायिक निर्मल सिंह मेड़तवाल, सदस्य लियाकत अली ने उपभोक्ताओं के पक्ष मे निर्णय देकर उपभोक्ताओं को राहत प्रदान की।

इस प्रकरण में उपभोक्ता कैलाश सिंह ने जिला उपभोक्ता आयोग द्वितीय जोधपुर के फैसले के विरुद्ध एसबीआई रेलवे स्टेशन शाखा के विरुद्ध परिवाद में बताया था कि उपभोक्ता द्वारा एसबीआई की शाखा में स्थापित एटीएम से 15 हजार की राशि निकालने का प्रयास किया, परंतु कोई राशि नहीं निकली। कुछ समय बाद पुन: पंद्रह हजार की राशि निकालने का प्रयास किया, परंतु दूसरी मशीन पर भी राशि नहीं निकली। बैंक के कर्मचारियों ने 28000 रुपए निकाले जाने की जानकारी दी। परिवादी ने टोल फ्री नंबर पर भी शिकायत दर्ज करवाई लेकिन शिकायत का समाधान नहीं किया। घटना के वीडियो फुटेज उपलब्ध करवाने का निवेदन किया , मगर बैंक ने वीडियो फुटेज व नोटों की डिटेल परिवादी को उपलब्ध नहीं करवाई। परिवादी ने बैंक की सेवा में त्रुटि मानते हुए जिला आयोग में परिवाद प्रस्तुत कर राशि दिलवाने की मांग की।

बैंक की ओर से जवाब देते हुए बताया कि एटीएम पर ट्रांजैक्शंस पूरा हुआ है तथा 28 हजार रुपए एटीएम से निकले, परिवादी ने वीडियो फुटेज मांगे थे, परंतु बैंक इस प्रकार फुटेज नहीं दे सकती है। पुलिस में रिपोर्ट दर्ज करवाने पर पुलिस को फुटेज दी जा सकती है। जिला आयोग ने उपभोक्ता की शिकायत को सही मानते हुए परिवाद स्वीकार किया। निर्णय के विरुद्ध राज्य उपभोक्ता आयोग जोधपुर पीठ के समक्ष स्टेट बैंक आफ इंडिया ने अपील प्रस्तुत कर जिला आयोग के निर्णय को अस्वीकार करने की प्रार्थना की।

आयोग ने बैंक के अधिवक्ता की बहस सुनकर अपने निर्णय में कहा कि बैंक के पास पर्याप्त अवसर था कि वह वीडियो फुटेज के जरिए यह साबित कर सकता था कि एटीएम से उस वक्त राशि निकली है। वह राशि हुलिया पहचान कर पता लगाया जा सकता था कि उक्त राशि का आहरण स्वयं उपभोक्ता द्वारा किया गया है अथवा नहीं। वीडियो फुटेज तभी दी जा सकती है जब पुलिस में रिपोर्ट करवाई जाए, ऐसा कोई नियम बैंक द्वारा पेश नहीं किया गया है। पुलिस हस्तक्षेप तभी होता है जब कोई आपराधिक कृत्य हो।

आयोग ने विभिन्न न्यायिक दृष्टांतो के जरिए निर्णय में कहा कि वीडियो उपलब्ध नहीं करवाना सेवा में कमी है आयोग ने समस्त तथ्यों , परिस्थितियों को देखते हुए बैंक की अपील अस्वीकार करते हुए जिला आयोग के निर्णय को उचित ठहराया। बैंक की ओर से अधिवक्ता ललित व्यास उपस्थित हुए।

एक अन्य प्रकरण में उपभोक्ता आयोग जोधपुर पीठ के अध्यक्ष देवेंद्र कच्छवाहा , सदस्य लियाकत अली ने उपभोक्ता की अपील स्वीकार कर बैंक को 520 हजार की राशि मय ब्याज देने के आदेश पारित किए हैं

आयोग के समक्ष पोकरण जिला जैसलमेर निवासी ओंकारनाथ ने परिवाद प्रस्तुत कर बताया था कि कलेक्टर परिसर जैसलमेर के सीडीएम मशीन में अक्टूबर 2018 को 52 हजार जमा करवाई तथा ट्रांजैक्शंस भी सफल बताया, लेकिन पर्ची नहीं निकली । परिवादी ने बैंक में शिकायत भी की । राशि भी एटीएम से वापस बाहर नहीं निकली ।सीसीटीवी फुटेज भी परिवादी को नहीं दिखाई।

राशि परिवादी के खाते में जमा नहीं हुई। इस पर जिला उपभोक्ता आयोग में परिवाद प्रस्तुत किया।

बैंक की ओर से बताया गया कि एटीएम में 49900 तक की राशि ही जमा हो सकती है। परिवादी ने ज्यादा राशि जमा करवाने की कोशिश की जो मशीन में जमा नहीं हुए मशीन द्वारा राशि वापस कर दी गई। रिकॉर्डिंग का डाटा भर जाने के कारण सीसीटीवी फुटेज तकनीकी खामी के कारण उपलब्ध नहीं हो पाई जिला आयोग द्वारा परिवादी के परिवाद को अस्वीकार कर दिया गया

जिला उपभोक्ता आयोग जैसलमेर के निर्णय के विरुद्ध उपभोक्ता ने राज्य उपभोक्ता आयोग जोधपुर पीठ के समक्ष अपील प्रस्तुत की कि , आयोग ने अपने निर्णय में कहा कि उपभोक्ता द्वारा मशीन में समव्यवहार सफल बताया गया , परंतु जमा पर्ची नहीं निकली बैंक द्वारा यह जानकारी दी गई की 11 सेकंड में रकम बाहर फेंक दी गई थी। उपभोक्ता 5 मिनट तक इंतजार करता रहा परंतु, राशि वापस बाहर नहीं निकली। ऐसी स्थिति में स्वीकृत रूप से यह नहीं माना जा सकता कि सीडीएम मशीन ने तत्काल रुपए लौटा दिए बैंक इस संबंध मे कोई नियमावली बताने में भी असमर्थ रहा है कि सीडीएम मशीन के माध्यम से रुपए जमा नहीं करवाने जाने की स्थिति में कितने समय तक जमाकर्ता इंतजार करें।

बैंक द्वारा ना तो सीसीटीवी फुटेज पेश की गई और ना ही ओपनिंग, क्लोजिंग बैलेंस पेश किया गया। जिससे यह सुनिश्चित हो सकता था कि रुपए डालते समय क्या शेष था और शाम के समय क्या बैलेंस रहा।

बैंक की ओर से जे.पी रोल भी प्रस्तुत नहीं किया गया।

आयोग ने विभिन्न न्यायिक दृष्टांतो का उल्लेख करते हुए उपभोक्ता की अपील स्वीकार करते हुए 52 हजार प्रचलित दर के अनुसार मय ब्याज , वाद खर्च के रूप में 10 हजार देने के भी आदेश दिए।

अपीलार्थी की ओर से अधिवक्ता विकास फोफलिया तथा विपक्षी बैंक की ओर से अधिवक्ता ललित व्यास उपस्थित हुए।

कुम्हारो की बेरी में आलम महाराज के नाम जागरण

धोरीमन्ना, (निसं)। धोरीमन्ना उपखंड क्षेत्र में ग्राम पंचायत कुम्हारो की बेरी मे स्थित आलम जी महाराज मंदिर में ग्राम वासियों की तरफ से एक शाम आलम महाराज के नाम कार्यक्रम का आयोजन किया गया। गायक कलाकार रामदेव एंड पार्टी पूराराम मेघवाल व मगलाराम भील एड पार्टी व जोगाराम व हीराराम प्रजापत एंड पार्टी द्वारा गजानन स्तुति द्वारा शुभारंभ हुआ रात भर कई देवी देवताओं की भजनों की प्रस्तुतियां दी गई।

सुबह महा आरती व महाप्रसादी वितरण की गई। आलम जी महाराज के भक्तों ने भक्ति का आनंद लिया और धोरीमना क्षेत्र वासियों ने बताया कि धोरीमना क्षेत्र में सर्व प्रथम मुख्य आलम महाराज को मानते हैं। शुभ कार्य व अच्छे जमाने के लिए आलम जी महाराज से आराधना करते हैं। साल में एक बार भादवा शुक्ल पक्ष बीज का सर्व समाज मिलकर ग्राम पंचायत में भव्य जागरण का आयोजन करते हैं।

आयोजन के मुख्य कार्यकर्ता नारायणराम प्रजापत भाजपा मंडल मंत्री, हरलाल बोला पूर्व अध्यापक, उपसरपंच प्रतिनिधि किसनाराम बोल, पंचायत समिति सदस्य वीरेंद्र बोला, पूर्व उपसरपंच रघुनाथ बोला, सुखराम बोला, रामचंद्र खीचड, डूंगराराम प्रजापत, अशोक भील. कई भक्तगण उपस्थित रहे।

आम सूचना

हर आम व खास को सूचित किया जाता है कि जगाराम पुत्र मंगलाराम जाति भील निवासी बलाड़ तहसील पोकरण जिला जैसलमेर राजस्थान के नाम से खातेदारी नहरी कृषि भूमि चक नम्बर 16 एस.एल.एम. सी.ए.डी. 17 एस.एल.एम. के मुरब्बा नम्बर 167/56 में रकबा 19-00 बीघा अनकमाड वाके उपनिवेशन तहसील मोहनगढ़ नंबर-2 में आई हुई है। जगाराम पुत्र मंगलाराम के नाम से जारी आवंटन आदेश व खातेदारी सनद दस्तावेज नन्दलाल मीणा पुत्र कालूराम मीणा निवासी ग्राम गुढ़ा मीणा, टोडाभाटा तहसील बस्सी जिला जयपुर से जयपुर में कहीं गुम हो गई है, जिसकी पुलिस में ऑनलाईन गुमशुदगी रिपोर्ट 2865463/2025 दिनांक 16.08.2025 को नन्दलाल द्वारा दर्ज करवाई गई। उक्त कृषि भूमि के उपनिवेशन रिकॉर्ड के दस्तावेज अनुसार वर्तमान मालिक नन्दलाल मीणा पुत्र मंगलाराम है। नन्दलाल मीणा अपनी उक्त कृषि भूमि पर भारतीय स्टेट बैंक शाखा बैनाड़ा तहसील बस्सी जिला जयपुर (IFSC Code SBIN0032304) में रहन रखकर केसीसी लेना चाहते हैं। 2. नखताराम पुत्र मंगलाराम जाति भील निवासी बलाड़ तहसील पोकरण जिला जैसलमेर राजस्थान के नाम से खातेदारी नहरी कृषि भूमि चक नम्बर 16 एस.एल.एम. सी.ए.डी. 17 एस.एल.एम. के मुरब्बा नम्बर 167/55 में रकबा 16-03 बीघा अनकमांड वाके उपनिवेशन तहसील मोहनगढ़ नंबर-2 में आई हुई है। नखताराम पुत्र मंगलाराम के नाम से जारी आवंटन आदेश व खातेदारी सनद दस्तावेज निर्मल कुमारी मीना पत्नी जयकिशन मीना निवासी- 140-सी. नंदपुरी, सेक्टर 11 के पास, मालवीय नगर तहसील व जिला जयपुर से ग्राम मोहनगढ़ में कहीं गुम हो गई है, जिसकी पुलिस में ऑनलाईन गुमशुदगी रिपोर्ट 2865451/2025 दिनांक 16.08.2025 को निर्मल कुमारी मीना द्वारा दर्ज करवाई गई। उक्त कृषि भूमि के उपनिवेशन रिकॉर्ड के दस्तावेज अनुसार वर्तमान मालिक निर्मल कुमारी मीना पत्नी जयकिशन मीना है। निर्मल कुमारी मीना अपनी उक्त कृषि भूमि पर भारतीय स्टेट बैंक शाखा बैनाड़ा तहसील बस्सी जिला जयपुर (IFSC Code SBIN0032304) में रहन रखकर केसीसी लेना चाहती हैं। यदि किसी व्यक्ति/संस्था को उक्त दस्तावेज आवंटन आदेश व खातेदारी सनद प्राप्त हुई है अथवा आवंटन आदेश व खातेदारी सनद के संबंध में कोई आपत्ति हो तो वह अपनी उजरदारी/आपत्ति इस आम सूचना के प्रकाशन के सात दिवस में भारतीय स्टेट बैंक शाखा जयपुर में अथवा अधोलिखित अधिवक्ता के निम्न पते/नम्बर पर सम्पर्क कर मय प्रमाण अपनी लिखित आपत्ति प्रस्तुत करें। बाद गुजरने म्याद मेरा मुवकिल बैंक उक्त संपति को बंधक के रूप में स्वीकार करने हेतु स्वतंत्र रहेगा तथा कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी। सो सूचित रहें।

अरविंद कुमार गोपा, एडवोकेट, मो 9660344476
18. गीता आश्रम, हनुमान सर्किल के पास, जैसलमेर

आम सूचना

हर आम व खास को सूचित किया जाता है कि चणणाराम पुत्र मंगलाराम जाति भील निवासी- बलाड़ तहसील पोकरण जिला- जैसलमेर राजस्थान के नाम से खातेदारी नहरी कृषि भूमि चक नम्बर 16 एस.एल.एम. सी.ए.डी. 18 एस.एल.एम. के मुरब्बा नम्बर 167/62 में रकबा 17-16 बीघा अनकमांड वाके उपनिवेशन तहसील मोहनगढ़ नंबर-2 में आई हुई है। चणणाराम पुत्र मलगाराम के नाम से जारी आवंटन आदेश व खातेदारी सनद दस्तावेज जयकिशन मीना पुत्र कानाराम मीना निवासी कोठी वाली ढाणी ग्राम भावपुरा, बैनाड़ा तहसील बस्सी जिला जयपुर से ग्राम मोहनगढ़ में कहीं गुम हो गई है, जिसकी पुलिस में ऑनलाईन गुमशुदगी रिपोर्ट 2865420/2025 दिनाक 16.08.2025 को जयकिशन मीना द्वारा दर्ज करवाई गई। 2. ताराराम पुत्र कुम्भाराम जाति भील निवासी बलाड़ तहसील पोकरण जिला जैसलमेर राजस्थान के नाम से खातेदारी नहरी कृषि भूमि चक नम्बर 13 एस.एल.एम. सी.ए.डी. 15 एस.एल.एम. के मुरब्बा नम्बर 168/19 में रकबा 06-00 बीघा (01-00 बीघा कमांड व 05-00 बीघा अनकमांड) वाके उपनिवेशन तहसील मोहनगढ़ नंबर-2 में आई हुई है। ताराराम पुत्र कुम्भाराम के नाम से जारी आवंटन आदेश व खातेदारी सनद दस्तावेज जयकिशन मीना पुत्र कानाराम मीना निवासी कोठी वाली ढाणी ग्राम भावपुरा, बैनाड़ा तहसील बस्सी जिला जयपुर से ग्राम मोहनगढ़ में कहीं गुम हो गई है, जिसकी पुलिस में ऑनलाईन गुमशुदगी रिपोर्ट 2865467/2025 दिनांक 16.08.2025 को जयकिशन मीना द्वारा दर्ज करवाई गई। उक्त कृषि भूमि के उपनिवेशन रिकॉर्ड के दस्तावेज अनुसार वर्तमान मालिक जयकिशन मीना पुत्र कानाराम मीना है। जयकिशन मीना अपनी उक्त कृषि भूमि पर भारतीय स्टेट बैंक शाखा बैनाड़ा तहसील बस्सी जिला जयपुर (IFSC Code SBIN0032304) में रहन रखकर केसीसी लेना चाहते हैं। यदि किसी व्यक्ति/संस्था को उक्त दस्तावेज आवंटन आदेश व खातेदारी सनद प्राप्त हुई है अथवा आवंटन आदेश व खातेदारी सनद के संबंध में कोई आपत्ति हो तो वह अपनी उजरदारी/आपत्ति इस आम सूचना के प्रकाशन के सात दिवस में भारतीय स्टेट बैंक शाखा जयपुर में अथवा अधोलिखित अधिवक्ता के निम्न पते/नम्बर पर सम्पर्क कर मय प्रमाण अपनी लिखित आपत्ति प्रस्तुत करें। बाद गुजरने म्याद मेरा मुवकिल बैंक उक्त संपति को बंधक के रूप में स्वीकार करने हेतु स्वतंत्र रहेगा तथा कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी। सो सूचित रहे।

अरविंद कुमार गोपा, एडवोकेट, मो 9660344476
18. गीता आश्रम, हनुमान सर्किल के पास, जैसलमेर

नोटिस वास्ते जाहिर करने की वजह
(civil procedure code Appendix "H" form NO.)
अज अदालत.......सहायक जिलाधीश, सिरोही ।
ब - ईजलाय .... श्री हरिसिंह देवल (RJS)
प्रार्थीगण ....चुन्नीलाल वगैरा.....मुदायलाह.....रमेश व अन्य ।
दावा अन्तर्गत धारा 251 ए राजस्थान काश्तकारी अधिनियम राजस्व वाद संख्या : 93/2018

अप्रार्थीगण : 1. रमेशकुमार पुत्र राव्ताराम जी, 2. मीना पुत्री राव्तारामजी, 3. ममता पुत्री राव्तारामजी, 4. शांतिदेवी पत्नि राव्तारामजी 5. नरसाराम पुत्र गलबाजी के वारिसान 5/1 इन्दुदेवी पत्नि नरसारामजी, 5/2 दुदाराम पुत्र नरसारामजी, 5/3 मंगलाराम पुत्र नरसारामजी, 5/4 मुलीदेवी पुत्री नरसारामजी, 5/5 लक्ष्मण पुत्र नरसारामजी, 5/6 लक्ष्मीदेवी पुत्री नरसाजी 6. तलका पुत्री अचलाजी के वारिसान 6/1 हटाराम पुत्र तलका, 6/2 भुबाराम पुत्र तलका, 6/3 गोवाराम पुत्र तलका, 6/4 अमरत पुत्र तलका, 6/5 राधा पुत्री तलका, 6/6 सुबटी पुत्री तलका, 6/7 सणणी पुत्री तलका 7. हंसा पुत्र अचलाजी के वारिसान :- 7/1 गट्टूदेवी पत्नि हंसाजी 7/2 धरोपी देवी पुत्री हंसाजी 7/3 मफतलाल पुत्र हंसाजी 7/4 लक्ष्मीदेवी पुत्री हंसाजी 8. चुन्नीलाल पुत्र सोनाजी 9. पोपटलाल पुत्र सोनाजी 10.तेजू पुत्री सोनाजी 11. झमकू पुत्री सोनाजी 12. जमना पुत्री सोनाजी 13. फालु पत्नि सोनाजी 14. कला पुत्र केराजी 15. लीलाराम पुत्र मूलाजी 16. दौलाराम पुत्र मूलाजी 17. जितेन्द्र पुत्र मूलाजी 18. सुन्दर पुत्री मूलाजी 19. लुंगी पत्नि मूलाजी सभी जाति राजगर ब्राह्मण आयु वयस्क निवासी सिलदर, तहसील सिरोही । क्योंकि प्रार्थीगण ने अदालत मे दरख्वास्त पेश की है कि मौजा सिलदर के खसरा संख्या 902 व 907 की आराजी में आने जाने हेतु दक्षिण दिशा की तरफ से रास्ता दिलाया जावे । लिहाजा आपको इत्तिला दी जाती है कि तारीख 16 माह 9 सन 2025 बरोज .... वार.... 10:30 AM बजे दिन के अदालत हाजा में स्वयं या वकालतन में हाजिर होकर दरख्वास्त के खिलाफ वजह जाहिर करो वरना मजबूरन एक तरफा सुना व फैसला किया जायेगा । बसिब्त मेरे दस्तखत व मुहर अदालत के आज तारीख 25 माह 08 सन 2025 वार सोमवार .

रीडर

मोहर न्यायालय उपखण्ड अधिकारी/ सहायक कलेक्टर सिरोही

उत्तर पश्चिम रेलवे

ई-ऑक्शन आमंत्रित करने की सूचना

No.-Comml/E-auction/2025/38 Date: 25-08-2025

उक्त के संदर्भ में स्टेशन पर कैटरिंग के ठेके हेतु ई-ऑक्शन आमंत्रित की गई है। कैटलोग IREPS वेबसाइट पर प्रकाशित किये जा चुके है।

क्र.सं.	कार्य का नाम	जोधपुर मंडल के धनेरा स्टेशन पर कैटरिंग के ठेकों हेतु ई-ऑक्शन		
1	कार्य की अवधि:	कैटरिंग:- 5 वर्ष;		
2	लोट के ई-ऑक्शन प्रारंभ की तिथि व समय	दिनांक:- 08.09.2025 समय:- 15:00 बजे से		
3	स्टेशन	PF	स्थान	श्रेणी
(i)	धनेरा	1	At Center of PF & near station building	GMU-General (N)

हमें /NWRailways पर फॉलो करें 1071-AN/25

आसाणा में सूकडी नदी में बहे 6 युवकों में से चार शवों को निकाला

नदी में बहे 6 युवकों में 4 युवक विवाहित थे

सायला, (निसं)। जालोर जिले के सायला उपखंड क्षेत्र के आसाणा गांव में सूकडी नदी में दो सगे भाईयों समेत छः युवक डूब गए। जिनमें से चार युवकों के शवों को बचाव दल ने बाहर निकाला, जबकि दो युवकों की तलाश जारी है।

जानकारी के अनुसार आसाणा गांव में मंगलवार शाम को मनोहरसिंह (23) पुत्र छैलसिंह जाति राजपूत, जितेन्द्रसिंह (18)पुत्र छैलसिंह जाति राजपूत, श्रवण (22)पुत्र मोडाराम जाति देवासी, जगताराम (35) पुत्र जेपाराम जाति मेघवाल, उमाराम (30) पुत्र छैलाराम जाति मेघवाल, श्रवण (24)पुत्र ताराराम जाति मेघवाल निवासीगण आसाणा नदी में बह गए थे। ग्रामीणों की सूचना पर प्रशासन व पुलिस मौके पर पहुंची तथा स्थानीय तैराकों के सहयोग से खोजबीन की। साथ ही एसडीआरएफ एवं सिविल डिफेन्स टीम को भी बुलाया गया, लेकिन तेज बारिश व अंधेरा होने के कारण मंगलवार रात्रि 8 बजे तक बचाव अभियान शुरू नही हो पाया। इसके बाद प्रशासन ने मौके पर वाहनों की लाइटों से उजाला कर बचाव अभियान शुरू किया। लेकिन रात्रि 1 बजे तक भी कोई सफलता नही मिलने से बचाव अभियान को रोक दिया गया।

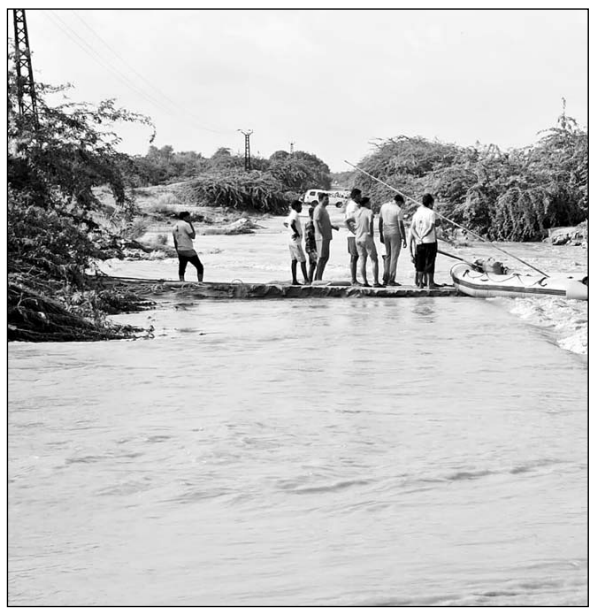

सायला के निकट आसाना के सुकड़ी नदी में बचाव दल ने युवकों की तलाश कर शवों का बाहर निकाला गया।

- मुख्य सचेतक, जिला कलेक्टर व एसपी भी पहुंचे मौके पर
- नदी में बहे 2 सगे भाईयों का पिता अवैध बजरी के मामले हुआ गिरफ्तार था

इसके बाद बुधवार सवेरे से पुनः बचाव अभियान शुरू किया गया। युवकों के शव नदी में डूबे हुए होने से बचाव दल को कडी मशक्कत करनी पडी तथा प्रातः 9:45 बजे पहला शव निकाला गया। इसके बाद अलग अलग समयान्तराल पर बचाव दल द्वारा खोजबीन कर कुल चार युवकों के शव निकाले गए। जिन्हें एम्बुलेन्स की सहायता से राजकीय सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र सायला पहुंचाया गया। जबकि 2 युवकों की तलाश जारी है।

वही मृतक उमाराम, जगताराम व श्रवण मेघवाल का मेडिकल बोर्ड द्वारा पोस्टमार्टम कर शव परिजनों को सुपुर्द किए गए। इधर समाचार लिखे जाने तक दो युवकों की तलाश जारी थी।

चार शव निकाले गए:- जालोर। प्रातः 9:45 बजे पहला शव - उमाराम मेघवाल, प्रातः 10:55 बजे दूसरा शव - श्रवण मेघवाल, प्रातः 10:57 बजे तीसरा शव - जितेन्द्रसिंह राजपूत, दोपहर 01:50 बजे चौथा शव - जगताराम मेघवाल के शवो को बाहर निकाला गया।

आसाणा गांव में सूकडी नदी में 6 युवकों के बहने की घटना के बाद बुधवार मुख्य सचेतक जोगेश्वर गर्ग, जिला कलेक्टर प्रदीप के. गवांडे एवं जिला पुलिस अधीक्षक छैलेन्द्रसिंह इन्दौलिया भी मौके पर पहुंचे तथा घटनास्थल का जायजा लिया। मुख्य सचेतक गर्ग ने ग्रामीणों से घटना के बारे में जानकारी ली। इस दौरान एएसपी मोटाराम, जालोर वृताधिकारी गौतम जैन, उपखण्ड अधिकारी सूरजभान बिश्नोई, तहसीलदार लक्ष्मी चौधरी, बीसीएमओ डॉ. रघुनंदन बिश्नोई मौजूद रहे।

आसाराम की अंतरिम जमानत बढ़ाने से राजस्थान हाईकोर्ट का इनकार

30 अगस्त की सुबह 10 बजे तक सेंट्रल जेल में सरेंडर करना होगा

जोधपुर, (कासं)। रेप के मामलों में आजीवन कारावास की सजा काट रहे आसाराम को राजस्थान हाईकोर्ट ने आज अंतरिम जमानत बढ़ाने से इनकार कर दिया। आसाराम बापू का 29 अगस्त को अंतरिम जमानत का समय खत्म हो रहा है।

कोर्ट ने अहमदाबाद के सिविल हॉस्पिटल से मिली मेडिकल रिपोर्ट के आधार पर अंतरिम जमानत अवधि बढ़ाने की याचिका को खारिज किया है। कोर्ट ने कहा- सिविल हॉस्पिटल (अहमदाबाद) की मेडिकल रिपोर्ट के अनुसार- आसाराम ऊ की सेहत इतनी गंभीर नहीं है कि उसकी अंतरिम जमानत को बढ़ाया जाए। हालांकि कोर्ट ने जेल में आसाराम बापू को व्हील चेयर की सुविधा और एक सहायक उपलब्धता की छूट दी है। इसके साथ ही जरूरत पड़ने पर जोधपुर एम्स में जांच करवाई जा सकती है।

राजस्थान हाईकोर्ट ने 8 अगस्त को आसाराम बापू की जमानत अर्जी बढ़ाने की दायर अपील पर सुनवाई की थी। इसके बाद 21 अगस्त तक जमानत को बढ़ाया गया था। कोर्ट ने सुनवाई करते हुए आसाराम बापू की ओर से प्रस्तुत मेडिकल रिपोर्ट पर विचार किया था। इसमें पाया था कि आसाराम बापू की स्वास्थ्य स्थिति गंभीर है। आसाराम का ट्रोपोनिन लेवल बहुत ज्यादा है, जो हृदय के लिए चिंताजनक है।

वह इंदौर के जूपिटर हॉस्पिटल के आईसीयू में भर्ती था। वहां से उसे अहमदाबाद के सिविल हॉस्पिटल में शिफ्ट कर दिया गया था। राजस्थान हाईकोर्ट ने अपने आदेश में अहमदाबाद सिविल हॉस्पिटल को आसाराम बापू की हार्ट और न्यूरो संबंधी समस्याओं का परीक्षण करने के निर्देश दिए थे। इस मेडिकल बोर्ड में 2 कार्डियोलॉजिस्ट और 1 न्यूरोलॉजिस्ट शामिल होना जरूरी है, जो प्रोफेसर रैंक के होने चाहिए।

मामले की अगली सुनवाई 27 अगस्त को निर्धारित की गई थी। मेडिकल बोर्ड को स्पष्ट रूप से रिपोर्ट करना था कि आसाराम बापू की चिकित्सा स्थिति के लिए हॉस्पिटल में भर्ती की आवश्यकता है या नहीं और निरंतर चिकित्सा देखभाल की आवश्यकता है या नहीं?

गुजरात हाईकोर्ट से मेडिकल ग्रांउड पर आसाराम बापू को 3 सितंबर तक जमानत मिली हुई है। गुजरात हाईकोर्ट ने 19 अगस्त को आदेश दिया था कि वर्तमान में आईसीयू में भर्ती होने और मेडिकल रिपोर्ट में गंभीर स्थिति दर्शाए जाने के आधार पर उनकी अस्थायी जमानत 3 सितंबर 2025 तक बढाई जाती है।

रायसिंहनगर नगरपालिका में टैक्स घोटाला

श्रीगंगानगर। जिले की रायसिंहनगर नगरपालिका में एक कर्मचारी द्वारा नगरीय विकास कर वसूली में बड़ी धोखाधड़ी का मामला सामने आया है। कर्मचारी ने रसीदों में हेराफेरी कर कई लोगों से ठगी की है। मामला तब उजागर हुआ जब एक भूखंड खरीदार ने नामांतरण के लिए नगरपालिका में आवेदन किया। जांच में पता चला कि कनिष्ठ लिपिक ने कार्बन कॉपी में हेराफेरी की है।

कर्मचारी दुकानदारों और मकान मालिकों को वर्ष 2019 से मार्च 2025 तक के नगरीय विकास कर में छूट का लालच देता था। वह पूरी राशि की रसीद देता था, लेकिन रिकॉर्ड में कम राशि जमा करता था।

पीड़ित नवीन कुमार ने 21 हजार रुपए जमा कराए, लेकिन रिकॉर्ड में केवल 7-8 हजार रुपए दर्ज किए गए। इसी तरह दीपक सिंघल के साथ 22 हजार रुपए की धोखाधड़ी की गई। इसके अलावा भी कई लोगों के साथ धोखाधड़ी की बात सामने आई है।

जल संसाधन मंत्री रावत के पिता श्री सूरज सिंह पंचतत्व में विलीन

अजमेर, 27 अगस्त (कासं)। प्रदेश के जल संसाधन मंत्री सुरेश सिंह रावत के पिता सूरज सिंह रावत बुधवार को निधन हो गया। निधन की सूचना के बाद पैतृक गांव मुहामी में शोक की लहर दौड़ गई। गमगीन माहौल में हजारों की संख्या में लोग अंतिम संस्कार में शामिल होने पहुंचे। श्मशान घाट पर मंत्री पुत्र रावत ने अपने पिता को मुखाग्नि दी।

मुहामी स्थित मंत्री सुरेश सिंह रावत के आवास पर संवेदनाएं व्यक्त करने वालों का दिनभर तांता लगा रहा। अजमेर जिले सहित प्रदेशभर से लोग संवेदना देने पहुंचे। ग्रामीणों ने दिवंगत सूरज सिंह को एक सादगीपूर्ण, सामाजिक और प्रेरणादायी व्यक्तित्व के रूप में याद किया।

मुहामी गांव में मंत्री रावत के पिता के अंतिम संस्कार में विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी, केंद्रीय कृषि मंत्री भागीरथ चौधरी, विधायक शंकर सिंह रावत, वीरेंद्र सिंह कानावत, पूर्व विधायक नाथूराम सिनोदिया, देहात अध्यक्ष जीतमल प्रजापत, शहर अध्यक्ष रमेश सोनी, उपमहापौर नीरज जैन, पुष्कर नगर परिषद के पूर्व सभापति कमल पाठक, जिला परिषद सदस्य महेंद्र सिंह मझेवला, पूर्व सभापति सुरेंद्र सिंह और भंवर सिंह पलाड़ा सहित बड़ी संख्या में राजनीतिक और सामाजिक प्रतिनिधियों ने श्रद्धांजलि अर्पित की।

मंत्री सुरेन्द्र सिंह रावत ने अपने पिता की अर्थी को कंधा दिया।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के वरिष्ठ पदाधिकारी हनुमान सिंह, पंचायत प्रतिनिधि रामचंद्र थाकण और अर्जुन सिंह रावत सहित आस-पास के गांवों से आए हजारों ग्रामीणों ने भी अंतिम यात्रा में भाग लिया। ग्रामीणों ने मंत्री रावत और उनके परिवार को ढांढस बंधाया अंतिम संस्कार के दौरान मुहामी गांव शोक में डूबा रहा। ग्रामीणों ने सूरज सिंह रावत को एक सरल और मिलनसार व्यक्ति बताया,जिनका जीवन गांव की सामाजिक और सांस्कृतिक गतिविधियों को समर्पित था। लोग नम आंखों से उन्हें अंतिम विदाई दी।

साइबर ठग कंबोडिया से भारत में कर रहे ठगी

श्रीगंगानगर । एयरटेल कंपनी की श्रीगंगानगर से जारी 12 सिम का इस्तेमाल कंबोडिया से भारत में साइबर अपराधों को अंजाम देने के लिए हो रहा था। इसे लेकर भारती हेक्साकॉम लिमिटेड (एयरटेल) के नोडल ऑफिसर ने साइबर थाने में मुकदमा दर्ज करवाया है। परिवादी के अनुसार श्रीगंगानगर में कंपनी के एक रिटेलर ने नियमों की अनदेखी करते हुए कूट रचित तरीके से 12 सिम कार्ड जारी किए। ये सभी सिमकार्ड कुछ ही समय के भीतर जारी हुए और बाद में उनका इस्तेमाल कंबोडिया से होने वाले साइबर अपराधों में होता पाया गया। शिकायत के मुताबिक सभी सिम गांव ओड़की स्थित एयरटेल के पॉइंट ऑफ सेल विकास टेलीकॉम से जारी किए गए हैं। ऐसी जानकारी मिली है कि इन 12 सिमकार्ड का उपयोग विदेश में बैठे साइबर ठग भारतीय नागरिकों के साथ डिजिटल अरेस्ट और अन्य प्रकार की ऑनलाइन ठगी में कर रहे थे। कंपनी प्रतिनिधि की ओर से दर्ज करवाई गई शिकायत के आधार पर साइबर थाने में संबंधित धाराओं में केस दर्ज किया गया है। मामले की जांच साइबर थाने के प्रभारी डीएसपी कुलदीप वालिया कर रहे हैं।

कार्यालय अधिशाषी अभियंता सानिवि जिला खंड प्रथम, बीकानेर
क्रमांक : 1194 दिनांक : 19.8.25
Notice Inviting Bid -: 17/2025-26
Bid for the work मैन स्टैंड सावत गोदारा की दुकान से होते हुए माताजी मंदिर होते हुए सुनारों का मकान से होते हुए मैन गुवाड फिर अर्जुनराम निवाडिया के घर के आगे से चतराराम कालूराम गोदारा के घर के आगे से उमाराम-डालाराम के घर के आगे से होते हुए फुसाराम गुणाराम गोदारा के घर के आगे से होते हुए रामलाल सुथार के घर के आगे से होते हुए मघाराम के घर के आगे से होते हुए मैन रोड पर अटल प्रगति पथ का निर्माण कार्य किमी. 2.00 (विधानसभा लूणकरणसर, गांव गुसाईसर) are invited from interested bidders upto 28.08.2025 (09.30 AM) to 08.09.2025 (06.00 PM) & Open date 09.09.2025 (11.00 AM), other particulars of the bid may be visited on the procurement portal http://www.pwd.rajasthan.gov.in & eproc.rajasthan.gov.in & http://sppp.rajasthan.gov.in of the state and departmental website. The approximate value of the procurement is Rs. 172.70 Lakh.
UBN No. PWD2526WSOB10144
DIPR/C/12201/2025 Executive Engineer, pwd distt. Dn-i, Bikaner

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता ओ.एफ.डी. खण्ड प्रथम, सिं.क्षे.वि., इं.गा.न.प., बीकानेर
क्रमांकः- 2507-2526 दिनांकः-14/08/2025
ई-निविदा सूचना संख्या 06 वर्ष 2025-26
राजस्थान के राज्यपाल की ओर से निम्नलिखित कार्यों हेतु नवीन पंजीकरण नियमों के अन्तर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से Construction of Pucca Water Course in IGNP Stage-I in Suratgarh Assembly Chak 3 LC-B, 3 JSD-B & IGNP Stage-I in Khajuwala Assembly chak 5 NGM की अनुमानित लागत क्रमशः 56.69, 142.03, 68.40 लाख है, के कार्य हेतु ऑन-लाईन निविदाएं आमंत्रित की जाती है। निविदा प्रपत्र हेतु आवेदन / डाउनलोड की अवधि दिनांक 19.08.2025 प्रातः 10.00 बजे से दिनांक 04.09.2025 को सायं 06.00 बजे तक होगी। प्राप्त तकनीकी निविदाएं इलैक्ट्रोनिक फोर्मेट में https://eproc.rajasthan.gov.in पर दिनांक 08.09.2025 को प्रातः 11.00 बजे खोली जायेगी। निविदा शर्ते आदि सम्पूर्ण विवरण वेबसाईट www.eproc.rajasthan.gov.in व https://sppp.rajasthan.gov.in एवं https://cad.rajasthan.gov.in डीआईपीआर की वेबसाईट www.dipr.rajasthan.gov.in पर देखी जा सकती है।
1. UBN NO. CDB2526WSO B00120, 2. UBN NO. CDB2526WSOB00121, 3. UBN NO. CDB2526WSOB00122
अधिशाषी अभियन्ता, ओएफडी खण्ड प्रथम, सिंक्षेवि, इंगानप, बीकानेर
मोबाईल-9414603873
DIPR/C/12102/2025

जिला स्वास्थ्य समिति (NHM) बून्दी
कार्यालय मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी बून्दी
क्रमांक-एनएचएम/लेखा/2025/961 दिनांक-19/08/2025
ई-बोली (निविदा)/बोली सूचना 2024-2025
सम्बन्धित इच्छुक निविदादाता सामग्री/सेवा (मेनपावर संवेदक के माध्यम से एवं स्टेशनरी) की आमंत्रित बोली पत्र अनुसार दिनांक तक आवेदन कर सकते है। अधिक जानकारी कार्यालय समय एवं राजकीय वेबसाईट http://sppp.raj.nic.in, http://dipr.rajasthan.gov.in एवं httpp:/Eproc.rajasthan.gov.in में जाकर देखी जा सकती है।

क्र. सं.	सामग्री/व्यवस्था विवरण	अनुमानित लागत	आवेदन करने की अन्तिम दिनांक	एन.आई.बी. नम्बर	यू.बी.एन. नम्बर
1	मैन पॉवर (कुशल उच्च कुशल, अद्धकुंशल, अकुलशल एवं आयुष्मान आरोग्य मंदिर पर स्वीकृत कार्मिक एवं अन्य)	170.00 लाख रूपये	10.09.2025	MHS2526 A2373	MHS2526 SLOB03492
2	स्टेशनरी	5.00 लाख रूपये	10.09.2025	MHS2526 A2374	MHS2526 SLOB03494

(डा. ओम प्रकाश सामर)
सदस्य सचिव जिला स्वास्थ्य समिति व मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी बून्दी
DIPR/C/12176/2025

घर से 50 हजार चोरी

डूंगरपुर, (निसं)। कोतवाली थाना क्षेत्र के इंजीनियर की गली में कांग्रेस के नगर अध्यक्ष लक्ष्मीलाल जैन काका के घर चोरी की वारदात हुई। दिनदहाडे चोर घर के ताले तोडकर 50 हजार का कैश चुरा ले गए। रात को नौकर घर पहुंचा तो ताले टूटे देकर चौंक गया। घटना को लेकर पुलिस चोरों की तलाश कर रही है। इंजीनीयर की गली में नगर कांग्रेस अध्यक्ष लक्ष्मीलाल जैन काका के घर बुधवार को दिनदहाडे चोरी हुई। लक्ष्मीलाल जैन बुधवार को सुबह से अपने कामकाज को लेकर घर से निकल गए थे। जबकि परिवार के लोग दूसरे मकान में रहते है।

जोधपुर-जम्मू एक्सप्रेस से धुआं निकलने पर मची अफरा-तफरी

नोखा । जोधपुर से जम्मू जा रही एक्सप्रेस ट्रेन के दो डिब्बों में बुधवार दोपहर अचानक धुआं उठने से यात्रियों में अफरा-तफरी मच गई। बीकानेर के नोखा आउटर सिग्नल पर ट्रेन रोककर अग्रिशमन यंत्रों से आग पर काबू पाया गया।

ट्रेन को नोखा रेलवे स्टेशन पर ट्रेन लाने के बाद तकनीकी खामी को दुरुस्त किया गया। इस दौरान ट्रेन करीब 30 मिनट तक रुकी रही। इसके बाद ट्रेन को सुरक्षित रवाना किया गया। प्राथमिक जांच में शॉर्ट सर्किट और लेदर बाइंडिंग में तकनीकी खराबी के कारण धुआं निकलना बताया गया। नोखा रेलवे स्टेशन से एक किलोमीटर पहले आउटर सिग्नल पर ट्रेन को तुरंत रोक कर अग्रिशमन यंत्रों की मदद से स्थिति पर काबू पाया गया।

जानकारी के अनुसार, जोधपुर से जम्मू जा रही एक्सप्रेस ट्रेन में अचानक धुआं उठने से यात्रियों में हड़कंप मच गया। सूचना मिलने पर बुधवार सुबह 11:10 बजे पायलट ने नोखा रेलवे स्टेशन से एक किलोमीटर पहले आउटर सिग्नल पर ट्रेन को तुरंत रोक दिया। करीब 15 मिनट में डिब्बों में लगे अग्रिशमन यंत्रों की मदद से स्थिति पर काबू पा लिया गया। इसके बाद ट्रेन को सुरक्षित रूप से नोखा रेलवे स्टेशन लाया गया। नोखा रेलवे स्टेशन पर इंजीनियरिंग कर्मचारियों ने लगभग 15 मिनट में तकनीकी खामी की मरम्मत की। प्राथमिक जांच में शॉर्ट सर्किट और लेदर बाइंडिंग में तकनीकी खराबी के कारण बताया गया। इस दौरान करीब 30 मिनट तक ट्रेन खड़ी रही। इसके बाद सुबह 11:42 बजे ट्रेन को सुरक्षित रूप से जम्मू की ओर रवाना कर दिया गया। अचानक गाड़ी से धुआं उठने लगा। जैसे ही कर्मचारियों की नजर पड़ी तो गाड़ी को तुरंत रुकवाया गया। इसके बाद इंजे अशोक, माधवराम, सवाई मानसिंह, रामचरण, प्रवीण और रामलाल मीणा ने सतर्कता दिखाते हुए बचाव कार्य किया। जांच में पता चला कि ब्रेक जाम हो गए थेगाड़ी संख्या 14803, जो भगत की कोठी से चलकर जम्मू तवी जाती है। नागौर के चीलों स्टेशन से निकलने के बाद चीलों स्टेशन मास्टर ने फोन पर सूचना दी कि गाड़ी से हल्की जलने की स्मेल आ रही है।

किसान ने फंदा लगा की आत्महत्या

डूंगरपुर, (निसं)। रामसागडा थाना क्षेत्र के वांटडा गांव के एक युवक ने घर में ही फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। युवक की मौत से उसके 4 बच्चों के सिर से पिता का साया उठ गया है। पुलिस घटना को लेकर जांच कर रही है। प्राप्त जानकारी के अनुसार रामसागडा थाना पुलिस के अनुसार वाटडा निवासी मयूर बरडा ने रिपोर्ट दी है।

जिसमें बताया कि उनका भतीजा चंदूलाल पुत्र जीवा ने घर में दुपट्टे से फंदा लगा आत्महत्या कर ली।

OFFICE OF THE SUPERINTENDING ENGINEER P.W.D. CIRCLE DAUSA
क्रमांक फा./निविदा/2025-26/2245-61 दिनांक : 13.08.2025
Notice Inviting Bid 06/2025-26
Bids for Nit No 06/2025-26, No. of 2 Roads works are invited from interested bidders upto Date 08.09.2025, Time 06.00 P.M. Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal (http://eproc.rajasthan.gov.in, http://sppp.raj.nic.in) of the state. and-departmental website. The approximate value of the procurement is **Rs. 297.18 Lacs.**
NIB CODE : PWD2526A2676
UBN No. PWD2526WSOB09825
NIB CODE : PWD2526A2679
UBN No. PWD2526WSOB09826
(एम.एल. मीना)
DIPR/C/12109/2025 अधीक्षण अभियंता, सा.नि.वि. वृत्त दौसा

राजस्थान सरकार
कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता मेडिकल एण्ड हैल्थ, खण्ड-चित्तौड़गढ़
सैटेलाईट हॉस्पीटल, कलैक्ट्रेट चौराहा के पास, चित्तौड़गढ़ (राज.)
E-mail:eemedicalchittor@gmail.com, Phone No.: 01472-294714
क्रमांक :- मेडीकल एण्ड हैल्थ, चित्तौड़गढ़/2025-26/483 दिनांक-19/8/2025
ई निविदा सूचना सं. 09/2025-26 MHS2526A2383
राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग खण्ड चित्तौड़गढ़ के अन्तर्गत विद्युत कार्यों हेतु उपयुक्त श्रेणी में सार्वजनिक निर्माण विभाग एवं राज्य सरकार / केन्द्र सरकार के अधिकृत संगठनों / केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग / डाक एवं दूर संचार विभाग / रेल्वे इत्यादि में पंजीकृत संवेदकों, जो कि राजस्थान सरकार में उपयुक्त श्रेणी के संवेदकों के समकक्ष हो, से निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्यूरमेंट निविदायें आमन्त्रित की जाती हैं, निविदा से सम्बन्धित विवरण DIPR की वेब साईट www.dipr.rajasthan.gov.in, http://eproc.rajasthan.gov.in व वेब साईट www.sppp.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है।
नोट :- उपरोक्त वर्णित निविदा में आप द्वारा इस खण्ड कार्यालय के बैंक खाते में जमा करायी जाने वाली धरोहर, निविदा, एवं प्रोसेसिंग राशि संवेदक अपने फर्म के खाते से ही हस्तान्तरित करे। अन्यथा निविदा मान्य नहीं होगी।
UBN - 1. MHS2526WSOB03501, 2. MHS2526WSOB03502, 3. MHS2526WSOB03503
4. MHS2526WSOB03505, 5. MHS2526WSOB03508, 6. MHS2526WSOB03509
7. MHS2526WSOB03510, 8. MHS2526WSOB03512, 9. MHS2526WSOB03514
10. MHS2526WSOB03515, 11. MHS2526WSOB03516, 12. MHS2526WSOB03518
13. MHS2526WSOB03519
(सी.वी. संचेती)
अधिशाषी अभियन्ता, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य, चित्तौड़गढ़ (राज.)
DIPR/C/12203/2025

बालोतरा लूनी नदी में बोलेरो बही, मां और 2 बेटियों की मौत

आठ माह के बच्चे सहित तीन लापता दो गंभीर घायलों का अस्पताल में चल रहा है उपचार

बालोतरा, (निसं)। बालोतरा में लूणी नदी की रपट पर बोलेरो बह गई। हादसे में मां और दो बेटियों की मौत हो गई। आठ माह के बेटे समेत तीन लोग अभी लापता हैं। दो का हॉस्पिटल में इलाज चल रहा है। जेसीबी और क्रेन की मदद से बोलेरो को बाहर निकाला गया। हादसा बुधवार दोपहर करीब एक बजे चतुर्थ रेलवे फाटक के पास जसोल बाइपास पर हुआ।

पुलिस के बताए अनुसार- जोधपुर के शेरगढ के नृसिंहपुरा जाटों का वास निवासी पेमाराम (40) पुत्र सुरताराम परिवार के साथ जसोल मंदिर में दर्शन के लिए निकले थे। गाडी में उनके साथ पत्नी मीरा देवी (32), बेटी उर्मिला (7), पूजा (3) और 8 माह का बेटा, मां कबू देवी (60), एक अन्य व्यक्ति राणीदान सिंह (70) और बोलेरो ड्राइवर देवाराम (55) थे।

हादसे में मीरा देवी, उर्मिला और पूजा की मौत हो गई। ड्राइवर और पेमाराम को गंभीर हालत में राजकीय नाहटा अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पेमाराम का 8 माह का बेटा, मां कबू देवी और राणीदान सिंह अभी भी लापता हैं। प्रशासन मामले की जानकारी मिलने पर मुस्तैदी से जुटा हुआ है रेस्क्यू टीम भी पूरी मुस्तैदी से तलाश ने लगी हुई है। जिला कलेक्टर सुशील कुमार यादव, पुलिस अधीक्षक रमेश ने जानकारी मिलते ही घटना स्थल पर पहुंचे और तुरंत प्रभाव से दिए निर्देश और रेस्क्यू टीम ने मुस्तैदी से राहत कार्य शुरू कर दिया। पूरा प्रशासन घटना स्थल पर पहुंचकर तत्परता से रेस्क्यू कार्य में लगा हुआ है।वही जिला कलेक्टर ने लोगो से अपील भी की है कि मानसून के दौरान रपट पर चल रहे पानी से दूरी बनाए रखें और नदी नालों पर सावधानी बरते। राजस्व अधिकारियों को भी निर्देश दिया है कि रपट पर बहते पानी में आवागमन पर रोक लगाए। जिला कलक्टर सुचिल कुमार यादव के निर्देश जारी किए जाने के बाद राजस्व अधिकारियों ने तुरंत प्रभाव से निर्देशों की पालना करते हुए रपट पर तेज प्रवाह को देखते हुए आवागमन को बंद कर दिया गया।

बालोतरा शहर के जसोल बाईपास पर लूनी नदी में बोलेरो बहने से मां व दो बेटी की मौत हो गई। गाडी को क्रेन की सहायता से बाहर निकाला गया।

- हादसा बुधवार दोपहर करीब एक बजे चतुर्थ रेलवे फाटक के पास जसोल बाइपास पर हुआ।

तैराक गौतम गहलोत उन्होंने कई रेस्क्यू ऑपरेशन में भाग लिया है। उन्होंने अपने साथी तैराकों के साथ मिलकर लूणी नदी में डूबने वाले लोगों को बचाने और शवों को निकालने में मदद की है। गौतम गहलोत के साथ काम करने वाले अन्य तैराकों में शामिल हैं जनक माली,सीताराम,राकेश कुमार,मुकेश कुमार परिहार और उनकी टीम ने हाल ही में एक रेस्क्यू ऑपरेशन में भाग लिया, जहां उन्होंने लूणी नदी में डूबे 8 में से 5 व्यक्ति को बाहर निकाले उसमें 3 मृत निकाले इस ऑपरेशन में प्रशासन की मौजूदगी में कई घंटों तक चल रहे प्रयास के बाद अभी तीन जनों लापता है।

हाइटेंशन लाइन से टकराया एसिड से भरा टैंकर

श्रीगंगानगर । यहां सूरतगढ़ मार्ग से लगते हाकम मारूति गैराज मार्ग पर वार्ड 28 की तिरंगा कॉलोनी में मंगलवार सुबह एसिड से भरा एक टैंकर बिजली की हाइटेंशन लाइन से टकरा गया। टैंकर के खिंचाव से कई खं भे टेढ़े हो गए और एक खंभा टूट गया। एचटी और एलटी लाइनें आपस में टकरा गई, जिससे लाइनों व ट्रांसफार्मर में जबरदस्त स्पार्किंग के साथ ही तेज धमाका हुआ। इससे आसपास के 4-5 घरों में फ्रिज, कूलर, एसी, एलईडी सहित अन्य विद्युत के उपकरण व वायरिंग जल गए। इस पर स्थानीय लोगों में आक्रोश फैल गया।

जोधपुर डिस्कॉम को जानकारी देकर बिजली सप्लाई बंद कराई गई। आक्रोशित लोगों ने टैंकर चालक को पकड़ लिया। सूचना मिलते ही एसिड फैक्ट्री का मालिक भी मौके पर पहुंच गया। लोगों ने उसे भी घेर लिया। लेकिन फैक्ट्री मालिक ने नुकसान की भरपाई का आश्वासन दिया जिस पर मामला शांत हो गया।

टैंकर में एसिड भरा होने के कारण इस दुर्घटना में बड़ा हादसा हो सकता था जो टल गया। जोधपुर डिस्कॉम के जेईएन कृष्ण मुरारी को सूचना मिलते ही उन्होंने तुरंत बिजली आपूर्ति बंद कराई। मौके पर टीम लेकर पहुंचे। एक पोल टूटा पड़ा था, वहीं कुछ तारें भी टूटी हुई थी। नया पोल लगाया गया और तारों को ठीक करवाया गया।

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता, सार्वजनिक निर्माण विभाग, खंड भीनमाल
क्रमांक : अअ/भीन/2025-26/382 दिनांक : 18.8.2025
निविदा सूचना संख्या : 06 वर्ष 2025-2026 NIB No. PWD2526A2697
राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से सड़क कार्य के आधार पर उपयुक्त श्रेणी में सार्वजनिक निर्माण विभाग राजस्थान में पंजीकृत संवेदकों एवं राज्य सरकार/केन्द्र सरकार के अधिकृत संगठनों/केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग/डाक एवं दूरसंचार विभाग/रेल्वे इत्यादि में पंजीकृत संवेदकों, जो कि राजस्थान सरकार के उपयुक्त श्रेणी के संवेदकों के समकक्ष हो, से निर्धारित प्रपत्र में कार्य जिनकी लागत राशि रु. 502.09 लाख है के लिए ईटेण्डरिंग प्रक्रिया हेतु ऑनलाइन निविदायें आमंत्रित की जाती है।

ऑनलाईन निविदा आवेदन डाउनलोड एवं अपलोड करने की तारीख	:	20 अगस्त 2025, 9.30 से 08 सितंबर 2025, सायं 06.00 बजे तक

निविदा से संबंधित विवरण वेब साईट http://dipr.rajasthan.gov.in व http://sppp.rajasthan.gov.in व http://eproc.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है। सम्पूर्ण निविदा प्रक्रिया http://eproc.rajasthan.gov.in पर ऑनलाईन सम्पादित की जायेगी। इच्छुक संवेदकों को अपने डिजिटल हस्ताक्षर के माध्यम से वेबसाईट पर http://eproc.rajasthan.gov.in पर रजिस्टर्ड करवाना आवश्यक है। कार्यवार यू.बी.एन. संख्या निम्नानुसार है।
1. UBN No. PWD2526WSOB09983 2. UBN No. PWD2526WSOB09984
3. UBN No. PWD2526WSOB09985 4. UBN No. PWD2526WSOB09986
4. UBN No. PWD2526WSOB09987 6. UBN No. PWD2526WSOB09988
(ओम प्रकाश)
DIPR/C/12081/2025 अधिशाषी अभियंता, सा.नि.वि. खंड भीनमाल

''गणपति बप्पा मोरिया...'' के जयकारों से गूंजी छोटीकाशी

विघ्नहर्ता गणेशजी के दर्शनों को उमड़े हजारों श्रद्धालु, कतारों में लगकर किया इंतजार

जयपुर (कासं)। गणेश चतुर्थी पर छोटीकाशी गणेशमय हो उठी। हर ओर गणपति बप्पा मोरिया...जय गणेश का जयघोष सुनाई दिया। गणेश मंदिरों में भगवान गणपति का जन्मोत्सव भक्ति भाव के साथ मनाया ही गया।

मोती डूंगरी गणेश मंदिर से लेकर, परकोटा गणेश मंदिर, नहर के गणेश और गढ़ गणेश मंदिर सहित अन्य गणेश मंदिरों में हजारों की संख्या

- **घर-घर में हुई प्रथम पूज्य विनायक की पूजा, लड्डु, मोदक और गुड़धानी का भोग लगाया**

में भक्त पहुंचे और रिद्धि-सिद्धि के दाता के दर्शन किए। घर-घर में भी लंबोदर का पूजन हुआ। घर-घर में विघ्नहर्ता का भक्ति भाव से पूजन किया गया। घर के द्वार पर विराजित द्वारपाल गणेश का जल, पंचामृत से अभिषेक कर सिंदूरी चोला धारण गया । डंका अर्पित कर लड्डु-गुड़धानी का भोग लगाया गया। परिवार के सभी लोगों ने आरती उतारी। गणेश चतुर्थी पर अनेक शुभ योग बनने से गणेशोत्सव के प्रति लोगों को उत्साह साफ दिख रहा था।

गणेश चतुर्थी के मौके पर लगभग सभी बाजारों में भारी रौनक रही। लंबे समय से शुभ मुहूर्त का इंतजार कर रहे लोगों ने बुधवार को वाहन, इलेक्ट्रॉनिक सामान, शादी-सगाई के लिए ज्वेलरी खरीदी। लोगों ने फ्लैट और प्लॉट भी खरीदे। ज्यादा से ज्यादा बिक्री के लिए कंपनियों ने आकर्षक ऑफर भी दिए।

छोटीकाशी के सभी गणेश मंदिरों में सुबह से देर रात तक लाखों श्रद्धालुओं ने प्रथम पूज्य के दर्शन किए। मोती डूंगरी गणेश मंदिर में सर्वाधिक संख्या में श्रद्धालु दर्शन करने पहुंचे। मंदिर महंत कैलाश शर्मा ने बताया कि स्वर्ण मुकुट और पारंपरिक नौलखा श्रृंगार से अलंकृत गणेश जी के दर्शन के लिए श्रद्धालुओं में भारी उत्साह दिखा। सुबह चार बजे जैसे ही मंगला झांकी के लिए मंदिर के पट खुले तो हजारों की संख्या में उपस्थित श्रद्धालुओं ने गणपति बप्पा से जयघोष से मंदिर गुंजायमान कर दिया।

गणेश चतुर्थी पर्व पर मंदिरों में भगवान गजाजन की पूजा-अर्चना और अभिषेक किया गया। मोतीडूंगरी स्थित गणेश मंदिर में प्रथम पूज्य विनायक के दर्शनों के लिए भारी भीड़ उमड़ी। लोगों ने कतार में लगकर अपनी बारी का इंतजार किया।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने मोती डूंगरी गणेश मंदिर में दर्शन किए

भगवान श्री गणेश सुख और समृद्धि के दाता : भजनलाल शर्मा

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने बुधवार को गणेश चतुर्थी के अवसर पर जयपुर स्थित मोती डूंगरी गणेश मंदिर में सपत्नीक दर्शन किए।

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने बुधवार को गणेश चतुर्थी के अवसर पर जयपुर स्थित मोती डूंगरी गणेश मंदिर में सपत्नीक दर्शन किए। इस दौरान उन्होंने विधिवत पूजा-अर्चना करते हुए प्रदेश की खुशहाली और समृद्धि के लिए कामना की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने सभी प्रदेशवासियों को गणेश चतुर्थी के पर्व की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि भगवान श्री गणेश सुख और समृद्धि के दाता हैं। प्रदेश में इस बार अच्छी बारिश हो रही है तथा हमारा प्रदेश हरियालो राजस्थान की ओर आगे बढ रहा है। साथ ही, किसान, महिला, युवा और गरीब के विकास से विकसित राजस्थान के संकल्प को गति मिल रही है। उन्होंने कहा कि पूरे प्रदेश में हर्षोल्लास से गणेश चतुर्थी का उत्सव मनाया जाता है। शर्मा ने कामना की है कि विघ्नहर्ता-मंगलकर्ता भगवान श्री गणेश जी की कृपा से सभी प्रदेशवासियों के जीवन में खुशहाली और सुख समृद्धि आए। इस दौरान ग्रेटर महापौर सौम्या गुर्जर सहित बड़ी संख्या में भक्तगण उपस्थित रहे।

चित्तौड़गढ़ सांसद सी.पी. जोशी मिले मुख्यमंत्री से

जयपुर (कासं)। चित्तौड़गढ़ जिले में एक दर्दनाक घटना सामने आई है, जहाँ गूगल मैप के मार्गदर्शन के कारण वाहन बनास नदी की टूटी हुई पुलिया में बह गया। इस हृदयविदारक हादसे में एक ही परिवार के लोगों की असमय मृत्यु हो गई। सांसद सी.पी. जोशी ने इस घटना की जानकारी मिलते ही संवेदनशीलता दिखाते हुए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा से उनके जयपुर स्थित निवास पर मिले और पूरी घटना से अवगत कराया। मामले की गंभीरता को समझते हुए मुख्यमंत्री ने प्रशासन से बात कर तत्काल पीड़ित परिवार को हर संभव शीघ्र राहत पहुँचाने के निर्देश दिए। सांसद जोशी ने हादसे को बेहद दुखद बताते हुए कहा कि एक ही परिवार के सदस्यों का इस तरह अकाल निधन होना बड़ी क्षति है, जिसकी भरपाई संभव नहीं है। उन्होंने पीड़ित परिवार के प्रति गहरी संवेदना प्रकट की और आश्वासन दिया कि प्रशासन द्वारा त्वरित राहत उपलब्ध कराई जाएगी। इससे पूर्व सांसद सीपी जोशी ने जिले के जिला कलेक्टर और स्थानीय प्रशासन से तत्काल वार्ता कर पीड़ित परिवार को हर संभव शीघ्र राहत पहुँचाने के निर्देश दिए। साथ ही लापता बच्ची को भी शीघ्र ढूंढने के लिए एनडीआरएफ की टीम से भी बात की। स्थानीय विधायक अर्जुनलाल जीनगर ने भी मौके पर पहुंच कर जायजा लिया और मदद का आश्वासन दिया।

डॉ. राजेश व्यास को आचार्य रामचन्द्र शुक्ल पुरस्कार मिला

देशभर में चर्चित रही कृति कलाओं की अंतर्दृष्टि पुस्तक पर भोपाल में मिला सम्मान

डॉ. राजेश कुमार व्यास

जयपुर (कासं)। मध्यप्रदेश साहित्य अकादमी द्वारा आलोचना के क्षेत्र में प्रदत्त किया जाने वाला अखिल भारतीय आचार्य रामचन्द्र शुक्ल पुरस्कार भोपाल में आयोजित विशेष समारोह में सुप्रसिद्ध संस्कृतिकर्मी, कवि, आलोचक और निबंधकार तथा राजभवन मे अतिरिक्त निदेशक डॉ. राजेश कुमार व्यास को प्रदान किया गया। वर्ष 2023 के लिए घोषित यह पुरस्कार डॉ. व्यास को उनकी देशभर में चर्चित रही कृति कलाओं की अंतर्दृष्टि पर प्रदान किया गया। साहित्य अकादेमी के सर्वोच्च सम्मान, राजस्थानी भाषा साहित्य एवं संस्कृति अकादेमी के सर्वोच्च सूर्यमल शिखर सम्मान, भारत सरकार के प्रतिष्ठित राहुल सांकृत्यायन, भाषा एवं पुस्तकालय विभाग द्वारा हिन्दी सेवी आदि बहुत से पुरस्कारों से सम्मानित डॉ. व्यास की 25 मौलिक कृतियां प्रकाशित हैं।

डॉ. व्यास की पुरस्कृत कलाओं की अंतर्दृष्टि पुस्तक भारतीय संस्कृति और कलाओं के अनछुए पहलुओं में साहित्य, संगीत, नृत्य, नाट्यय, चित्रकला आदि की भारतीय दृष्टि के आंतरिक संसार से परिचय कराती है। कला-संस्कृति की हमारी दृष्टि पर विदेशी प्रभाव के कारण प्राय: पश्चिम के सिद्धान्तों, अवधारणाओं में ही भारतीय संस्कृति और कलाएं समझी और परखी जाती रही है। यह पुस्तक इस दृष्टि से महत्वपूर्ण है कि इसमें भारतीय संस्कृति की अंतर्दृष्टि पर मौलिक चिंतन और मनन के साथ गहन विश्लेषण है। भारतीय संस्कृति के सूक्ष्म तत्वों में ले जाते हुए लेखक ने पुस्तक में भरतमुनि के नाट्यशास्त्र, विष्णुधर्मोत्तर पुराण, शुक्रनीति आदि के महत्वपूर्ण संदर्भ दिए है। इसमें कला-संस्कृति के अन्त: संबंधों की विचार विरासत पर लेखक की मौलिक स्थापनाएं हैं।

अतिवृष्टि प्रभावित क्षेत्रों में राहत और बचाव कार्य व्यापक स्तर पर जारी

जयपुर (कासं)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के निर्देशानुसार प्रदेश में अतिवृष्टि प्रभावित क्षेत्रों में राहत एवं बचाव कार्य व्यापक स्तर पर जारी हैं। विभिन्न क्षेत्रों में एनडीआरएफ, एसडीआरएफ एवं सिविल डिफेंस की टीमों द्वारा भारी बारिश से प्रभावित क्षेत्रों से 792 व्यक्तियों का सकुशल रेस्क्यू किया गया है।

एसडीआरफ नियमों के अनुसार अतिवृष्टि के दौरान डूबने, बहने तथा आकाशीय बिजली के गिरने से मृत्यु होने पर मृतक के आश्रितों को 4 लाख रूपये की राशि दी जा रही है। प्रदेशभर में अतिवृष्टि प्रभावित क्षेत्रों में एसडीआरफ की 57 और एनडीआरएफ की 7 टीमें 24 7 बचाव एवं राहत कार्यों में लगी हुई हैं। वहीं, सिविल डिफेंस की टीमें भी निरन्तर रूप से कार्य कर रही है। प्रभावित क्षेत्रों से लोगों को एयरलिफ्ट करने के लिए भारतीय वायु सेना का हेलिकॉप्टर भी नियोजित किया गया है।

इसी तरह, प्रभावित लोगों को राहत शिविरों के माध्यम से आश्रय प्रदान किया जा रहा है तथा प्रभावित क्षेत्रों में क्षितग्रस्त मकानों एवं सार्वजनिक भवनों का सर्वे भी करवाया जा रहा है। उल्लेखनीय है कि इस मानसून के दौरान अब तक (26 अगस्त) कुल 528.60 एमएम वर्षा दर्ज हुई है जो कि सामान्य वर्षा 344.74 एमएम से 53.33 प्रतिशत अधिक है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा अतिवृष्टि से प्रभावित क्षेत्रों की लगातार मॉनिटरिंग कर रहे हैं। उन्होंने प्रशासनिक अधिकारियों को विशेष सतर्कता बरतने व एनडीआरएफ, एसडीआरफ तथा पुलिस प्रशासन को मुस्तैद रहने के निर्देश दिए हैं।

- **मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के निर्देशानुसार प्रभावितों को दी जा रही है सहायता**
- **मानसून के दौरान अब तक 792 व्यक्तियों का किया गया सकुशल रेस्क्यू**

बंगाली बाबा मंदिर में गणेशोत्सव की धूम

जयपुर। दिल्ली रोड स्थित बंगाली बाबा आत्माराम ब्रह्मचारी गणेश मंदिर में बुधवार को गणेश चतुर्थी का पर्व धूमधाम से मनाया गया। इस मौके पर जहां प्रथम पूज्य का श्रृंगार भक्तों के बीच आकर्षण का केन्द्र रहा,वहीं ख्यातिप्राप्त भजन कलाकारों ने प्रथम पूज्य को रिझाया। इस दौरान गणेश भगवान के दर्शनार्थ भक्तों का तांता लगा रहा।

मंदिर प्रबंध समिति के अध्यक्ष नारायण लाल अग्रवाल व उपाध्यक्ष व संयोजक संजय पतंगवाला ने बताया कि गणेश चतुर्थी के तहत होने वाले कार्यक्रमों का सिलसिला सुबह से ही शुरू हो गया था। सर्वप्रथम मंत्रोच्चारण के बीच प्रथम पूज्य का मोदक अर्पित किए गए। इसके बाद विधि विधान से पूजा अर्चना की गई। इसके बाद प्रथम पूज्य के समक्ष लड्डुओं की झांकी सजाई गई। इस दौरान मंदिर में आने वाले भक्तों को प्रसादी भी वितरित की गई।

महामंत्री गजेन्द्र लूणीवाल ने बताया कि महोत्सव के तहत प्रथम पूज्य का फूल बंगले में विराजमान किया जो भक्तों के बीच आकर्षण का केन्द्र रहा।सुबह से देर रात तक आसपास के भक्त प्रथम पूज्य के दर्शनों के लिए आते रहे। इस दिन शाम को भजन संध्या का आयोजन हुआ।

महात्मा गांधी विद्यालयों के सरप्लस शिक्षकों को अन्य स्कूल में पदस्थापित करने पर रोक

जयपुर (कासं)। राजस्थान सिविल सेवा अपीलीय अधिकरण ने महात्मा गांधी राजकीय विद्यालयों में अंग्रेजी माध्यम से चयनित शिक्षकों के पदस्थापन के चलते पहले से कार्यरत शिक्षकों को सरप्लस घोषित कर अन्य राजकीय विद्यालयों में पदस्थापित करने वाले आदेशों की क्रियान्विति पर रोक लगा दी है। इसके साथ ही अधिकरण ने अपीलार्थियों को उनके समायोजन से पूर्व के स्कूल में ही कार्यग्रहण करवाने का निर्देश दिया है। अधिकरण ने यह आदेश रुपेश भट्ट, यशेष शर्मा व अन्य की अपील पर दिए।

अपील में अधिवक्ता एसके सिंगोदिया ने बताया कि कुछ अपीलार्थियों का प्रारम्भिक शिक्षा से माध्यमिक शिक्षा में सेटअप परिवर्तन भी नहीं हुआ, लेकिन फिर भी उन्हें माध्यमिक शिक्षा के विद्यालयों में नियम विरुद्ध पदस्थापित किया है। वहीं कुछ शिक्षकों को उनके कार्यरत ब्लॉक में पद खाली होने के बावजूद भी दूर जगहों पर भेजा है। जबकि विभाग के दिशा निर्देशों के अनुसार उन्हें उसी ब्लॉक में पदस्थापित किया जाना चाहिए था। इसके अलावा विभाग के निर्देश के अनुसार जो विद्यालय क्रमोन्नत हुए हैं और उनमें प्रारम्भिक शिक्षा के कार्मिक थे, उनका समायोजन माध्यमिक शिक्षा में नहीं कर प्रारम्भिक शिक्षा में ही होना है।

इसके अलावा अपीलार्थियों की आपत्तियों का निस्तारण भी नहीं हो पाया है और इसकी तारीख भी विभाग ने बढाई है। ऐसे में उन्हें अन्य राजकीय स्कूलों में पदस्थापित करने वाले आदेशों की क्रियांविति पर रोक लगाई जाए। जिस पर सुनवाई करते हुए अधिकरण ने अपीलार्थियों को अन्य स्कूल में पदस्थापित करने पर रोक लगा दी है।

- **अधिकरण ने अपीलार्थियों को उनके समायोजन से पूर्व के स्कूल में ही कार्यग्रहण करवाने का निर्देश दिया है।**

'अखाद्य तेल की कीमतों में आ रहे उछाल से 10 रु. किलो तक महंगा हो सकता है साबुन'

जयपुर। तेल की अंतरराष्ट्रीय और घरेलू कीमतों में अचानक आई तेजी से उपभोक्ताओं पर महंगाई का नया बोझ पड़ने वाला है। बीते कुछ दिनों में अखाद्य (औद्योगिक उपयोग के) तेल की कीमतों में औसतन 20 से 25 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। इससे न केवल घर का बजट बिगड़ेगा, बल्कि रोज़मर्रा के उपभोग वाले उत्पादों की लागत पर भी सीधा असर पडेगा।

इस विषय में ओसवाल सोप ग्रुप के निदेशक अजय जैन का मानना है कि तेल से जुड़े उद्योग जैसे साबुन, डिटर्जेंट, कॉस्मेटिक्स उत्पादों की उत्पादन लागत बढ़ने से बाजार में इनके दाम 10 प्रतिशत से अधिक बढ़ सकते हैं। पहले से ही महंगाई से जूझ रहे उपभोक्ताओं को आने वाले समय में जरूरी सामान और महंगे होने की संभावना है।

जैन ने कहा कि नेपाल से आयातित तैयार माल ड्यूटी फ्री होने की वजह से और यहां की मिलों में उत्पादन लगत अधिक होने से माल महंगा बैठ रहा है । ये स्थिति सरकार की इम्पोर्ट एवं एक्सपोर्ट टैक्स की विसंगति की वजह से उत्पन्न हो रही है। जैन ने बताया कि अगर यह स्थिति लंबे समय तक जारी रही तो देश के और अधिक परिवार प्रभावित होंगे। विशेष रूप से निचले आय वर्ग के लोग सबसे ज्यादा दबाव में आएंगे। इससे न केवल उपभोक्ताओं की क्रय क्षमता घटेगी, बल्कि भारत की समग्र अर्थ व्यवस्था पर भी असर पडेगा। वहीं कच्चे तेल व आयात लागत पर नियंत्रण नहीं हुआ तो आने वाले महीनों में महंगाई दर भी और अधिक बढ सकती है। सरकार और उद्योग जगत से उम्मीद की जा रही है कि उपभोक्ताओं पर बोझ कम करने के लिए जरूरी कदम उठाए जाएँ।

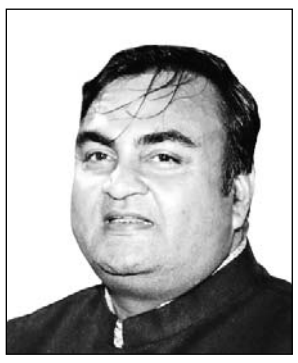

ओसवाल सोप ग्रुप निदेशक अजय जैन

- **ओसवाल ग्रुप के निदेशक अजय जैन ने कहा कि ''इंपोर्ट-एक्सपोर्ट टैक्स में असंगति भी इस महंगाई के लिए जिम्मेदार है।''**

2000 से अधिक महिलाओं को मिला आत्मरक्षा प्रशिक्षण

जयपुर। राजस्थान पुलिस विभाग और राजस्थान ग्रामीण आजीविका विकास परिषद (राजीविका) के संयुक्त सहयोग से एक दिवसीय आत्मरक्षा प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें बड़ी संख्या में स्वयं सहायता समूह (एसएचजी) की महिलाएँ और सुरक्षा सखियाँ शामिल हुई।

इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य महिलाओं को उनके कानूनी अधिकारों के प्रति जागरूक करना और उन्हें अपनी सुरक्षा के लिए सक्षम बनाना हैं।

प्रशिक्षण में महिलाओं को रोजमर्रा की जिंदगी में उत्पन्न होने वाली चुनौतियों जैसे अवांछित स्पर्श, और उत्पीडन से बचाव के लिए आवश्यक तकनीकें सिखाई गईं। प्रशिक्षकों ने न केवल सैद्धांतिक जानकारी दी बल्कि व्यावहारिक अभ्यास भी कराया। कई प्रतिभागियों ने मंच पर आकर इन तकनीकों को आज़माया और आत्मरक्षा के महत्व को प्रत्यक्ष रूप से अनुभव किया।

प्रशिक्षण के दौरान जयपुर पुलिस द्वारा राजकॉप ऐप का परिचय कराया गया। इस ऐप को महिलाओं के लिए 247 सुरक्षा कवच के रूप में प्रस्तुत किया गया। मंच पर एक प्रतिभागी महिला को बुलाकर लाइव डेमो कराया गया, जिसमें नीड हेल्प बटन दबाते ही कुछ ही मिनटों में पुलिस सहायता केंद्र से कॉल रिस्पॉन्स प्राप्त हुआ। इस सफल प्रदर्शन ने उपस्थित महिलाओं में आत्मविश्वास जगाया और सभी प्रतिभागियों ने ऐप डाउनलोड किया।

पुलिस विभाग के प्रतिनिधियों ने महिला एवं बाल संरक्षण से जुड़े कानूनों की जानकारी साझा की। वक्ताओं ने बताया कि महिलाओं की सुरक्षा केवल कानूनी ढांचे तक सीमित नहीं है बल्कि सामुदायिक जागरूकता और महिला सशक्तिकरण से भी जुडी हुई है।

'आगामी रबी सीजन में किसानों को मिले व्यवधान रहित बिजली'

ऊर्जा मंत्री ने की विद्युत वितरण निगमों की समीक्षा

ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर ने बुधवार को प्रदेश के विद्युत वितरण निगमों की बैठक ली।

जयपुर। ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर ने प्रदेश के विद्युत वितरण निगमों को आगामी रबी सीजन में किसानों को व्यवधान रहित बिजली आपूर्ति का अभी से समुचित प्रबंध करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इसके लिए समय रहते विद्युत तंत्र को सुदृढ़ करने के सभी उपाय सुनिश्चित किए जाएं।

नागर बुधवार को विद्युत भवन में वीडियो कांफ्रेंस के जरिए जयपुर, जोधपुर एवं अजमेर विद्युत वितरण निगमों की समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने डिस्कॉम्स के प्रबंध निदेशकों को बिजली की छीजत कम करने की कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए। श्री नागर ने कहा कि डिस्कॉम्स अधिक डिस्ट्रिब्यूशन लॉसेज वाले क्षेत्र चिन्हित कर उसे कम करने के प्रभावी उपाय अमल में लाएं और इसकी गहन मॉनीटरिंग करें। हाई लॉस वाले फीडरों में विद्युत तंत्र को सुदृढ़ करने के साथ ही डिफेक्टिव मीटर बदलने, अवैध ट्रांसफॉर्मर जब्त करने सहित विजिलेंस गतिविधियों को भी बढ़ाने के निर्देश दिए। नागर ने कहा कि छीजत कम करने के लक्ष्यों की प्राप्ति में लापरवाही बरतने वाले अभियंताओं के खिलाफ कार्यवाही करें।

ऊर्जा मंत्री ने कहा कि आमजन की नजर में डिस्कॉम्स की छवि बेहतर बनाने के लिए जरूरी है कि बिजली की व्यवधान रहित आपूर्ति सुनिश्चित करने के साथ ही आवेदकों को सुगमता से विद्युत कनेक्शन जारी किए जाएं और नो करेंट की स्थिति में एफआरटी की बेहतर सेवाएं मिलें। उन्होंने एक माह से पुरानी विद्युत कनेक्शनों की पेंडेंसी को खत्म करने के निर्देश दिए और कहा कि जो कार्मिक बेवजह कनेक्शन जारी करने में देरी करते हैं,उनके खिलाफ अनुशासनात्मक कार्यवाही की जाए। नागर ने कहा कि एफआरटी कार्मिकों की बॉयोमैट्रिक उपस्थिति सुनिश्चित की जाए। उन्होंने एफआरटी सेवा के बेहतर संचालन के लिए नियमित रूप से एफआरटी वाहनों के निरीक्षण, जीपीएस से वाहनों की ट्रैकिंग आदि के भी निर्देश दिए।

ऊर्जा मंत्री ने इस दौरान आरडीएसएस योजना के तहत तीनों डिस्कॉम में किए जा रहे कार्यों, डिफेक्टिव मीटर बदलने सहित अन्य गतिविधियों की भी समीक्षा की।

बैठक के दौरान ऊर्जा विभाग के प्रमुख शासन सचिव अजिताभ शर्मा ने निर्देश दिए कि वितरण निगम अन्य राज्यों की बेस्ट प्रेक्टिसेज का अध्ययन कर लॉसेज में कमी लाएं और यह सुनिश्चित करें कि उपभोक्ताओं को बिजली बेहतर मिले। चेयरमैन डिस्कॉम्स आरती डोगरा ने तीनों डिस्कॉम्स की ओर से प्रस्तुतीकरण दिया। उन्होंने बताया कि इस वर्ष जुलाई माह में तीनों डिस्कॉम्स ने बीते 4 वर्ष का सर्वाधिक राजस्व अर्जित किया है। जयपुर डिस्कॉम के 8 सर्किलों ने विशेष प्रयास कर डिफेक्टिव मीटर की संख्या शून्य कर दी है। उन्होंने बताया कि इस वित्तीय वर्ष में जुलाई माह तक तीनों निगमों में 1 लाख 99 घरेलू विद्युत कनेक्शन जारी किए गए हैं। जोधपुर डिस्कॉम के प्रबंध निदेशक डॉ. भंवरलाल तथा अजमेर डिस्कॉम के प्रबंध निदेशक केपी वर्मा ने भी प्रगति से अवगत कराया।

- **जुलाई में डिस्कॉम्स ने अर्जित किया 4 साल का सर्वाधिक राजस्व : डोगरा**

महिला सफाई कर्मचारी के पति का कैंसर ऑपरेशन आर.जी.एच.एस. के तहत कैशलेस कराने के आदेश

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने अलवर में कार्यरत महिला सफाई कर्मी को राहत देते हुए उसके कैंसरग्रस्त पति का ऑपरेशन आर.जी.एच.एस. योजना के तहत कैशलेस कराने के आदेश दिए हैं। जस्टिस आनंद शर्मा की एकलपीठ ने यह अंतरिम आदेश रेखा की ओर से दायर याचिका पर प्रारंभिक सुनवाई करते हुए दिए। अदालत ने कहा है कि मामले की तात्कालिकता को देखते हुए यह आदेश दिए जा रहे हैं। यह आदेश उसी सूरत में लागू होगा, जब याचिकाकर्ता यह शपथ पत्र देगी कि यदि याचिका खारिज होती है तो वह इलाज में हुए सभी खर्च के लिए जिम्मेदार होगी। याचिका में अधिवक्ता डॉ. अभिनव शर्मा ने बताया कि याचिकाकर्ता अलवर नगर निगम में सफाई कर्मचारी के तौर पर कार्यरत है। वह राजस्थान सरकार स्वास्थ्य योजना यानि आरजीएचएस की लाभार्थी है। योजना के तहत उसके वेतन से स्वत ही संबंधित राशि की कटौती होती है। विभाग ने उसके खाते से आरजीएचएस से जुड़ी राशि काट ली, लेकिन प्रक्रिया में त्रुटि के चलते वह सक्षम अधिकारी तक नहीं पहुंची। याचिका में कहा गया कि उसका पति कैंसर से पीडित है और निकट भविष्य में उसका ऑपरेशन होना है। आरजीएचएस की कैशलेस सुविधा नहीं मिलने के कारण उसके पति के इलाज में बाधा उत्पन्न हो रही है। इसलिए राज्य सरकार को निर्देश दिए जाए कि वह उसके पति का आरजीएचएस के तहत कैशलेस इलाज कराना सुनिश्चित करे। इसके जवाब में राज्य सरकार की ओर से कहा गया कि प्रीमियम जमा होने के बाद कार्ड को सक्रिय होने में तीन माह का समय लगता है। यह अवधि पूरी नहीं होने के कारण याचिकाकर्ता को कैशलेस की सुविधा नहीं दी जा सकती। दोनों पक्षों की बहस सुनने के बाद अदालत ने राज्य सरकार को कैशलेस इलाज कराने के निर्देश देते हुए याचिकाकर्ता को शपथ पत्र पेश करने को कहा है।

- **अदालत ने कहा है कि मामले की तात्कालिकता को देखते हुए यह आदेश दिए जा रहे हैं। यह आदेश उसी सूरत में लागू होगा, जब याचिकाकर्ता यह शपथ पत्र देगी कि यदि याचिका खारिज होती है तो वह इलाज में हुए सभी खर्च के लिए जिम्मेदार होगी।**

सरकार देगी 298 करोड़ रु.अनुदान

जयपुर। किसानों को आर्थिक संबल देने के साथ ही कृषि गतिविधियों का प्रोत्साहित करने के लिए राज्य सरकार कृत-संकल्पित होकर कार्य कर रही है। इसी क्रम में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने राजस्थान कृषि प्रसंस्करण, कृषि व्यवसाय एवं कृषि निर्यात प्रोत्साहन नीति - 2019 के तहत लम्बित प्रकरणों को निस्तारित करते हुए 298 करोड़ रुपए की वित्तीय स्वीकृति प्रदान की है।

मुख्यमंत्री के इस निर्णय से प्रदेश की लगभग 855 कृषि प्रसंस्करण ईकाइयों को पूंजी निवेश, ब्याज, सौर ऊर्जा संयंत्र और विद्युत प्रभार अनुदान के साथ ही भाड़ा अनुदान दिया जाएगा। इस राशि का सम्पूर्ण भुगतान कृषक कल्याण कोष से राज किसान पोर्टल और आरपीपी के माध्यम से किया जाएगा।

शोभायात्रा में 'गणपति बाप्पा मोरिया' के गूंजे जयकारे

जालोर, (कासं)। जालोर जिले में गणेश चतुर्थी का पर्व हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। वही शोभायात्रा में गणपति बाप्पा मोरिया के जयकारे फिंजा भी गुंजयमान हो उठी।

जालोर में गणेश चतुर्थी पर्व को लेकर भगवान गणेश के भक्तो में उत्साह नजर आयीं शहर के तिलकद्वार के अंदर स्थित भैरुनाथ अखाडे से शोभायात्रा निकाली गई। शोभयात्रा में सबसे आगे भगवा ध्वजा लहरता चल रहा था, वही उसके पीछे भक्तिमय स्वर लहरियों के बीच भक्त गणपति बाप्पा मोरिया के जयकारे के साथ चल रहे थे। वही शोभायात्रा में विभिन्न रथो में विराजे साधु संतो ने भक्तो को आशीर्वाद दिया। वही टेक्टरो में गणपति प्रतिमा के साथ पुरा माहौल भक्तिमय नजर आया। भक्तो ने तलवारबाजी सहित कई हैरत अंगेज करतब दिखाये। शोभायात्रा शहर के विभिन्न मार्गो से होती हुई पुन गतंव्य स्थान पर पहुंची।

जालोर शहर में गणेश चतुर्थी पर शोभायात्रा निकाली। फोटो-राष्ट्रदूत

सनातन महोत्सव समिति संयोजक अम्बालाल व्यास ने बताया कि तिलक द्वार स्थित रामदेवजी मन्दिर पर भगवान गजानन्दजी को साधु सन्तों द्वारा दीप प्रज्जवलित कर शोभायात्रा की शुरुआत की गई। शोभायात्रा इस बार तिलक द्वार से गांधी चौक पहुंची। जहां गणपति मन्दिर प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव समिति द्वारा गुलाब के फूलों से पुष्प वर्षा की गई आगे पूरा मौहल्ला, सूरजपोल, भगतसिंह स्टेडियम, राजेन्द्र नगर, अस्पताल चौराया, हरिदेव जोशी सर्किल, पंचायत समिति, बडी पोल, घांचियों की पिलानी से होते हुए तिलक द्वार स्थित भारत माता चौक पहुंची। समिति सचिव बनवारीलाल शर्मा ने जानकारी देते हुए बताया कि शोभायात्रा में शहर के विभिन्न झांकियों सहित शामिल कुल 5 रथ, 16 ट्रैक्टर, बैंड बाजा, नासिक ढोल, घोडे व डीजे पर नाचती महिलाएं व युवाओ ने शोभायात्रा को मनमोहक बना दिया। शोभायात्रा का मार्ग में विभिन्न समाजों, सामाजिक संगठनो, समाजसेवियों, व्यापारियों द्वारा पुष्प वर्षा, जलपान व फलाहार की व्यवस्था की गई। साथ ही पूरे मार्ग में सब्जी मंडी व्यापारी संगठन द्वारा ट्रैक्टर पर फलाहार की व्यवस्था रही। शोभायात्रा का विसर्जन तिलक द्वार स्थित रामदेवजी मन्दिर में साधु महात्माओं द्वारा भगवान गणपति महाराज की महाआरती के साथ दी जनरल कर्मचारी एसोसिएशन द्वारा लड्डुओं का प्रसाद वितरण किया गया तथा सभी कार्यकर्ताओं के लिये चाय व जल की व्यवस्था की गई। शहर के सरावास गणेश मंदिर, गणपति मंदिर, तिलकद्वार बडी पोल सूरज पोल सहित अन्य गणेश मंदिरो को आकर्षक रोशनी से सजाया गया। वही रात्रि को भक्तो ने पूजा अर्चना कर सुख समृद्वि एवं खुशहाली की कामना की।

कांग्रेसा नेताओं को निमंत्रण

पाली, (नि.सं.)। अखिल भारतीय कांग्रेस महासचिव सांसद एवं प्रभारी राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी सुखविंदर सिंह रंधावा के जोधपुर आगमन पर प्रदेश कांठोस सेवादल उपाध्यक्ष एवं जॉन प्रभारी मोहन हटेला, पाली जिला कांग्रेस सेवादल अध्यक्ष प्रकाश चौधरी ने मुलाकात कर पाली आने का निमंत्रण दिया।

सेवादल जिलाध्यक्ष प्रकाश चौधरी ने बताया की अखिल भारतीय कांग्रेस सेवादल के राष्ट्रीय अध्यक्ष लालजी देसाई, राजस्थान प्रदेश कांग्रेस सेवादल अध्यक्ष हेम सिंह शेखावत के निर्देशानुसार पाली जिला कांग्रेस सेवादल का श्री सोनाणा खेतलाजी देसूरी में संगठन सर्जन आवासीय प्रशिक्षण शिविर 13 सितम्बर को सुबह 8 बजे से शुरुआत होगी समापन 15 सितंबर को होगा जिसमें जिले के समस्त ब्लॉकों से 500 सेवादल कार्यकर्ता हिस्सा लेंगे। चौधरी ने बताया कि इस कार्यक्रम में पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, सेवादल राष्ट्रीय अध्यक्ष लालजी देसाई, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा, अखिल भारतीय कांग्रेस महासचिव सचिन पायलट,नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली, प्रदेश सेवादल अध्यक्ष हेम सिंह शेखावत, पूर्व सांसद बद्रीराम जाखड़, संगीता बेनीवाल, राज्य सभा सांसद नीरज डांगी सहित कई जनों को आमंत्रित किया गया।

मनोहर राणा ने भील समाज के लोगों से मुलाकात की

भाजपा एस.टी. मोर्चा के जिला महामंत्री मनोहर राणा ने बाड़मेर प्रवास के दौरान भील समाज के लोगों को सरकारी योजनाओं की जानकारी दी। फोटो-राष्ट्रदूत

जालोर, (कासं)। भाजपा एस.टी. मोर्चा के जिला महामंत्री मनोहर राणा ने बुधवार को बाड़मेर प्रवास के दौरान भील समाज के लोगों से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने भारत सरकार और राजस्थान सरकार की योजनाओं के लाभ समाज तक पहुँच रहे हैं या नहीं, इस पर चर्चा की।

भील समाज के सैकडों लोगों व गणमान्य व्यक्तियों ने उनका स्वागत-सत्कार किया। मनोहर राणा ने इस मौके पर कहा कि केंद्र और राज्य सरकार की सभी योजनाओं का लाभ आमजन और विशेषकर गरीब वर्ग तक पहुँचना बहुत आवश्यक है। उन्होंने आश्वासन दिया कि समाज की समस्याओं और सुझावों की रिपोर्ट भारत सरकार व राज्य सरकार के मंत्रियों तक पहुँचाई जाएगी, ताकि आने वाले समय में समाज के लोगों का समुचित विकास और उन्नति सुनिश्चित हो सके एवं मनोहर राणा बताया कि बाडमेर में सानिध्य, भील समुदाय समाज के लिए स्नातक स्तरीय बालिका छात्रावास निर्माण,बालक आवासीय छात्रावास, केंद्र सरकार की धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा योजना, एवं समाज विकास शिक्षा संस्कृति को बढावा मिलने हेतु व बाडमेर भारतीय जनता पार्टी एसटी मोर्चा जिला अध्यक्ष राजू दास किशन लाल शंकर लाल दहिया हीराराम जगदीश भील रामुराम मंदन ललित मोवाराम सहित कई लोग उपस्थित थे।

गर्ग ने सर्च रेस्क्यू ऑपरेशन का जायजा लिया

जालोर के पास आसाणा में नदी में छह युवकों के डूबने की घटना को लेकर मुख्य सचेतक जोगेश्वर गर्ग ने मौके पर पहुंचकर घटनास्थल का जायजा लिया। फोटो-राष्ट्रदूत

जालोर, (का.सं.)। राजस्थान विधनसभा के मुख्य सचेतक जोगेश्वर गर्ग ने बुधवार को सायला उपखण्ड के आसाणा ग्राम में 6 व्यक्तियों के नदी में लापता होने पर एसडीआरएफ व सिविल डिफेंस द्वारा चलाए जा रहे सर्च रेस्क्यू ऑपरेशन का जायजा लिया तथा अधिकारियों से मामले की पूरी जानकारी ली।

मुख्य सचेतक ने आमजन से अपील करते हुए कहा कि बरसात के मौसम में सड़क या रपट से ऊपर बहते पानी को वाहन या पैदल पार करने का प्रयास नहीं करें तथा बहते नदी-नालों से दूरे रहे व सुरक्षित रहे।

राजस्थान विधानसभा के मुख्य सचेतक जोगेश्वर गर्ग ने मंगलवार को रात्रि में सांथू ग्राम में सुकड़ी नदी के बहाव में डूबकर पसीया पत्नी टीलाराम भील व छोटाराम पुत्र होकाराम भील की मृत्यु होन पर बुधवार को उनके घर जाकर श्रद्धांजलि अर्पित की तथा उनके परिवारजनों को सांत्वना दी। उन्होंने सुकड़ी नदी के बहाव में घायल कटुआ पत्नी रणछोड़ाराम भील से स्वास्थ्य केन्द्र सांथू में जाकर मुलाकात की तथा उसके स्वास्थ्य के बारे में जानकारी लेकर स्वास्थ्यकर्मियों को हरसंभव उपचार मुहैया करवाने के निर्देश दिए। इस दौरान जालोर प्रधान नारायणसिंह राजपुरोहित, जालोर तहसीलदार बाबूसिंह राजपुरोहित, पुखराज विराणा सहित ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

आसाणा ग्राम में सोमवार को प्रात:काल से उपस्थित रहकर राजस्थान विधानसभा के मुख्य सचेतक जोगेश्वर गर्ग, जिला कलक्टर डॉ. प्रदीप के. गावंडे व जिला पुलिस अधीक्षक शैलेन्द्र सिंह इंदोलिया बचाव एवं राहत कार्यों की प्रभावी मॉनिटरिंग कर रहे है। बचाव एवं राहत कार्यों में एसडीआरएफ की 3 टीमे व सिविल डिफेंस की 1 टीम मंगलवार रात्रि से तलाश में जुटी हुई है। बुधवार सायं तक आसाणा नदी दुर्घटना में डूबे 6 लोगों में से 4 शवों को निकाला जा चुका हैं वही 2 लापता व्यक्तियों को ढूंढने का प्रयास निरन्तर किए जा रहे है।

अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मोटाराम गोदारा, सायला उपखण्ड अधिकारी सूरजभान विश्नोई, पुलिस उप अधीक्षक गौतम जैन, सायला तहसीलदार लक्ष्मी चौधरी सहित प्रशासन, पुलिस व राहत बचाव की टीमे मुस्तैदी से जुटी हुई है।

परिजनों को दी सांत्वना

गोगेश्वर गर्ग ने सांथू ग्राम में भंवरसिंह पुत्र किशोर सिंह के दु:खद निधन पर बुधवार को उनके घर जाकर शोक संतप्त परिवारजनों से मुलाकात कर उन्हें सांत्वना दी। इस दौरान जालोर प्रधान नारायणसिंह राजपुरोहित, पुखराज विराणा सहित ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

इंजीनियर्स डे 15 को

पाली, (नि.सं.)। इंजीनियर्स डे के लिए डिस्ट्रिक्ट इंजीनियर फोरम की बैठक में 5 से 15 सितंबर तक आयोजित होने वाले कार्यक्रमों के लिए फोरम की नवीन कार्यकारिणी का गठन भी किया गया।

फोरम के प्रवक्ता योद्धेश चौहान ने बताया कि पी डब्ल्यू डी के अधिक्षण अभियंता दिलीप परिहार को अध्यक्ष , सिंचाई विभाग के अधिशाषी अभियंता शंकरलाल राठौड़ को सचिव और पी एच ई डी के अधिशाषी अभियंता कानसिंह राणावत को कोषाध्यक्ष, अक्षय बिस्सा को संगठन सचिव मनोनित किया गया। उपाध्यक्ष पी बालामुरुगन (डी सी एफ), अमित सोनी (आर ओ, पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड), राम नारायण चौधरी (अधिक्षण अभियंता डब्ल्यू आर डी), अजय माथुर (अधिक्षण अभियंता डिस्कॉम), मनीष माथुर (अधिक्षण अभियंता पी एच ई डी), प्रेमराज नोगिया (डी जी एम बी एस एन एल), विकास लेगा (अधिशाषी अभियंता यू आई टी), के पी व्यास (अधीक्षण अभियंता नगर परिषद), ईजी.कवयित्री आयुषी राखेचा , दीक्षा बिस्सा को सांस्कृतिक सचिव, अधिशाषी अभियंता डिस्कॉम मनीष माथुर , प्रदीप सांड, हेमंत पटेल, विरमा राम सहायक अभियंता आर वी पी एन एल को खेल सचिव, हॉस्पिटैलिटी हेड मुकुल शील, कौशल शर्मा, हेमंत तंवर किड्स टैलेंट हंट प्रभारी शोभा कुमारी, रतनलाल बंसल (अधिशाषी अभियंता , पी डब्ल्यू डी), अम्बा सियोल, कुलदीप सिंह, प्रवीण पटेल, जयदीप को सदस्य बनाया।

स्वामी आत्मानंद सरस्वती का जन्मोत्सव मनाया

कैप्सन जालोर में स्वामी आत्मानंद सरस्वती महाराज के जन्मोत्सव पर वाहन रैली निकाली। फोटो-राष्ट्रदूत

जालोर, (कासं)। जालोर शहर के स्वामी आत्मानंद सरस्वती महाराज का जन्मोत्सव बुधवार को गणेश चतुर्थी को धूमधाम से मनाया गया।

जिला मुख्यालय पर लेटा मार्ग ओवरब्रिज के पास स्वामी आत्मानंद सरस्वती गुरु मंदिर में जन्मोत्सव को लेकर विविध आयोजन हुए।

स्वामी आत्मानंद सरस्वती गुरु मंदिर ट्रस्ट के महामंत्री नैनसिंह सांकरणा ने बताया कि जन्मोत्सव को लेकर दोपहर बाद गुरु मंदिर से वाहन रैली निकाली गई।

रैली गुरु मंदिर से रवाना होकर कॉलेज तिराहा होते हुए राजेन्द्र नगर के राजपुरोहित छात्रावास स्थित लक्ष्मीनारायण मंदिर पहुंची। यहां श्रद्धालुओं ने मंदिर में दर्शन किए। यहां से रैली अस्पताल चौराहा होते हुए हरिदेव जोशी सर्कल पहुंची।

वहां से घूमकर वन वे से कॉलेज तिराहा होते हुए पुन:गुरु मंदिर पहुंचकर सम्पन्न हुई। वाहन रैली के दौरान पैदल चल रहे युवक व युवतियां भक्ति गीतों पर थिरकते नजर आए। श्रद्धालु गुरुदेव के जयकारे लगा रहे थे।

शाम को गुरु मंदिर में महाआरती हुई। रात्रि में भजन संध्या में भजन कलाकारों ने सुमधुर भजनों की प्रस्तुतियां दी।

'शिक्षा चरित्र निर्माण का आधार'

जालोर, (कासं)। उपखंड मुख्यालय स्थित केसरी महाविद्यालय में बुधवार को शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास की ओर से नई शिक्षा नीति 2020 को लेकर एक विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर ब्लॉक आरपी हिंगलाज दान चारण ने कहा कि शिक्षा हमारे चरित्र निर्माण और व्यक्तित्व के समग्र विकास का का मूल आधार है। शिक्षा के माध्यम से ही सामाजिक परिवर्तन संभव है। नई शिक्षा नीति पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने कहा कि इस नीति में व्यापक दृष्टिकोण को समाहित किया है। विकसित भारत के सपने पर आधारित इस नीति में शोध,नवाचार, कौशल, सहयोग,समावेशन पर जोर दिया गया है। प्राथमिक शिक्षा को मातृ भाषा में देने के साथ ही भारतीय ज्ञान परम्परा, साहित्य, कला और संस्कृति को भी पाठयक्रम में शामिल किया है। परीक्षा प्रणाली को भी बेहतर बनाया है ा ताकि विद्यार्थी तनाव रहित ओर दबाव रहित हो कर शिक्षा ग्रहण कर सके। महाविद्यालय के प्राचार्य उम्मेद सिंह विजावत के कहा कि नई नीति में महाविद्यालय शिक्षा में भी आमूलचूल परिवर्तन किए गए। स्नातक में सेमेस्टर प्रणाली को लागू किया गया है। साथ ही एक वर्ष में दोहरी डिग्री हासिल करने की भी अनुमति मिली है। इसके अलावा नवाचारों पर भी जोर देते हुए पाठयक्रम में बदलाव किया गया है। अमरती कुमारी, कृष्ण कुमार, लाभू राम, तेज सिंह, कविता, सहित विद्यार्थी और शिक्षण उपस्थित रहे।

विद्यार्थियों ने मनाया गणपति महोत्सव

जालोर, (कासं)। सिरे मंदिर रोड स्थित विद्या भारती इंटरनेशनल स्कूल में बुधवार को गणपति महोत्सव का आयोजन किया गया।

निदेशक मधु बाला भाटी ने जानकारी देकर बताया की क्लास नर्सरी से कक्षा तृतीय तक सभी छात्र छात्राओं ने विद्यालय में गणेश चतुर्थी उत्सव मनाया । महोत्सव के दौरान विद्यालय निदेशक के एन भाटी और विद्यालय वरिष्ठ शिक्षक सुरेन्द्र नाग विद्यालय सी ई ओ श्री वरुण भोजक ने गणेश वंदना के साथ गणपति देव की मूर्ति स्थापित कर गणपति भगवान की पूजा अर्चना की अगली कडी में क्लास नर्सरी ,एल के जी और यू के जी के छात्रों ने सामूहिक ओ माई फ्रेड्स गणेशा गाने पर क्लास द्वितीय ने अगले वर्ष आना ही होगा और क्लास तृतीय ने मोरिया रे गणपति बाबा पर नृत्य की बहुत शानदार प्रस्तुति दी , वहीं सभी क्लास के विद्यार्थी जो विचित्र वेशभूषा पहन कर आए उन विद्यार्थियों ने शिव गौरी , गणेश का रोल प्ले कर अपनी अपनी प्रस्तुति दी। निदेशक के एन भाटी ने सभी छात्रों को गणेश चतुर्थी की शुभकामनाएं देते हुए चॉकलेट-मिष्ठान वितरण किया।

मंदिरों में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी

पाली , (नि.सं.)। गणेश चतुर्थी का पर्व के अवसर पर शहर के गणेश मंदिरों में सुबह से ही भगवान के दर्शन के लिए लंबी -लंबी कतारे लगी, जहां गणेश भगवान को गुलाब के पुष्प और मोदक चढकर मनोकामना पूर्ण की।

पाली शहर के मुख्य नागा बाबा बगीची स्थित श्री सिद्ध गणेश की सुबह मंगला आरती महेंद्र नारायण गिरी और सुरेश गिरी के सानिध्य में की गई। इसके बाद हवन अभिषेक कार्यक्रम हुआ। उसके बाद मंदिर की शिख़र पर ध्वजा चढाई गई। मंदिर को आकर्षक रोशनी से सजाया गया। शाम 6:00 बजे से मंदिर में जोरदार भीड उमड़ी। 8:00 बजे आरती के बाद सभी भक्तों को प्रसाद वितरण किया गया। मेले को लेकर करीब 300 पुलिस जवान तैनात रहे । सीसी कैमरा की नजर रही।

मोती चौक स्थित रिद्धि सिद्धि गणेश मंदिर में पुजारी धर्मेंद्र दवे द्वारा भगवान का सिंगार किया गया और आरती के प्रसाद भक्तों को प्रसाद वितरण किया गया। सोमनाथ मंदिर के सामने गणपति मंदिर, चेतना होटल के पास गणेश मंदिर, फतेहपुरिया की पोल गणेश मंदिर में भी फूल मंडली सनाई गई। बांगड़ स्कूल, बांगड़ कॉलेज स्टेशन रोड, चौराहों पर सजी गणेश प्रतिमाओं को शहर वासियों ने ढोल धमाकों के साथ अपने अपने घर और पंडालो में ले जाकर बैठाया। धान मंडी चौक स्थित पाली मेला संस्कृति समिति द्वारा गणेश प्रतिमा विराजित की गई। बड़ी ब्रह्मपुरी में पिछले 33 वर्षों से गणपति बैठ जाते हैं,। लोग ट्रैक्टर बाइक, बैलगाड़ी पर बिठाकर गणपति को लेकर अपने गंतव्य स्थल पर लेकर गए।

मोती चौक स्थित रिद्धि सिद्धि गणपति मंदिर में गणेश चतुर्थी के मंगल अवसर पर बुधवार को पारंपरिक राजशाही किलंगी वाला साफा धारण कराया गया।

मंदिर के पुजारी धर्मेंद्र दवे ने बताया कि गणेश चतुर्थी पर सुबह मंदिर में गणपति पूजन से धार्मिक आयोजन शुरू हुआ प्रात:काल शुभ मुहूर्त में मुख्य यजमान राकेश भाटी रेखा भाटी परिवार द्धारा आचार्य पंडित दुर्गाशंकर दवे के सानिध्य में पंडितों द्वारा पुरुष सूक्त और अथर्वशीर्ष पाठ से अभिषेक पूजन किया गया। गोधूलिक वेला में राजशाही किलंगी वाला साफा व पोषाक धारण कराई गई।

संवत्सरी मनाया, तेरापंथ भवन में क्षमायाचना आज

पाली के तेरापंथ भवन में साध्वियों ने संवत्सरी महापर्व का महत्व समझाया। फोटो-राष्ट्रदूत

पाली के तरापंथ भवन में जैन समाज के लोगों ने प्रवचन सुने। फोटो-राष्ट्रदूत

पाली, (नि.सं.)। तेरापंथ भवन में समग्र समाज की उपस्थिति में, आचार्य श्री महाश्रमण जी की सुशिष्या साध्वी श्री काव्यलता जी (ठाणा-4) के पावन सान्निध्य में संवत्सरी महापर्व हर्षोल्लास और गहन आत्मिक श्रद्धा के साथ मनाया गया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार कार्यक्रम का शुभारंभ आयो जैन जगत रो प्रमुख पर्व ओ संवत्सरी रे जैसे मधुर संज्ञान से हुआ। साध्वी श्री काव्यलता जी, साध्वी श्री ज्योतियशा जी, साध्वी श्री सुरभिप्रभा जी एवं साध्वी श्री राहतप्रभा जी आदि साध्वीवृंद के सान्निध्य में कार्यक्रम का आयोजन हुआ। भगवान महावीर, 24वें तीर्थंकर, का जन्म वैशाली के क्षित्रयकुंडलपुर नगर में राजा सिद्धार्थ और रानी त्रिशला के घर हुआ। जन्म से पूर्व माता त्रिशला ने 14 शुभ स्वप्न देखे, जो महापुरुष के आगमन का प्रतीक थे। बालक का नाम रखा गया वर्धमान।

बचपन से ही अद्भुत साहस और ज्ञान के धनी, उन्होंने विषधर सर्प को बिना हिंसा किए वश में कर लिया, तभी से वे महावीर कहलाए। 28 वर्ष की आयु में विवाह हुआ, पुत्री प्रियदर्शना का जन्म हुआ। 30 वर्ष की आयु में माता-पिता के निधन के पश्चात्, उन्होंने गृहस्थ जीवन का परित्याग कर दीक्षा ठाहण की। इन्द्रदेव ने भव्य पालकी में बैठाकर उनका स्वागत किया। 12 वर्षों की कठिन तपस्या और ध्यान के बाद उन्हें केवलज्ञान प्राप्त हुआ।

उन्होंने पंचमहाव्रत - अहिंसा, सत्य, अचौर्य, ब्रह्मचर्य, अपरिठाह का संदेश दिया। 72 वर्ष की आयु में पावापुरी (बिहार) में दीपावली की रात उन्होंने मोक्ष प्राप्त किया।

संवत्सरी आत्मशुद्धि और क्षमायाचना का पर्व है।भगवान महावीर का उपदेश है, क्षण भर का भी प्रमाद मत करो, सम्यक चिन्तन करो। अर्थात जीवन अमूल्य है, इसे प्रमाद में न गँवाकर सदुपयोग में लगाएं।

इस दिन साधक आत्ममंथन कर अपने दोषों का परिमार्जन करते हैं।एक-दूसरे से खमतखामणा कहकर क्षमा माँगी जाती है।

साध्वी श्री काव्यलता जी ने बताया कि अहमदाबाद की पावन भूमि पर आचार्य महाश्रमण की अमृतवर्षा से इस वर्ष 800 अट्ठाई एक साथ पूर्ण हुईं, जो ऐतिहासिक है।

संवत्सरी हमें सिखाती है, वैर छोड़ो, मैत्री अपनाओ।

साध्वी श्री काव्यलता जी ने प्रवचन में बताया कि भगवान महावीर ने मोक्षमार्ग के चार साधन बताए - सम्यग्दर्शन, सम्यक्ज्ञान, सम्यक्चरित्र और तप। इनमें तपस्या आत्मा की सबसे बड़ी औषधि है। तप आत्मा को संयम, शुद्धि और दृढता प्रदान करता है। कठोर तप न कर सकने वाले भी उपवास, एकासन, आयंबिल, संयम जैसे लघु तप से आत्मिक प्रगति कर सकते हैं।

संवत्सरी का सार यही है , मन, वचन और काया की शुद्धि के साथ तपस्या को अपनाकर आत्मा के बंधनों को तोड़ना।

आज के अवसर पर 60 से अधिक तेलों का त्याग तथा 50 अट्ठाई तप की अनुमोदना हुई। आज भवन में लगभग 150 पौषध हुए।

साध्वी ने कहा कि तप से ही कर्म क्षीण होते हैं और आत्मा प्रकाशमय बनती है। कल-कल करती देखो तपस्या की सरिता आयी जैसी कविता द्वारा साध्वी काव्यलता जी ने वातावरण को भक्तिमय बना दिया।

साध्वी वृंद द्वारा सामूहिक गान में प्रस्तुत हुए गीत, आत्मा की पोथी पढने का ये सुंदर अवसर आया है (आचार्य महाप्रज्ञ रचित), चैत्य पुरुष जग जाएँ और प्रभो, तुम्हारे पथ पर जीवन अर्पण है सारा ने आत्मा को भक्ति और तप की ओर उन्मुख किया।

संवत्सरी हमें यह शिक्षा देती है कि क्षमा ही सबसे बड़ा धर्म है। अहिंसा जीवन का आधार है। तप आत्मा की शक्ति है।

प्रतिक्रमण के पश्चात् सभी साधकों ने सरल मन से क्षमा मांगने और क्षमा देने का संकल्प लिया। कल प्रात: तेरापंथ भवन में क्षमायाचना पर्व का विशेष आयोजन होगा।

बैठक आयोजित

जालोर, (कासं)। विश्वकर्मा विकास परिषद जालोर की बैठक बुधवार को विश्वकर्मा भोजनशाला ,हनुमान कॉलोनी आहोर में संस्था के संरक्षक खीमाराम सुथार शंखवाली की अध्यक्षता एवं प्रकाश कुमार सुथार आहोर अध्यक्ष के मुख्य आतिथ्य में सम्पन्न हुई । जिसमें सर्वसम्मति से परिषद के आगामी कार्यक्रमों के बारे विस्तार से चर्चा की गई।

देवेंद्र सुथार सचिव ने बताया कि बुधवार को विश्वकर्मा विकास परिषद की विशेष बैठक आयोजित की गई जिसमें सर्वसम्मति से विकास परिषद के आगामी कार्यक्रमों के बारे में चर्चा की गई।

स्किन कैंसर रियल है खासकर ऑस्ट्रेलिया में। मेरी नाक से एक और कैंसर निकाला गया। मेरी नाक पर एक और कट लग गया। रोकथाम इलाज से बेहतर है लेकिन मेरे मामले में नियमित जांच और शुरुआती पहचान अहम है। - **माइकल क्लार्क**

पूर्व ऑस्ट्रेलियाई कप्तान, नाक से स्किन कैंसर के ऑपरेशन को लेकर बोलते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी ▶ **रविचंद्रन अश्विन**

ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने अपने आईपीएल करियर को अलविदा कह दिया है। इस अनुभवी स्पिन गेंदबाज ने एक्स पर अपने फैसले की घोषणा की और दुनिया भर में फ्रेंचाइजी क्रिकेट खेलने का संकेत दिया। अश्विन ने एक्स पर पोस्ट किया, ''कहते हैं कि हर अंत की एक नई शुरुआत होती है। एक आईपीएल क्रिकेटर के रूप में मेरा समय आज समाप्त हो रहा है, लेकिन विभिन्न लीगों में खेल के एक अन्वेषक के रूप में मेरा समय आज से शुरू हो रहा है।'' चेन्नई सुपर किंग्स द्वारा 9.75 करोड रुपये में खरीदे जाने के बाद अश्विन की इस साल शानदार वापसी हुई।

क्या आप जानते हैं ?... भारतीय टीम ने यूएई की सरजमीं पर टी20 विश्व कप 2021 में टीम इंडिया ने यहां पर 5 मैच खेले थे। जिसमें 3 मैचों में जीत मिली तो वहीं 2 मुकाबलों में हार का भी सामना करना पड़ा।

कैबिनेट ने राष्ट्रमंडल खेल 2030 के लिए बोली प्रस्तुत करने को मंजूरी दी

अहमदाबाद को बताया आदर्श मेजबान

नई दिल्ली, 27 अगस्त। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने राष्ट्रमंडल खेल 2030 के लिए बोली प्रस्तुत करने के युवा मामले एवं खेल मंत्रालय के प्रस्ताव को मंज़ूरी दे दी। साथ ही मेजबानी सहयोग समझौते पर हस्ताक्षर करने को भी मंजूरी दे दी। (एचसीए) से संबंधित मंत्रालयों, विभागों और प्राधिकरणों से आवश्यक गारंटी और बोली स्वीकार होने की स्थिति में गुजरात सरकार को आवश्यक अनुदान सहायता की मंजूरी भी ली जाएगी।

72 देशों के एथलीट राष्ट्रमंडल खेलों में भाग लेंगे। इसमें बड़ी संख्या में एथलीट, कोच, तकनीकी अधिकारी, पर्यटक, मीडियाकर्मी आदि शामिल होंगे जो खेलों के दौरान भारत आएंगे, जिससे स्थानीय व्यवसायों को लाभ होगा और राजस्व प्राप्त होगा। अहमदाबाद एक आदर्श मेजबान शहर है जो विश्व स्तरीय स्टेडियम, अत्याधुनिक प्रशिक्षण सुविधाएं और एक उत्साही खेल संस्कृति प्रदान करता है। दुनिया का सबसे बड़ा स्टेडियम, नरेंद्र मोदी स्टेडियम, 2023 आईसीसी क्रिकेट विश्व कप फाइनल की सफलतापूर्वक मेजबानी करके अपनी क्षमता का प्रदर्शन कर चुका है।

खेलों के अलावा, भारत में राष्ट्रमंडल खेलों की मेजबानी पर्यटन को बढ़ावा देने, रोजगार सृजन और लाखों युवा एथलीटों को प्रेरित करने जैसे स्थायी प्रभाव छोड़ेगी। इसके अलावा, खेल विज्ञान, कार्यक्रम संचालन और प्रबंधन, रसद और परिवहन समन्वयक, प्रसारण और मीडिया, आईटी और संचार, जनसंपर्क और संचार तथा अन्य क्षेत्रों में भी बड़ी संख्या में पेशेवरों को अवसर मिलेंगे।

इस तरह के विश्व स्तर पर प्रतिष्ठित आयोजन से राष्ट्रीय गौरव और एकता की भावना प्रबल होगी। यह एक साझा राष्ट्रीय अनुभव प्रदान करेगा और हमारे राष्ट्र का मनोबल बढ़ाएगा। यह एथलीटों की नई पीढ़ी को खेलों को एक करियर विकल्प के रूप में अपनाने के लिए प्रेरित करेगा और सभी स्तरों पर खेलों में अधिक से अधिक भागीदारी को प्रोत्साहित करेगा।

कैबिनेट ने संबंधित मंत्रालयों, विभागों और प्राधिकरणों से आवश्यक गारंटियों के साथ मेजबान सहयोग समझौते (एचसीए) पर हस्ताक्षर करने और बोली स्वीकार होने की स्थिति में गुजरात सरकार को आवश्यक अनुदान सहायता की मंजूरी देने को भी मंजूरी दे दी।'' दावेदारी के लिये बोली जमा करने की आखिरी तारीख 31 अगस्त है। आईओए अगले 48 घंटे में प्रक्रिया पूरी कर सकता है। भारत ने आखिरी बार 2010 में दिल्ली में राष्ट्रमंडल खेलों की मेजबानी की थी। राष्ट्रमंडल खेल की आमसभा नवंबर के आखिरी सप्ताह में ग्लास्गो में मेजबान देश पर फैसला लेगी।

कनाडा के वित्तीय कारणों से पीछे हटने के बाद भारत की मेजबानी की संभावना प्रबल हो गई है। कैबिनेट बैठक के बाद जारी पीआईबी के बयान में कहा गया कि अहमदाबाद खेलों की मेजबानी के लिये आदर्श शहर होगा। इसमें कहा गया ,'' अहमदाबाद में विश्व स्तरीय स्टेडियम, अत्याधुनिक अभ्यास सुविधायें और खेल संस्कृति है। दुनिया के सबसे बड़े स्टेडियम नरेंद्र मोदी स्टेडियम में आईसीसी 2023 क्रिकेट विश्व कप फाइनल का सफल आयोजन हो चुका है।''

शुभमन और रोहित वनडे रैंकिंग में शीर्ष पर कायम

दुबई, 27 अगस्त। आईसीसी पुरुष वनडे खिलाड़ी रैंकिंग की नवीनतम जारी सूची में ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ियों ने बढ़त हासिल की है जबकि शुभमन गिल और रोहित शर्मा बल्लेबाजी रैंकिंग में शीर्ष पर बने हुए हैं। हालांकि ऑस्ट्रेलिया को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ घरेलू मैदान पर 2-1 से श्रृंखला हार का सामना करना पड़ा, लेकिन मैके में श्रृंखला के अंतिम मैच में शानदार जीत के बाद आईसीसी पुरुष क्रिकेट विश्व कप विजेता टीम को नवीनतम रैंकिंग में बढ़त मिली।

ऑस्ट्रेलियाई टीम ने 50 ओवरों के इस मुकाबले में 431/2 का विशाल स्कोर बनाया, जिसमें उनके तीन बल्लेबाजों ट्रैविस हेड (142), मिच मार्श (100) और कैमरन ग्रीन (नाबाद 118) ने शतक जड़े। परिणामस्वरूप, तीनों ने वनडे बल्लेबाजों की रैंकिंग में अच्छी बढ़त हासिल की, जिसमें हेड एक स्थान ऊपर चढ़कर 11वें स्थान पर, मार्श चार पायदान ऊपर चढ़कर 44वें स्थान पर और ग्रीन 40 पायदान ऊपर चढ़कर 78वें स्थान पर पहुँच गए।

ऑस्ट्रेलियाई टीम के उनके साथी जोश इंगलिस ने भी वनडे बल्लेबाजों की सूची में जगह बनाई है। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ श्रृंखला के दूसरे मैच में 87 रनों की पारी की बदौलत यह दाएं हाथ का बल्लेबाज 23 स्थानों के सुधार के साथ 64वें स्थान पर पहुंच गया है। भारतीय जोड़ी शुभमन गिल (784 रेटिंग अंक) और रोहित शर्मा (756) वनडे बल्लेबाजों की रैंकिंग में शीर्ष पर बने हुए हैं, जबकि पाकिस्तान के दाएं हाथ के बल्लेबाज बाबर आजम (739) शीर्ष तीन में शामिल हैं। वनडे गेंदबाजों की रैंकिंग में शीर्ष पर स्थिति और भी कड़ी है, दक्षिण अफ्रीका और ऑस्ट्रेलिया के बीच श्रृंखला समाप्त होने के बाद श्रीलंका के स्पिनर महेश दीक्षाना 671 रेटिंग अंकों के साथ साथी स्पिनर केशव महाराज के साथ शीर्ष पर हैं।

सुनेना प्रकाश को राष्ट्रीय महिला आयोग की सलाहकार समिति में किया गया मनोनीत

जयपुर, 27 अगस्त। इंडियन सॉफ्ट हॉकी लीग की चेयरमैन एवं ऐमेच्योर सॉफ्ट हॉकी फेडरेशन ऑफ इंडिया की वाइस चेयरमैन डॉ. सुनेना प्रकाश को राष्ट्रीय महिला आयोग की सलाहकार समिति में किया गया मनोनीत। राष्ट्रीय महिला आयोग की अध्यक्षा विजया रहाटकर ने डॉ. सुनेना प्रकाश को आयोग की राष्ट्रीय सलाहकार समिति का सदस्य मनोनीत किया है।

डॉ. सुनेना प्रकाश खेल जगत और विधिक क्षेत्र की एक प्रतिष्ठित हस्ती हैं। वह सुप्रीम कोर्ट की वरिष्ठ अधिवक्ता हैं और भारतीय ओलंपिक संघ की विधिक समिति की चेयरपर्सन भी रह चुकी हैं। वर्तमान में वे इंडियन सॉफ्ट हॉकी लीग की चेयरमैन और अमेच्योर सॉफ्ट हॉकी फेडरेशन ऑफ इंडिया की वाइस चेयरमैन के रूप में सक्रिय हैं। महिला शिक्षा, न्याय और सामाजिक जागरूकता के क्षेत्र में उनके उल्लेखनीय योगदान को देखते हुए यह जिम्मेदारी उन्हें सौंपी गई है।

इस समिति में उनके साथ देशभर से कई प्रतिष्ठित हस्तियों को शामिल किया गया है, जिनमें पद्मभूषण पी.वी. सिंधु, डॉ. वी. कमकोटी (डायरेक्टर, आई आई टी मद्रास), डॉ. विनीता सहाय (डायरेक्टर, आई आई एम बोधगया), सुप्रीम कोर्ट की वरिष्ठ अधिवक्ता पिंकी आनंद और फिक्की के अध्यक्ष हर्ष वर्धन अग्रवाल प्रमुख हैं।

मुंबई में आयोजित बैठक में आयोग की अध्यक्षा ने नवनियुक्त सदस्यों से संवाद करते हुए आयोग की अब तक की उपलब्धियों और भविष्य की 10 वर्षीय रूपरेखा साझा की। उन्होंने कहा कि विभिन्न क्षेत्रों से आए ये सदस्य अपने अनुभव और दृष्टिकोण से आयोग को और सशक्त बनाएँगे। डॉ. सुनेना प्रकाश की नियुक्ति से उम्मीद है कि राष्ट्रीय महिला आयोग को खेल और न्याय जगत से एक मजबूत व प्रभावी प्रतिनिधित्व मिलेगा, जिससे देश की आधी आबादी की आवाज़ और बुलंद होगी।

राष्ट्रमंडल भारोत्तोलन चैम्पियनशिप में भारत ने तीन रजत पदक जीते

नई दिल्ली/अहमदाबाद, 27 अगस्त। भारत ने राष्ट्रमंडल भारोत्तोलन चैंपियनशिप 2025 के दूसरे दिन तीन रजत पदक जीते। बिंद्यारानी देवी, मुथुपंडी राजा और स्नेहा सोरेन उपविजेता रहीं, जबकि 17 वर्षीय कोयल बार ने युवा विश्व रिकॉर्ड बनाकर सुर्खियाँ बटोरीं। ओलंपिक्स डॉट कॉम द्वारा जारी बयान के अनुसार, भारत की बिंद्यारानी देवी, मुथुपंडी राजा और स्नेहा सोरेन ने कल अहमदाबाद में आयोजित राष्ट्रमंडल भारोत्तोलन चैंपियनशिप 2025 में रजत पदक जीते, जबकि 17 वर्षीय कोयल बार ने युवा विश्व रिकॉर्ड बनाकर सुर्खियाँ बटोरीं। बिंद्यारानी देवी ने महिलाओं के 58 किलोग्राम भार वर्ग में कुल 206 किलोग्राम भार उठाकर रजत पदक जीता। बयान में कहा गया है, ''उन्होंने स्नैच में 85 किग्रा, 88 किग्रा और 91 किग्रा भार उठाया और क्लीन एंड जर्क में 110 किग्रा और 115 किग्रा भार उठाकर 122 किग्रा का अंतिम प्रयास विफल कर दिया।

भारतीय फुटबॉल का भविष्य अधर में लटका, फीफा ने दिया एआईएफएफ को अल्टीमेटम, लग सकता है प्रतिबंध

नई दिल्ली, 27 अगस्त। भारत में फुटबॉल का भविष्य खतरे में है। दरअसल, भारतीय फुटबॉल पर अंतर्राष्ट्रीय प्रतिबंध का खतरा मंडरा रहा है क्योंकि वैश्विक संचालन संस्था फीफा और एशियाई फुटबॉल परिसंघ ने संकटग्रस्त अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ को सख्त चेतावनी दी है कि उसे 30 अक्तूबर तक नया संविधान अपनाना और उसकी पुष्टि करनी होगी या फिर निलंबन झेलना होगा। एआईएफएफ अध्यक्ष कल्याण चौबे को मंगलवार को लिखे दो पन्नों के कड़े पत्र में दोनों अंतर्राष्ट्रीय संस्थाओं ने 2017 से उच्चतम न्यायालय में मामला लंबित होने के बाद भी महासंघ द्वारा अपने संविधान को अंतिम रूप देने में विफलता पर गहरी चिता जताई। वहीं अब शीर्ष अदालत गुरुवार को इस पर सुनवाई करेगी।

अगर निलंबन लगा तो इसका मलतब होगा कि राष्ट्रीय टीमों और क्लबों को सभी अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं से प्रतिबंध कर दिया जाएगा और साथ ही अहमदाबाद में 2036 के ओलंपिक खेलों के लिए भारत की महत्वाकांक्षी बोली भी अनिश्चितता में पड़ जाएगी। वहीं फीफा और एएफसी ने चौबे के नेतृत्व वाले एआईएफएफ को संशोधित संविधान को मंजूरी देने के लिए उच्चतम न्यायालय से एक निश्चित आदेश प्राप्त करने, इसे फीफा और एएफसी के अनिवार्य नियमों के अनुरूप बनाने और 30 अक्तूबर की समय-सीमा से पहले अगली आम सभा की बैठक में इसकी पुष्टि करने का निर्देश दिया है।

पत्र में कहा गया है कि, इस कार्यक्रम का पालन नहीं करने पर हमारे पास इस मामले को निर्णय लेने वाली फीफा की संबंधित संस्था के पास विचार और निर्णय के लिए भेजने के अलावा कोई विकल्प नहीं बचेगा। जिसमें निलंबन की संभावना भी शामिल है। साथ ही पत्र पर फीफा के मुख्य सदस्य संघ अधिकारी एल्खान मामादोव और एएफसी के उप महासचिव वाहिद कर्दानी ने संयुक्त रूप से हस्ताक्षर किए हैं। ये पहली बार नहीं है जब भारतीय फुटबॉल को इस तरह की शर्मिंदगी का सामना करना पड़ा है।

गौरतलब है कि, अगस्त 2022 में फीफा ने भारत को तीसरे पक्ष के हस्तक्षेप के आरोप में निलंबित कर दिया था जब उच्चतम न्यायाल द्वारा नियुक्त प्रशासकों की समिति ने अस्थायी रूप से एआईएफएफ का संचालन किया था। ये प्रतिबंध देश की स्वतंत्रता के 75वें वर्ष के जश्न के दौरान लगाया था लेकिन सीओए के भंग होने और चुनाव होने के दो सप्ताह के भीतर इसे हटा लिया गया था। चुनावों में चौबे ने एकतरफा परिणाम में दिग्गज फुटबॉलर बाईचुंग भूटिया को हराया था।

वहीं विश्व निकायों ने एआईएफएफ के संशोधित संविधान को अंतिम रूप देने और लागू करे में निरंतर विफलता पर चिंता व्यक्त की। ये मामला 2017 से भारत के माननीय उच्चतम न्यायालय के सामने विचाराधीन है। पत्र में कहा गया है कि बार-बार आश्वासन के बावजूद एक स्पष्ट और अनुपालनकारी प्रशासनिक ढांचे के अभाव ने भारतीय फुटबॉल के मूल में शून्य और कानूनी अनिश्चितताएं पैदा कर दी हैं।

दोनों संस्थाओं ने एआईएफएफ को समय-सीमा तक तीन तत्काल कदम उठाने का निर्देश दिया है। पत्र में कहा गया है कि, एआईएफएफ के संशोधित संविधान को मंजूरी देने के लिए भारत के उच्चतम न्यायालय से एक निर्णायक आदेश प्राप्त करें। एआईएफएफ संविधान का फीफा और एएफसी के नियमो और विनियमों के अनिवार्य प्रावधानों के साथ पूर्ण अनुकूलन सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा है कि, एआईएफएफ की अगली आम बैठक में एआईएफएफ संविधान की औपचारिक पुष्टि प्राप्त करें।

सिनर, स्वियाटेक, कोको गॉफ व नाओमी ओसाका ने मुकाबले जीते

न्यूयॉर्क, 27 अगस्त। 2025 यूएस ओपन एकल स्पर्धाओं का पहला दौर मंगलवार को संपन्न हुआ, जिसमें गत विजेता जैनिक सिनर के साथ-साथ शीर्ष दावेदार इगा स्वियाटेक, कोको गॉफ और नाओमी ओसाका ने भी शानदार जीत दर्ज की। पुरुष वर्ग में शीर्ष वरीयता प्राप्त सिनर ने शानदार प्रदर्शन करते हुए चेक गणराज्य के विट कोप्रिवा को मात्र 98 मिनट में 6-1, 6-1, 6-2 से हरा दिया। सिनर ने कहा, ''यहां वापस आकर बहुत अच्छा लग रहा है। यह एक बहुत ही खास टूर्नामेंट है।'' तीसरी वरीयता प्राप्त अलेक्जेंडर ज्वेरेव ने भी चिली के एलेजांद्रो ताबिलो के खिलाफ सीधे सेटों में 6-2, 7-6(4), 6-4 से जीत हासिल की।

महिला वर्ग में, चैंपियन खिलाड़ियों ने पूरी ताकत से प्रदर्शन किया। स्वियाटेक ने कोलंबिया की एमिलियाना अरांगो को 6-1, 6-2 से हराकर डब्ल्यूटीए एकल के पहले मैच में अपनी लगातार 65वीं जीत दर्ज की - जो ओपन युग में एक नया रिकॉर्ड है। दो बार की यूएस ओपन चैंपियन ओसाका को 2022 के बाद पहली बार किसी ग्रैंड स्लैम में वरीयता दी गई थी, और उन्होंने बेल्जियम की ग्रीट मिनेन पर 6-3, 6-4 से जीत हासिल की। गॉफ के लिए सबसे बड़ी चुनौती थी। 2023 यूएस ओपन चैंपियन ने लगभग तीन घंटे तक संघर्ष किया और अंततः अजला टोमलजानोविक को 6-4, 6-7(2), 7-5 से हराया। गॉफ, जो अपनी सर्विस की समस्या को दूर करने की कोशिश कर रही हैं, ने 10 डबल फॉल्ट किए।

टीम जाजू पोलो ने बीकानेर पोलो टीम को 7-6 से हराकर महाराज जगत सिंह मेमोरियल कप जीता

जयपुर, 27 अगस्त। जयपुर राइडिंग एंड पोलो क्लब में हुए रोमांचक फाइनल में, टीम जाजू पोलो ने बीकानेर पोलो टीम को 7-6 से हराकर प्रतिष्ठित महाराज जगत सिंह मेमोरियल कप जीत लिया। ध्रुव मैदान पर अजेय रहे और उन्होंने सटीकता और कुशलता के साथ बढ़त बनाए रखी, जिसमें सूरज जाजू और स्वास्तिक का शानदार साथ भी रहा। टीम ने शुरुआत में ही बढ़त बना ली और पहले दो चक्करों में 4-1 की बढ़त बना ली। लेकिन बीकानेर पोलो के सवीर और उदय ने ज़बरदस्त वापसी की और अपने कौशल और दृढ़ संकल्प से अंतर कम कर दिया। उनके प्रयासों के बावजूद, टीम जाजू पोलो ने अपनी पकड़ बनाए रखी और एक गोल से जीत हासिल की। टीम के संरक्षक सूरज जाजू की खुशी का ठिकाना नहीं रहा जब उनकी टीम ने साफ आसमान के नीचे कड़ी मेहनत से मिली जीत का जश्न मनाया, और अंतिम दिन मौसम के देवता भी मेहरबान थे। अगले टूर्नामेंट, गोल्डन पीकॉक ट्रॉफी के मैच कल से शुरू होने के साथ ही उत्साह जारी रहेगा।

अलेक्जेंडर ज्वेरेव की आत्मविश्वास से भरी शुरुआत

न्यूयॉर्क, 27 अगस्त। जर्मनी के विश्व नंबर 4 अलेक्जेंडर ज्वेरेव ने देर से शुरुआत से उबरते हुए संयमित प्रदर्शन करते हुए आर्थर ऐश स्टेडियम में चिली के एलेजांद्रो ताबिलो को 6-2, 7-6(4), 6-4 से हराकर 2025 यूएस ओपन के दूसरे दौर में प्रवेश किया। 28 वर्षीय ज्वेरेव को अपने पहले दौर के मैच में जीत हासिल करने के लिए लगभग ढाई घंटे लगे, जो टूर्नामेंट के पहले रविवार के मैच का हिस्सा था। 2020 यूएस ओपन के फाइनलिस्ट ने शुरुआती गेम में सर्विस तोड़ी और पहले सेट में दबदबा बनाया, लेकिन दूसरे सेट में उन्हें ताबिलो की कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ा, उन्होंने 5-6 के स्कोर पर एक सेट पॉइंट बचाया और फिर टाईब्रेक में नियंत्रण हासिल कर लिया। उन्होंने तीसरे सेट के निर्णायक दसवें गेम में फिर से सर्विस तोड़ी और मुकाबला जीत लिया।

अफगानिस्तान ने जॉन मूनी को फील्डिंग कोच नियुक्त किया

नई दिल्ली, 27 अगस्त। आयरलैंड के पूर्व अंतराष्ट्रीय खिलाड़ी जॉन मूनी छह साल के अंतराल के बाद अफगानिस्तान की राष्ट्रीय टीम में वापसी कर रहे हैं। बुधवार को, अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड (एसीबी) ने घोषणा की कि मूनी को उनकी राष्ट्रीय टीम का नया फ़ील्डिंग कोच नियुक्त किया गया है। मूनी, जिन्होंने 2018 से 2019 तक अफगानिस्तान के साथ काम किया था, को शेन मैकडरमॉट के जाने के बाद यह पद खाली होने पर नियुक्त किया गया था।

दुनिया के तीसरे सबसे बड़े क्रिकेट स्टेडियम का निर्माण फिर शुरू

गणेश चतुर्थी के पावन अवसर पर चौंप स्टेडियम का निर्माण कार्य विधिवत शुरू : कुमावत

जयपुर, 27 अगस्त। आरसीए एडहॉक कमेटी संयोजक डी डी कुमावत ने बताया कि परम पवित्र गणेश चतुर्थी के पावन पर्व पर आरसीए के निर्माणाधीन चौंप स्टेडियम का निर्माण कार्य विधिवत रूप से आज शुरू हुआ। राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन के लिए आज का दिन ऐतिहासिक है।

जयपुर के क्रिकेट प्रेमियों को बड़ी सौगात मिलने वाली है। जयपुर-दिल्ली बाईपास पर दुनिया के तीसरे सबसे बड़े क्रिकेट स्टेडियम निर्माण में यह जयपुर के पास चौंप गांव में बन रहा दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा क्रिकेट स्टेडियम है। चौंप में 75000 दर्शक क्षमता वाला यह स्टेडियम इस क्षमता के लिहाज से मोटेरा और मेलबर्न के बाद दुनिया का तीसरा और भारत का दूसरा बड़ा स्टेडियम होगा। पहले चरण में 40 हजार और दूसरे चरण में 35 हजार दर्शकों क्षमता विकसित होगी। स्टेडियम के साथ ही प्रैक्टिस ग्राउंड, हॉस्टल, स्पोर्ट्स क्लब और जिम भी बनाया जाएगा।

डी डी कुमावत ने कहा कि यह राजस्थान के क्रिकेट प्लेयर्स के लिए अच्छा मौका है। प्रदेश में प्रोफेशनल क्रिकेट का अच्छा माहौल है। दुनिया के 10 में से 7 बड़े स्टेडियम भारत में हैं और राजस्थान का ये स्टेडियम तीसरे स्थान पर होगा, यह हमारे लिए गौरव की बात है। चौंप में 75000 दर्शक क्षमता वाला यहस्टेडियम इस क्षमता के लिहाज से मोटेरा और मेलबर्न के बाद दुनिया का तीसरा और भारत का दूसरा बड़ा स्टेडियम होगा. पहले चरण में 40 हजार और दूसरे चरण में 35 हजार दर्शकों क्षमता विकसित होगी।

आरसीए सीनियर वीमेन टी-20 चैलेंजर आज से जयपुर में

जयपुर, 27 अगस्त। बीसीसीआई की आगामी राष्ट्रिय सीनियर वीमेन 20 प्रतियोगिता में भाग लेने वाली राजस्थान टीम के संभावितों के चयन हेतु आरसीए सीनियर वीमेन 20 चैलेंजर ट्रॉफी कल दिनांक 28 - 30 अगस्त के दौरान सवाई मान सिंह स्टेडियम पर खेली जाएगी। सीनियर वीमेन 20 चैलेंजर ट्रॉफी का पहला मैच सुबह 9 वजे व दूसरा मैच दोपहर 1 . 30 बजे खेला जायेगा।

टीम ए रिज़ा शेख, तनिका शर्मा, आरजू, संगीता कुमावत, सिमरन चौधरी जूनियर, बबीता, सुमन मीना (सी), मनस्वी कट्टा, सोनल कलाल, गंगा, सोनम सैनी, निशा सैनी, उषा पेरेरिया, तमन्ना सैजानी, माही सेठ, राकेश भात्रा (कोच)।

टीम बी आयुषी गर्ग, धृति माथुर, भाविनी भार्गव, बबीता मीना (सी), नितु शर्मा, सिद्धि शर्मा, अनुष्का चौधरी, अर्चना योगी, भावना मीणा, कंचन हुडा, मनीषा कुंतल, असफिया चिश्ती, निधि सैनी, भूमिका जांगिड़, निकिता। प्रियंका शर्मा (कोच)।

टीम सी डिम्पल कंवर, सीजे भाटी, वंशिका यादव, तनुजा वैष्णव, अर्चना सैनी, याना वर्मा, केलम सोनी, मिनाक्षी गुर्जर, शानू सेन, पिंकी, अक्षिता माहेश्वरी (सी), स्नेहा उबाना, पूनम, ऋतु लोढ़ा, हेमलता ढाका, एकता सिंह (कोच)।

टीम डी सुमित्रा जाट (सी), प्रियांशी चौधरी, माफिया बानो, ज्योति चौधरी, प्रिया यादव, कौशल्या चौधरी, वृंदा शर्मा, फोरा गुर्जर, यशस्वी कट्टा, प्रीत कपूर, ज्योति सैनी, सीमा जाट, अंशू सैनी, काव्या बिश्नोई, मेघा सैनी। रेनू यादव (कोच)।

नगर विकास न्यास, पाली
डाक बंगला परिसर, पाली, फोन नं. 02932-223222, ई मेल - uitpali@gmail.com
क्रमांक :- न्या.पा./निविदा/2025/2903 दिनांक :- 26/08/2025
अल्पकालीन निविदा सूचना संख्या - 34/2025-26
नगर विकास न्यास, पाली की ओर से न्यास/राजकीय विभाग से नियमानुसार उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत संवेदकों से निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्योरमेन्ट प्रक्रिया से सिविल कार्यों हेतु ऑनलाईन निविदाएं आमंत्रित की जाती है। इन कार्यों की अनुमानित लागत, निविदा बेचे जाने तथा प्राप्त करने की दिनांक, निविदा शर्तें आदि सम्पूर्ण विवरण sppp.rajasthan.gov.in पर देखी जा सकती है तथा न्यास कार्यालय, पाली में कार्य दिवस के दौरान देखी जा सकती है।
यूबीएन नं. :- ITP2526WSOB00042
राज.संवाद/सी/25/8847 अधिशाषी अभियन्ता

राजस्थान स्टेट माईन्स एण्ड मिनरल्स लिमिटेड
(राजस्थान सरकार का उपक्रम) कॉरपोरेट कार्यालय, 04, मीरा मार्ग, उदयपुर- 313001 (राज.), फोन नम्बर: (0294) 2427177/2428763-67, फैक्स : (0294) 2428768, 2428739 E-Mail :- contractsco.rsmml@rajasthan.gov.in
ई-निविदा सूचना दिनांक :- 27/08/2025

निविदा संख्या एवं दिनांक	कार्य का विवरण
e-Tender No. RSMM/CO/GGM (Cont)Cont-10/2025-26 dated 26.08.2025 UBN No.2526WSOB00081	संस्थान की झामरकोटड़ा माईन्स से बाघदड़ा कॉलोनी तक पानी सप्लाई व सम्पूर्ण जीएलआर पम्पस् के मरम्मत व रख-रखाव करने का कार्य। अनुमानित लागतः रू. 18.85 लाख, धरोहर राशिः रू. 37,700/-, निविदा प्रपत्र मूल्य 1180/-

उपरोक्त निविदा की विस्तृत जानकारी के लिए हमारी वेबसाईट www.rsmm.com, www.sppp.rajasthan.gov.in, www.eproc.rajasthan.gov.in अथवा वरि. प्रबन्धक (अनुबन्ध) से उपरोक्त पतें पर सम्पर्क करें।
राज.संवाद/सी/25/8823 उप महाप्रबन्धक (का.एवं प्रशा.)

कार्यालय नगरपालिका मण्डल, सुमेरपुर, जिला-पाली
क्रमांक : न.पा.सु/ई-निविदा/2025-26/4456 दिनांक 22.08.2025
-: ई-निविदा आमंत्रण सूचना :-
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि वर्ष 2025-26 में नगर पालिका सुमेरपुर में मान्यता प्राप्त संवेदको/फर्मो से अनुमानित लागत 48.99 लाख की अंकित तिथि को ई-निविदा आमंत्रित की जाती है अन्य शर्ते व जानकारी विभाग की वेब साईट www.sppp.rajasthan.gov.in एवं www.eproc.rajasthan.gov.in पर देखी व पढी जा सकती है।
जिनके NIB NO. DLB2526A5004, UBN CODE DLB2526SLOB15477 है।
प्रशासक नगरपालिका, सुमेरपुर — अधिशाषी अधिकारी नगरपालिका, सुमेरपुर
राज.संवाद/सी/25/8869

कार्यालय नगर निगम, कोटा दक्षिण, राजस्थान
राजीव गांधी भवन, दशहरा मैदान, सी.ए.डी. सर्किल-कोटा
email : xenelectricalkotasouth@gmail.com, websites : https://udh.rajasthan.gov.in/nnks Ph.: 0744-2502142
क्रमांक :-ननिको/दक्षिण/विद्युत/2025/499-507 दिनांक :-21.08.2025
-:: ई-निविदा सूचना संख्या 21-24/2025-26 ::-
नगर निगम कोटा दक्षिण द्वारा किसी भी सरकारी एवं अर्द्ध सरकारी विभागों में निम्न कार्य को करने वाले अनुभवी संवेदकों से ई-निविदा पद्धती से ऑनलाईन निविदा आमंत्रित की जाती है। कार्यो की अनुमानित राशि, निविदा बेचे जाने, प्राप्त करने, अन्य शर्ते एवं जानकारी निगम वेबसाईट https://udh.rajasthan.gov.in/nnks, www.sppp.rajasthan.gov.in & https://eproc.rajasthan.gov.in पर देखी जा सकती है।
(कुल 02 कार्यो की अनुमानित राशि 30.84 लाख रूपये)
NIB -DLB2526A4996
UBN - DLB2526SLOB15463
UBN -DLB2526SLOB15465
अधिशाषी अभियंता (वि0) नगर निगम कोटा दक्षिण
राज.संवाद/सी/25/8861

कार्यालय नगर पालिका लवाण, दौसा (राजस्थान)
क्रमांक: न.प.लवाण/निर्माण/2025/119 दिनांक:-25.08.2028
निविदा सूचना/
नगर पालिका लवाण द्वारा नगर पालिका कोष के अन्तर्गत निम्नलिखित कार्य करवाये जाने हेतु कार्यालय नगर पालिका कोष एवं इस कार्यालय से सम्बन्धित विभाग (अभियान्त्रिकी, स्वायत्त शासन विभाग) में पंजीकृत संवेदकों के अलावा अन्य विभाग के संवेदकों ए व एए श्रेणी में पंजीकृत संवेदकों से (पंजीकरण नियम Appendix XVI Rule 334 के सेक्शन II के अनुसार) निविदाऐं आमन्त्रित की जाती है।
उक्त निविदा से संबंधित विवरण Website: Sppp.rajasthan.gov.in से Download कर देखी जा सकती है।

निविदा सूचना क्र.सं.	निविदा डाउनलोड करने की तिथि	निविदा क्रय/विक्रय करने की अंतिम तिथि	निविदा खोलने की तिथि	UBN NO.
01	25.08.2025	03.09.2025	03.09.2025	DLB2526WSOB15632

राज.संवाद/सी/25/8879 अधिशाषी अधिकारी

कार्यालय बीकानेर विकास प्राधिकरण, बीकानेर
क्रमांक - बी.डी.ए./स्टोर/2025-26/5279 दिनांक :- 26/08/2025
अल्पकालीन बोली सूचना संख्या 12 स्टोर/2025-26
बीकानेर विकास प्राधिकरण, बीकानेर कार्यालय उपयोग हेतु निम्नलिखित कार्यो के लिए दर संविदा हेतु अल्पकालीन ई-बोली आमंत्रित की जाती है :-
1. पिक-अप व ट्रेक्टर मय ट्रोली उपलब्ध कराने का कार्य।
2. श्रमिक उपलब्ध कराने का कार्य।
3. ट्रेक्टर मय कपल्ड मड पम्प (30 HP / 50 HP कैपेसिटी) मय एक हेल्पर कम प्लम्बर एवं सहायककर्मी उपलब्ध कराने का कार्य।
विस्तृत जानकारी कार्यालय वेबसाईट https://lsg.rajasthan.gov.in/bda, http://sppp.rajasthan.gov.in, http://eproc.rajasthan.gov.in पर देखी जा सकती है।
UBN : ITB2526SLOB00198
UBN : ITB2526SLOB00199
UBN : ITB2526SLOB00200
राज.संवाद/सी/25/8819 सचिव

जगद्गुरु रामानन्दाचार्य राजस्थान संस्कृत विश्वविद्यालय
मदाऊ, भांकरोटा-मुहाना लिंक रोड, जयपुर (राज.) - 302026, ई - मेल :- jrrsu@yahoo.com
वेबसाईट :- www.jrrsanskrituniversity.ac.in, टेलीफैक्स :- 0141-2850551-75
क्रमांक :- प.(01)जरारासविवि/पीएसएसटी/25/620 दिनांक :- 26/08/2025
विज्ञप्ति
प्री-शिक्षाशास्त्री (द्वि-वर्षीय), प्री-शास्त्री-शिक्षाशास्त्री (चार वर्षीय) एवं प्री-शिक्षाचार्य (द्वि-वर्षीय) 2025-26 में प्रवेश हेतु आवेदन हेतु सूचना
विश्वविद्यालय से सम्बद्ध शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालयों में सत्र 2025-26 में द्विवर्षीय शिक्षाशास्त्री पाठ्यक्रम, चार वर्षीय इन्टीग्रेटेड शास्त्री-शिक्षाशास्त्री पाठ्यक्रम एवं शिक्षाचार्य पाठ्यक्रम में प्रवेश हेतु राज्य सरकार एवं राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद् के नियमानुसार प्रवेश परीक्षा (प्री-टेस्ट) एवं प्रवेश प्रक्रिया के लिए पात्र अभ्यर्थियों से ऑनलाईन आवेदन पत्र आमंत्रित किये जाते हैं। द्विवर्षीय शिक्षाशास्त्री हेतु शास्त्री या समकक्ष और सामान्य कला स्नातक परीक्षा उत्तीर्ण या अन्तिम वर्ष में प्रविष्ट तथा चार वर्षीय इन्टीग्रेटेड शास्त्री शिक्षाशास्त्री पाठ्यक्रम हेतु वरिष्ठ उपाध्याय या समकक्ष या सामान्य कला विषय से सीनियर सैकण्डरी कक्षा उत्तीर्ण या प्रविष्ट अभ्यर्थी आवेदन कर सकते हैं। शिक्षाचार्य हेतु शिक्षाशास्त्री या बी.एड. संस्कृत शिक्षण विषय सहित परीक्षा उत्तीर्ण या अंतिम वर्ष में प्रविष्ट अभ्यर्थी आवेदन कर सकते हैं।
उक्त पाठ्यक्रमों में प्रवेश हेतु आवेदन पत्र विश्वविद्यालय की वेबसाइट https://psst2025.jrrsu.in एवं www.jrrsanskrituniversity.ac.in पर दिनांक 29/08/2025 से 18/09/2025 तक उपलब्ध रहेगा। उक्त से संबंधित विस्तृत सूचना विश्वविद्यालय की बेवसाईट पर उपलब्ध होगी। अभ्यर्थी अपनी अभ्यर्थिता की भली प्रकार जांच कर आवेदन करें। अभ्यर्थियों को सलाह दी जाती है कि वे अग्रिम सूचनार्थ विश्वविद्यालय वेबसाइट का अवलोकन करते रहें।
हेल्पलाइन :- 7073704054
हेल्पलाईन ईमेल :- helpdesk@jrrsu.in
राज.संवाद/सी/25/8839 कुलसचिव एवं समन्वयक PSST, PSSST, PSAT- 2025

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने बुधवार को विश्नोई समाज के प्रतिनिधिमंडल से संवाद किया। इस अवसर पर उन्होंने पर्यावरण एवं वन्यजीव संरक्षण में सदैव आगे रहने के लिए विश्नोई समाज की सराहना की।

मुख्यमंत्री से मिला विश्नोई समाज का प्रतिनिधिमंडल

पर्यावरण संरक्षण के लिए विश्नोई समाज का त्याग कहीं और नहीं मिलता - भजनलाल

- विश्नोई समाज के प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री को प्रदेश में पौधारोपण के लिए जापानी मियावाकी वृक्षारोपण तकनीक अपनाने का सुझाव दिया।
- मुख्यमंत्री भजन लाल ने कहा कि राज्य सरकार प्रकृति के संरक्षण में जनभागीदारी को बढ़ावा दे रही है।

जयपुर, 27 अगस्त। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि पेड़ों की रक्षा के लिए मां अमृता देवी सहित 363 लोगों ने बलिदान दिया। विश्व में पर्यावरण संरक्षण के लिए ऐसा त्याग कहीं और देखने को नहीं मिलता है। उन्होंने कहा कि खेजड़ी सिर्फ वृक्ष नहीं बल्कि औषधि भी है। कैर, सांगरी राजस्थान की पहचान है। शर्मा बुधवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में विश्नोई समाज के प्रतिनिधिमंडल से संवाद कर रहे थे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि विश्नोई समाज ने पर्यावरण एवं वन्यजीव संरक्षण में सदैव आगे रहते हुए अनूठे उदाहरण प्रस्तुत किए हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार भी विकास के साथ-साथ प्रकृति के संरक्षण में विभिन्न अभियानों के माध्यम से जनभागीदारी को बढ़ावा दे रही है। शर्मा ने कहा कि हजारों वर्षों से हमारी संस्कृति में वृक्ष, पहाड़ और नदियों की पूजा की जाती है।

मुख्यमंत्री कार्यालय में आयोजित इस संवाद में विश्नोई समाज के प्रतिनिधिमंडल ने प्रदेश में पौधारोपण के लिए जापानी मियावाकी वृक्षारोपण तकनीक अपनाने एवं विकास परियोजनाओं में पर्यावरण एवं वन्यजीव संरक्षण के लिए विशेष प्रावधान करने के संबंध में सुझावपत्र दिए।

इस अवसर पर उद्योग एवं वाणिज्य राज्यमंत्री कृष्ण कुमार के.के. विश्नोई, पूर्व मंत्री सुखराम विश्नोई, स्वामी भागीरथ दास शास्त्री, आचार्य संत गोरधनराम, महंत स्वामी भगवानदास, कृपाचार्य महाराज, भागीरथदास महाराज, स्वामी सदानंद, स्वामी ओंकारानंद, स्वामी श्यामदास सहित विभिन्न जनप्रतिनिधिगण एवं विश्नोई समाज के प्रबुद्धजन उपस्थित थे।

वैष्णो देवी भूस्खलन में मरने वालों की संख्या 41 पहुंची

अभी इन्द्रप्रस्थ भोजनालय के पास मलबे में और लोग दबे होने की आशंका

- बचाव अभियान तेजी से चल रहा है। जम्मू, उधमपुर, श्रीनगर व पठानकोट के आसपास के वायुसेना अड्डों पर हेलीकॉप्टर ''बिल्कुल तैयार'' स्थिति में रखे गये हैं।
- भूस्खलन कटरा से वैष्णो देवी मंदिर के 12 किलोमीटर के घुमावदार रास्ते के लगभग बीच में हुआ।

जम्मू, 27 अगस्त। वैष्णो देवी में बाढ़ और भूस्खलन की घटना में मृतकों की संख्या बढ़ कर 41 हो गई है। अधिकारियों ने बताया कि माता वैष्णो देवी तीर्थस्थल मार्ग पर अर्धकुंवारी के पास उस स्थान पर बचाव अभियान अब भी जारी है जहां मंगलवार को भूस्खलन हुआ था। जानकारी के अनुसार, अर्धकुआरी स्थित इंद्रप्रस्थ भोजनालय के पास मलबे में दबे लोगों को निकालने के लिए बचाव दल जुटे हुए हैं तथा कई और लोगों के फंसे होने की आशंका है। ज्ञातव्य है कि भूस्खलन कटरा शहर से पहाड़ी पर स्थित मंदिर तक 12 किलोमीटर के घुमावदार रास्ते के लगभग बीच में हुआ।

गौरतलब है कि वैष्णो देवी मंदिर तक जाने के दो रास्ते हैं। हिमकोटि मार्ग पर सुबह से ही यात्रा स्थगित कर दी गई थी, लेकिन पुराने रास्ते पर अपराह्न 1.30 बजे तक यात्रा जारी रही, जब अधिकारियों ने बारिश के मद्देनजर एहतियाती कदम उठाते हुए इसे स्थगित करने का फैसला किया। राहत और बचाव सामग्री लेकर भारतीय वायुसेना का एक सी-130 परिवहन विमान बुधवार को माता वैष्णो देवी तीर्थस्थल मार्ग पर अर्धकुंवारी के पास हुए भूस्खलन से प्रभावित लोगों को सहायता प्रदान करने के लिए जम्मू पहुंच गया। सूत्रों ने बताया कि राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) का सामान लेकर सी130 परिवहन विमान उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद स्थित हिंडन वायुसेना अड्डे से रवाना हो कर जम्मू पहुंचा। इसके अलावा, चिनूक और एमआई-17 वी5 जैसे हेलीकॉप्टर जम्मू, उधमपुर, श्रीनगर और पठानकोट के आस-पास के वायुसेना अड्डों पर "बिल्कुल तैयार स्थिति में रखे गए हैं।" जम्मू कश्मीर के कई हिस्सों में बुधवार को चौथे दिन भी मूसलाधार बारिश जारी रहने के कारण बाढ़ ग्रस्त निचले इलाकों से हजारों लोगों को निकालकर सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया गया है।

पटना में पांचवी की छात्रा ने स्कूल में खुद को आग लगाई

पटना, 27 अगस्त। बिहार की राजधानी पटना में जमकर बवाल हुआ है। एक दारोगा की पिटाई भी हुई है। दरअसल पटना के गर्दनीबाग थाना क्षेत्र के अमला टोला स्थित कन्या मध्य विद्यालय में आज एक भयावह घटना घटी, जहां पांचवीं कक्षा की एक छात्रा ने स्कूल के बाथरूम में खुद को आग लगा ली। आनन-फानन में मौके पर गर्दनीबाग थाना की पुलिस पहुंची। इसके बाद लड़की को पीएमसीएच में भर्ती करा दिया गया। इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। पटना सिटी एसपी सेंट्रल दीक्षा भी मौके पर पहुंचीं। साथ ही एफएसएल की टीम को भी बुलाया गया। घटनास्थल से साक्ष्य एकत्रित किए गए। बाथरूम के पास लड़की के जले हुए कपड़े मिले हैं। घटना को लेकर लोगों में काफी आक्रोश है।

जस्टिस पंचोली के सुप्रीम कोर्ट में प्रमोशन पर कोलीजियम में असहमति

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

- सुप्रीम कोर्ट कोलीजियम की सदस्य जस्टिस बी. वी. नागरत्ना ने जस्टिस पंचोली के सुप्रीम कोर्ट में प्रमोशन पर वरिष्ठता और क्षेत्रीय प्रतिनिधित्व के आधार पर आपत्ति जताई।
- जस्टिस पंचोली हाई कोर्ट के न्यायाधीशों की वरिष्ठता सूची में 57 वें नम्बर पर हैं।
- जस्टिस विपुल मनुभाई पंचोली, जो पटना हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस रहे हैं, को सुप्रीम कोर्ट कोलीजियम ने सुप्रीम कोर्ट में न्यायाधीश के पद पर प्रमोट करने की सिफारिश की है।

नई दिल्ली, 27 अगस्त। सुप्रीम कोर्ट के कोलीजियम की पाँच सदस्यीय टीम में शामिल जस्टिस बी. वी. नागरत्ना ने न्यायमूर्ति विपुल मनुभाई पंचोली को सुप्रीम कोर्ट में नियुक्त बतौर जज करने की सिफ़ारिश पर असहमति जताई है। उनका कहना है कि पंचोली की कुल वरिष्ठता और क्षेत्रीय प्रतिनिधित्व के आधार पर वे इस नियुक्ति के योग्य नहीं हैं। वर्तमान में जस्टिस पंचोली देशभर के हाईकोर्ट जजों की वरिष्ठता सूची में 57वें स्थान पर हैं।

सोमवार को सुप्रीम कोर्ट कोलीजियम ने पटना हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश विपुल मनुभाई पंचोली को सुप्रीम कोर्ट का जज नियुक्त करने की सिफ़ारिश की थी। लेकिन यह फ़ैसला सर्वसम्मति से नहीं हुआ।

न्यायमूर्ति बी. वी. नागरत्ना ने स्पष्ट किया कि उनकी आपत्ति पंचोली की कम वरिष्ठता को लेकर है। मुख्य न्यायाधीश भूषण आर. गवई की अध्यक्षता वाले इस कोलीजियम में न्यायमूर्ति सूर्यकांत, विक्रम नाथ, जे. के. माहेश्वरी और बी. वी. नागरत्ना शामिल हैं।

भारत के व्यापारी ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

लेकिन 50 प्रतिशत पर तो जीना असंभव है।

सबसे बड़ा झटका सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों को लगेगा, जो भारत के निर्यात की रीढ़ हैं। ये कंपनियाँ बहुत कम मुनाफ़े पर चलती हैं, इसलिए वे अतिरिक्त लागत ग्राहकों पर नहीं डाल सकतीं। एफ आई ई ओ के अध्यक्ष एस. सी. रल्हन ने कहा, कई निर्यात ऑर्डर पहले ही रोक दिए गए हैं। तिरुपुर और नोएडा जैसे केंद्रों में उत्पादन धीमा हो रहा है, मज़दूरों की नौकरियों पर संकट आ गया है और वैश्विक खरीदार रातों-रात दूसरे सप्लायरों की ओर जा रहे हैं।

लेकिन यहाँ एक बड़ा सबक भी है। यह शुल्क संकट याद दिलाता है कि भारत का निर्यात किसी एक क्षेत्र (जैसे अमेरिका) पर ज़्यादा निर्भर नहीं होना चाहिए। अमेरिकी बाज़ार लंबे समय से भारतीय सामान का सबसे बड़ा आकर्षण रहा है, लेकिन यूरोप, अफ्रीका और लैटिन अमेरिका में विविधता लाना अब भी अधूरा है। जहाँ यूरोपीय संघ और ब्रिटेन के साथ भारत की बातचीत अटकी हुई है, वहीं वियतनाम जैसे देशों ने पहले ही मुक्त व्यापार समझौते कर लिए हैं, जिससे उन्हें निर्णायक बढ़त मिल गई है।

तो भारत को क्या करना चाहिए पहले तो, सरकार को तुरंत कदम उठाने होंगे - निर्यातकों के लिए कर्ज़ में राहत, टैक्स में छूट और के लिए तात्कालिक पैकेज देना होगा।

दूसरे, जैसा सहाय ने कहा, भारत को 21 दिन की कूटनीतिक खिड़की का इस्तेमाल करना होगा ताकि अमेरिका से बात करके शुल्क पूरी तरह लागू होने से पहले कुछ हल निकले। तीसरे, भारत को तेज़ी से ऐसे व्यापार समझौते करने होंगे जो उसे अस्थिर अमेरिकी बाज़ार पर निर्भरता से बचाएँ। नई दिल्ली के लिए यह झटका केवल आर्थिक समस्या नहीं, बल्कि एक भू-राजनीतिक परीक्षा है। वॉशिंगटन ने साफ कर दिया है कि वह व्यापार को दबाव डालने का औज़ार बनाने से नहीं हिचकेगा। अब भारत को तय करना होगा: क्या वह सिर्फ़ अपने अमेरिकी निर्यात को बचाने के लिए रक्षात्मक रूप से भाग-दौड़ करेगा, या फिर इस संकट को एक अवसर में बदलकर मज़बूत, विविध और रणनीतिक निर्यात मॉडल बनाएगा? अगर समझदारी से संभाला जाए तो आज की मौत की घंटी वाली चेतावनी, कल का जागने का अलार्म बन सकती है।

मोदी ने वैष्णो देवी तीर्थ यात्रियों की मौत पर दुख व्यक्त किया

नयी दिल्ली, 27 अगस्त। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जम्मू-कश्मीर में श्री माता वैष्णो देवी तीर्थयात्रा मार्ग के पास भूस्खलन में जान-माल की क्षति पर दुख व्यक्त किया है।

मोदी ने बुधवार को सोशल मीडिया एक्स पर शोक संदेश में लिखा, "श्री माता वैष्णो देवी मंदिर मार्ग पर भूस्खलन के कारण हुई जनहानि दुखद है। मेरी संवेदनाएं शोक संतप्त परिवारों के साथ हैं। घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूं। प्रशासन सभी प्रभावित लोगों की सहायता कर रहा है। मैं सभी की सुरक्षा और कुशलक्षेम के लिए प्रार्थना करता हूं। प्रधानमंत्री ने अपनी पोस्ट में कहा, मैंने जम्मू-कश्मीर के अधिकारियों से बात की है और बचाव एवं राहत अभियान युद्धस्तर पर चलाया जा रहा है। प्रभावित लोगों को हर संभव सहायता प्रदान की जा रही है।

- उन्होंने अपनी पोस्ट में कहा कि बचाव व राहत कार्य युद्ध स्तर पर चलाये जा रहे हैं।

गौरतलब है कि श्री वैष्णो देवी मार्ग के अर्धकुवारी खंड के पास भारी बारिश के कारण भूस्खलन में मरने वालों की संख्या 41 हो गई है। इससे क्षेत्र में यातायात बाधित हो गया है। बचाव अभियान जारी है और प्रशासन प्रभावित क्षेत्र में तीर्थयात्रियों और निवासियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए काम कर रहा है।

मनाली में उफनती ब्यास नदी ने कहर ढाया

लेह हाइवे का 200 मीटर भाग नदी में बह गया

- इससे सड़कों पर 50 मीटर लम्बा जाम लगा है, पर्यटक फंस गए हैं।
- सोमवार शाम से राज्य में अचानक बाढ़ की 12 घटनाएं हुईं, दो बड़े लैंडस्लाइड हुए तथा बादल फटने की एक घटना रिपोर्ट हुई है।
- राज्य में अब तक अचानक बाढ़ के 90 केस, बादल फटने के 42 केस व भूस्खलन के 84 केस रिपोर्ट हुए हैं।

नई दिल्ली, 27 अगस्त। हिमाचल प्रदेश में भी पिछले कुछ दिनों से मानसून कहर बरपा रहा है। हालात अब भी कई इलाकों में ऐसे ही हैं और जगह-जगह लैंडस्लाइड भी हो रहा है। मौसम विभाग (आईएमडी) के अनुसार अभी खतरा अभी भी बरकरार है। आईएमडी ने आने वाले दिनों में बारिश जारी रहने का अनुमान जताया गया है। कुल्लू, मंडी, किन्नौर तक भारी बारिश जारी है। भूस्खलन और अचानक बाढ़ आने से दुकानें बह गईं, इमारतें ढ ह गईं, राजमार्गों का संपर्क टूट गया और रिहायशी इलाकों में पानी भर गया। अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। मनाली के फोर लेन हाइवे के बह जाने की वजह से भारी ट्रैफिक जाम की स्थिति है। एक समय पर्यटकों से भरा रहने वाले कूल्लू में इस वक्त तबाही का मंजर है। सड़कें बंद होने से गाड़ियों की 50 किमी लंबी कतार लगी है।

ब्यास नदी की तेज धाराओं में मंगलवार तड़के कुल्लू जिले के मनाली में एक बहुमंजिला होटल और चार दुकानें बह गईं। नदी के उफान पर होने से, पानी मनाली के अलू मैदान में घुस गया, जबकि चंडीगढ़ और मनाली को जोड़ने वाला राष्ट्रीय राजमार्ग कई जगहों पर क्षतिग्रस्त हो गया। मनाली-लेह राजमार्ग का लगभग 200 मीटर हिस्सा भी ब्यास नदी के बह गया, जिससे मार्ग बंद हो गया और पर्यटक फंस गए। मनाली के राइट बैंक रोड पर भी स्थिति गंभीर है, जो कुल्लू शहर को जोड़ता है। राष्ट्रीय राजमार्ग के दो बड़े हिस्से बह गए, जबकि मनाली से बुरुआ जाने वाला मार्ग भी पुराने मनाली के पास बह गया।

सोमवार शाम से राज्य में 12 बार अचानक बाढ़, दो बड़े भूस्खलन और एक बार बादल फटने की सूचना मिली है। अचानक बाढ़ आने से लाहौल और स्पीति जिले में नौ, कुल्लू में दो और कांगड़ा में एक घटना हुई। जबकि चंबा जिले में बादल फटने की सूचना मिली। इनमें से किसी भी घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। हालांकि, कांगड़ा जिले में एक व्यक्ति डूब गया, जबकि किन्नौर में ऊंचाई से गिरने से एक अन्य व्यक्ति की मौत हो गई।

राज्य में अब तक अचानक बाढ़ की 90 घटनाएं, बादल फटने की 42 घटनाएं हुई हैं और 84 बड़े भूस्खलन हुए हैं। एसईओसी के आंकड़ों के अनुसार, बारिश से जुड़ी घटनाओं में राज्य को 2,454 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है। हिमाचल प्रदेश में 1 जून से 25 अगस्त तक 753 मिमी बारिश हुई, जबकि औसत बारिश 584.2 मिमी होती है, जो सामान्य से 29 प्रतिशत अधिक है। अगस्त में अब तक राज्य में सामान्य से 62 प्रतिशत अधिक बारिश हुई है।

हैरिटेज व ग्रेटर ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

असंवैधानिक और कानून के विपरीत है। दोनों निगम को समाप्त कर एक निगम के गठन के दौरान वार्ड की संख्या 250 से घटाकर 150 कर दी जाएगी। याचिका में कहा गया कि हाल ही में निगम सीमा के 80 गांवों की करीब 1.75 लाख की आबादी को नगर निगम शामिल किया गया है। दोनों निगमों के एकीकरण से बढ़ी हुई आबादी के बावजूद जनप्रतिनिधित्व कम हो जाएगा। याचिका में कहा गया कि शहर की मौजूदा आबादी करीब 45 लाख से अधिक है। वहीं बढ़ते शहरीकरण और क्षेत्रफल के हिसाब से मौजूदा वार्डों से सौ वार्ड कम करना शहर के विकास के लिहाज से उचित नहीं है। इससे न केवल शहर का विकास प्रभावित होगा, बल्कि प्रशासनिक ढांचा भी बिगड़ेगा और आमजन की अफसरों तक पहुंच भी कम होगी। याचिका में कहा गया कि शहर के विकास और आमजन की सुविधा के लिए साल 2019 में तत्कालीन सरकार ने जयपुर नगर निगम को विभाजित करते हुए दो निगम बनाए थे। वहीं हाईकोर्ट ने भी इसे न्यायोचित ठहराया था। अब इसके पुन: विलय से यूनेस्को वर्ल्ड हेरिटेज सिटी के लिए गठित विशेष संस्थानों जैसे हेरिटेज कमेटी, तकनीकी हेरिटेज समिति और हेरिटेज सेल का अस्तित्व समाप्त हो जाएगा। राज्य सरकार ने विलय का यह निर्णय आमजन की सलाह और कानूनी प्रावधानों का पालन किए बिना लिया है। याचिका में यह भी आरोप लगाया गया कि यह कदम पूरी तरह से राजनैतिक प्रेरणा और चुनावी लाभ के लिए उठाया गया है।

बाढ़ के कारण जम्मू की 58 ट्रेन रद्द और 18 के रुट बदले

नई दिल्ली, 27 अगस्त। देश के कई राज्यों में भारी बरसात का दौर जारी है। जम्मू में बाढ़ और भूस्खलन ने बेहाल कर रखा है। इसका असर रेल यातायात पर भी दिख रहा है खासतौर पर जम्मू डिविजन खासा प्रभावित नजर आ रहा है।

उत्तर रेलवे ने जम्मू कटरा रेलवे स्टेशनों पर आने-जाने वाली 22 ट्रेनों को रद्द कर दिया है। इससे पहले मंगलवार को 27 ट्रेनों को बीच में ही जहां का तहां रोक दिया गया था। अचानक ट्रेन कैंसिल होने से रेल यात्रियों को खासी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। रेलवे का कहना है कि, जम्मू में भारी बारिश के चलते 58 ट्रेनों का परिचालन रद्द कर दिया है। जबकि 18 ट्रेनों का रूट बदल दिया गया है।

मोदी ने फिनलैंड के ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

संघर्ष के समाधान पर वाशिंगटन में यूरोप, अमेरिका और यूक्रेन के नेताओं के बीच हुई बैठकों पर श्री मोदी के साथ अपना आकलन साझा किया।

प्रधानमंत्री ने संघर्ष के शांतिपूर्ण समाधान और शांति एवं स्थिरता की शीघ्र बहाली के लिए भारत के निरंतर समर्थन को दोहराया।

फिनलैंड राष्ट्रपति ने पारस्परिक रूप से लाभकारी भारत-यूरोपीय संघ मुक्त व्यापार समझौते के शीघ्र समापन के लिए फ़िनलैंड के समर्थन को दोहराया। उन्होंने 2026 में भारत द्वारा आयोजित एआई इम्पैक्ट शिखर सम्मेलन की सफलता के लिए भी समर्थन की पुष्टि की। मोदी ने स्टब को शीघ्र भारत आने का निमंत्रण भी दिया।

'पेपर लीक से ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

यह भी कहा था कि आगामी भर्ती में, इस भर्ती में शामिल अभ्यर्थियों को आयु सीमा देने पर सकारात्मक रूप से विचार किया जाएगा।

याचिका में आगे कहा गया कि इसके 19 दिन बाद ही आरपीएससी की ओर से एसआई भर्ती-2025 निकाली गई। इसके जरिए पुलिस उपनिरीक्षक के 1015 पद भरे जाने हैं। आरपीएससी की ओर से इस भर्ती में साल 2021 के अभ्यर्थियों के लिए अलग से आयु सीमा में छूट नहीं रखी गई। आयोग की ओर से हर भर्ती में दी जाने वाली अधिकतम तीन साल की छूट का ही प्रावधान रखा गया है। याचिकाकर्ता पेपर लीक होने के कारण साल 2021 की भर्ती में सफल नहीं हुए थे। ऐसे में उन्हें इस भर्ती में आयु सीमा में छूट दी जाए। मामले की सुनवाई करते हुए एकलपीठ ने राज्य सरकार और आरपीएससी से जवाब तलब करते हुए याचिकाकर्ताओं के आवेदन स्वीकार कर उन्हें चयन प्रक्रिया में शामिल करने को कहा है।

'क्या मोदी गत कुछ समय ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

समीकरणों की हो। मेरा विचार है कि इस रिपोर्ट को संदेह और सतकर्ता के साथ लेना चाहिए, क्योंकि ट्रंप-मोदी की दोस्ती अब टूट गई हो।''

एफएज़ैड ने दावा किया कि ''ऐसे संकेत हैं कि मोदी अपमानित महसूस कर रहे थे और मोदी का ट्रंप से बात करने से इनकार इस बात को दर्शाता है कि वह कितने नाराज़ और सतर्क हैं, खासकर ऐसे समय में जब भारत को अमेरिकी व्यापार प्रतिबंधों का सामना करना पड़ रहा है (रूसी कच्चे तेल की खरीद के कारण), और ट्रंप बार-बार यह दावा कर रहे हैं कि उन्होंने भारत-पाकिस्तान युद्ध को रोका।''

एफएज़ैड की रिपोर्ट का अब तक आधिकारिक रूप से न तो वॉशिंगटन और न ही दिल्ली ने खंडन किया है, लेकिन कुछ सूत्र आधारित खबरों से ऐसा संकेत मिला है कि यह मामला मोदी की कार्यशैली से मेल नहीं खाता।

एफएज़ैड, जो कि 76 साल पुराना और बहुत सम्मानित अखबार है, उसकी विश्वसनीयता के बावजूद एक वरिष्ठ कूटनीतिक विश्लेषक ने कहा कि ''यूरोपीय मीडिया - खासकर फ्रेंच या जर्मन - आमतौर पर ज्यादा सवाल नहीं करता।''

उक्त कूटनीतिक विश्लेषक ने कहा, ''यह कहानी शायद जर्मन अखबार को 'प्लांट' की गई थी, भारतीय सरकार विदेशी मीडिया का इस्तेमाल अपने नजरिए को सामने लाने के लिए करने लगी है। जैसे कि ब्लूमबर्ग को दिए गए सीडीएस /चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ के इंटरव्यू में पहली बार ऑपरेशन सिंदूर में भारत के नुक़सान की बात स्वीकारी गई - हालांकि सिका ब्यौरा नहीं दिया गया।

इस बीच एफएज़ैड की रिपोर्ट का उपयोग दोनों पक्षों के ट्रोल्स और प्रचारकों द्वारा पीएम की छवि को बेहतर दिखाने या फिर उनका मज़ाक उड़ाने के लिए किया जा रहा है, यह निर्भर करता है कि वे किस विचारधारा से जुड़े हैं।

चूंकि अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप द्वारा बार-बार भारत-पाकिस्तान युद्ध रोकने के दावों और भारत पर लगाए गए व्यापारिक शुल्कों से मोदी सरकार की छवि पर नकारात्मक असर पड़ा है, जानकार सूत्रों का कहना है कि इस तरह की रिपोर्ट को जर्मन मीडिया में ''प्लांट'' करना ज्यादा विश्वसनीय लगता है। यही कारण है कि इसे किसी घरेलू मीडिया के माध्यम से जारी नहीं किया गया।

एक पूर्व भारतीय राजनयिक ने कहा कि मीडिया का इस्तेमाल नेताओं की छवि बनाने या बिगाड़ने के लिए प्राचीन समय से होता आया है, और यदि मोदी सरकार की भारी-भरकम इमेज बिल्डिंग मशीनरी किसी विदेशी अखबार में ऐसी खबर ''प्लांट'' करती है तो इसमें कुछ भी गलत नहीं है। आखिरकार, हाल के सप्ताहों में मोदी की ''महान छवि'' को काफी झटका लगा है।

सबसे चुटीली प्रतिक्रिया कॉमेडियन रमेश श्रीवत्स की एक्स पोस्ट थी, जिसमें उन्होंने तंज कसते हुए लिखा:

''जब भी ट्रंप कॉल करें, मोदी को ऑटो-रिप्लाई सेट कर देना चाहिए: नमस्ते, मैं नरेंद्र मोदी बोल रहा हूं। मैं इस समय आपकी कॉल नहीं ले सकता क्योंकि मैं शी जिनपिंग और पुतिन के साथ रोड ट्रिप पर हूं। कृपया बीप के बाद संदेश छोड़ दें''।

सीज़फायर के लिए ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

ट्रंप ने आगे कहा, ''और यह बात उनके लिए बहुत मायने रखती थी। मैंने कहा, मुझे कल वापस कॉल करना, लेकिन अभी हम कोई समझौता नहीं करेंगे। अगर नहीं माने तो हम तुम पर इतने भारी टैरिफ (शुल्क) लगा देंगे...''

ट्रंप ने कहा कि उस बातचीत में अमेरिकी वाणिज्य सचिव हॉवर्ड लटनिक भी मौजूद थे:

उन्होंने पूछा, ''हॉवर्ड, तुम वहीं थे, है ना? मैंने कहा, हम तुम पर इतना भारी शुल्क लगाएंगे कि तुम्हारा सिर घूम जाएगा। लेकिन मैं तुम्हें युद्ध नहीं करने दूंगा।''

ट्रंप ने आगे कहा, ''लगभग पांच घंटे में सब कुछ हो गया। सब निपट गया। हो सकता है यह फिर से शुरू हो जाए, मुझे नहीं पता। मुझे ऐसा नहीं लगता, लेकिन अगर होगा तो मैं फिर रोक दूंगा...''

ट्रंप यह दावा 10 मई से बार-बार कर रहे हैं, जब उन्होंने कहा था कि भारत और पाकिस्तान के बीच 'पूर्ण और तत्काल' संघर्ष विराम वॉशिंगटन की मध्यस्थता से हुआ, और यह एक ''लंबी रात की बातचीत'' के बाद तय हुआ।

उन्होंने 40 से ज्यादा बार ऐसा दावा किया है, और वे अक्सर इसे टैरिफ को एक हथियार की तरह इस्तेमाल करने से जोड़ते हैं।

भारत ने हमेशा इस बात से इनकार किया है कि किसी बाहरी ताकत ने इस प्रक्रिया में कोई भूमिका निभाई।

प्रधानमंत्री मोदी ने पिछले महीने संसद में कहा था: ''किसी भी नेता ने हमसे सैन्य अभियान रोकने को नहीं कहा।''

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और गृहमंत्री अमित शाह ने भी यही बात दोहराई।

विदेश मंत्री जयशंकर ने इससे पहले कहा था: ''भारत ने अपनी रणनीतिक सोच के आधार पर कार्रवाई की। हमने दुनिया भर के नेताओं को आतंकवाद पर अपने 'शून्य सहिष्णुता' के रुख के बारे में बताया। हमें अपने बचाव का पूरा अधिकार है।''

क्या भारत किसी और के ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

क्षेत्र में, उसे दबाव डालने के लिए आसान लक्ष्य बनाते हैं।

इस नज़रिये से देखा जाए तो, भारत पर लगे टैरिफ़ कोई अलग घटना नहीं, बल्कि बड़े भू-राजनीतिक शतरंज खेल का हिस्सा हैं। ट्रंप की ''लेन-देन वाली'' सोच हमेशा सिद्धांतों से ज़्यादा सौदे को प्राथमिकता देती रही है और टैरिफ़ उनके लिए दूसरों को बातचीत की मेज़ पर खींचकर लाने का ज़रिया है। पहले भी जापान, कैनडा, मैक्सिको और यहाँ तक कि यूरोपीय संघ पर ऐसे ही शुल्क लगाए गए थे, और बाद में उन सबको वॉशिंगटन के अनुकूल समझौते करने पड़े। भारत के साथ भी कुछ ऐसा ही दबाव डाला जा रहा है। घरेलू पहलू को भी नज़रअंदाज़ नहीं किया जा सकता। ट्रंप के समर्थक, ख़ासकर ''रस्ट बैल्ट स्टेट्स,'' अमेरिका का वह इलाका जहाँ कभी भारी उद्योग और फैक्टरियाँ थीं लेकिन अब वहाँ आर्थिक गिरावट है, क्योंकि, फैक्टरियाँ या तो बंद हो गईं या अन्यत्र चली गईं, अब भी टैरिफ़ और ''व्यापार में सख़्त रुख'' की भाषा को पसंद करते हैं। भारत से आने वाले सामान, जैसे वस्त्र, चमड़ा और ऑटो पार्ट्स, जो मज़दूर-प्रधान क्षेत्र हैं, उन पर शुल्क लगाकर ट्रंप यह दावा कर सकते हैं कि वे अमेरिकी नौकरियाँ बचा रहे हैं, भले ही यह अमेरिका की अर्थव्यवस्था की बड़ी संरचनात्मक समस्याओं से ध्यान भटकाने का एक प्रयास हो। चूंकि भारत अमेरिका का बहुत बड़ा दुश्मन नहीं है, इसलिए यह कदम राजनीतिक रूप से सस्ता लेकिन प्रतीकात्मक रूप से मज़बूत है। नई दिल्ली के लिए चुनौती यह है कि वह टैरिफ़ को सिर्फ़ आर्थिक चश्मे से न देखे। भले ही तत्काल चिंता, निर्यातकों को बचाने और नए बाज़ार खोजने की होगी, पर असली काम कूटनीति है। भारत को तय करना होगा कि वह कड़ा जवाब दे, डब्ल्यु.टी.ओ. या अपने खुद के प्रतिशुल्कों के ज़रिए, या फिर इसे वॉशिंगटन के साथ लंबी बातचीत की शुरुआत माने। किसी भी हाल में भारत को यह नहीं होने देना चाहिए कि वह सिर्फ़ एक मोहरा बनकर रह जाए, जिसकी स्वतंत्रता अमेरिका-चीन-रूस की खींचतान में गिरवी रख दी जाए। अंतत:, यह घटना एक सच्चाई दिखाती है: आज की दुनिया में बड़ी ताक़तें जब व्यापार को हथियार बना रही हैं, तो भारत जैसे मध्यम देशों के लिए सुरक्षित रहना मुश्किल है, चाहे वे साझेदार ही क्यों न हों। ट्रंप के टैरिफ़ यह याद दिलाते हैं कि वॉशिंगटन के लिए आर्थिक औज़ार हमेशा रणनीतिक मकसद पूरे करने का ज़रिया हैं। भारत की असली परीक्षा यह होगी कि वह इस दबाव को अवसर में बदल सके, अपनी ताक़त दिखाकर, गठबंधनों को मज़बूत बनाकर और किसी और के खेल में मोहरा बनने से इनकार करके।

अमेरिका के ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

उनके साथ बहुत बड़ा व्यापार घाटा है।

हालांकि, बेसेंट ने यह भी कहा कि दोनों देशों के बीच बहुत कुछ दांव पर लगा है। वे अपने व्यापारिक रिश्तों को टूटने नहीं देंगे। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि भारत दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र है और अमेरिका दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है। मुझे लगता है कि अंत में हम एक साथ आएंगे।

राष्ट्रदूत (एचयूएफ) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा राष्ट्रदूत प्रेस, जी1/63 इंडस्ट्रीयल एरिया फेस प्रथम, जालौर, (राज.) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. RAJHIN/2006/17286 जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513, कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, अजमेर कार्यालय: राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन226422,226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908